

✳Website : www.kalamlok.com✳

वर्ष - 10 अंक - 180

बक्सर, शनिवार 31 अक्टूबर 2026

कलम लोक

पृष्ठ - 8
मूल्य 2 रू.

"हमारे सुख-दुःख का कारण दूसरे व्यक्ति या परिस्थितियाँ नहीं अपितु हमारे अच्छे या बुरे विचार होते हैं।

जब तक सांस, तब तक जनसेवा; पीएम मोदी की हुंकार, विपक्ष को करारा जवाब, किसानों पर कह दी बड़ी बात

बनासकांठा (एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि वह अपनी आखिरी सांस तक देश की जनता की सेवा करते रहेंगे। मोदी का यह बयान कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की उस टिप्पणी के कुछ दिन बाद आया है, जिसमें उन्होंने कहा था, ''मोदी का बाप भी जाएगा।'' प्रधानमंत्री गुजरात के बनासकांठा जिले के भीलड़ी में 'भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर' का उद्घाटन करने और 14,000 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास करने के बाद एक जनसभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा, ''जीवन के अंतिम क्षण तक जनता की सेवा में ही जुटा रहूंगा।''

विपक्ष पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ लोग ऐसे हैं, जिन्हें देश पर संकट आने पर खुशी होती है। मोदी ने कहा, ''ईरान युद्ध के बाद उन्होंने अफवाहें फैलाईं कि किसानों को खाद नहीं मिलेगी और लोगों को एलपीजी नहीं मिलेगी क्योंकि वे मोदी को बदनाम करना चाहते थे।'' उन्होंने कहा कि लेकिन ऐसा नहीं हुआ। प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार ने हमेशा किसानों के कल्याण को प्राथमिकता दी है और उन्हें सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा, ''वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच उर्वरकों की कीमतों में भारी बढ़ोतरी हुई, लेकिन हमारी सरकार ने इसका बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया।'' पीएम ने बताया कि सरकार ने पीएम-किसान सम्मान निधि के तहत छोटे किसानों को 4.5 लाख करोड़ रुपये दिए हैं।



इस दौरान उन्होंने किसानों को याद दिलाया कि वे उनके साथ खड़े रहने के अपने वादे पर कायम हैं। साथ ही, उन्होंने 14,000 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी और 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना की 24वीं किस्त जारी की। मोदी ने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में तनाव अभी भी बना हुआ है, लेकिन सरकार ने खाद की बढ़ती कीमतों का बोझ किसानों पर नहीं पड़ने दिया। उन्होंने कहा कि हर कोई भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में काम कर रहा है। अपने गृह राज्य गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर आए मोदी ने कहा, 'लेकिन कुछ लोगों को यह पसंद नहीं है। ये वे लोग हैं जो देश को संकट में देखना चाहते हैं। जब वे देश को संकट में देखते हैं, तो उन्हें खुशी होती है।'

अपने दिन की शुरुआत बनासकांठा में एक रोडशो के साथ करने वाले मोदी ने किसानों की एक सभा में कहा कि जब देश खाड़ी क्षेत्र में अनिश्चितताओं और तनाव का सामना कर रहा था, तब उनके विरोधियों ने अफवाहें फैलाईं। उन्होंने खाद की बढ़ती कीमतों का जिक्र करते हुए बताया कि अंतरराष्ट्रीय बाजार में यूरिया के एक बैग की कीमत 3,000 रुपये है, जबकि भारतीय किसानों को यह उस कीमत के दसवें हिस्से से भी कम, यानी 300 रुपये प्रति बैग से भी कम दाम पर मिल जाता है। मोदी ने बताया कि डाई-अमोनियम फॉस्फेट (DAP) की अंतरराष्ट्रीय कीमत 5,000 रुपये प्रति बैग है, लेकिन भारतीय किसानों को यह 1,350 रुपये में ही मिल रही है। उन्होंने कहा कि सरकार इस अतिरिक्त लागत का बोझ खुद उठा रही है, ताकि किसान बेहतर और अधिक समृद्ध जीवन जी सकें। पांच योजनाओं का हवाला देते हुए पीएम ने कहा, 'हाल के वर्षों में, हमारी सरकार की नीतियों की बदौलत किसानों को 50 लाख करोड़ रुपये से अधिक का लाभ मिला है या उनकी इतनी बचत हुई है।' उन्होंने बताया कि अकेले 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि' योजना के तहत छोटे किसानों के बैंक खातों में लगभग 4.5 लाख करोड़ रुपये सीधे ट्रांसफर किए गए हैं।

पीएम मोदी ने बताया कि 'स्वीट रिवोल्यूशन' (मीठी क्रांति) के तहत पिछले 12 वर्षों में शहद का उत्पादन दोगुना हो गया है। उन्होंने एक ऐसी महिला का जिक्र किया जो 35 लाख रुपये का शहद बेचती है। पीएम ने अक्टूबर 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में अपनी पहली शपथ लेने और सार्वजनिक जीवन में 25 साल पूरे करने को याद करते हुए कहा, 'ऐसा लगता है जैसे कल की ही बात हो, जब मैंने अक्टूबर 2001 में पहली बार शपथ ली थी। आप लोगों ने मुझ पर बहुत प्यार बरसाया... जब गुजरात के लोग मुझे 'हमारे नरेंद्रभाई' कहकर बुलाते हैं, तो मेरा सीना गर्व से फूल जाता है।' उन्होंने अपनी साधारण पृष्ठभूमि का जिक्र करते हुए कहा कि जब उन्होंने पहली बार शपथ ली थी, तब उन्हें सरकारी दफ्तरों और फाइलों के बारे में कुछ भी पता नहीं था।

सीएम थलपति विजय का बड़ा ऐलान

सरकारी नौकरी के लिए उम्र में पांच साल की छूट

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री थलपति विजय जोसेफ ने शुक्रवार को बड़ा ऐलान किया। उन्होंने सरकारी नौकरियों के अभ्यर्थियों को उम्र में पांच साल की छूट देने की बात कही है। सरकारी बयान के मुताबिक यह फैसला सरकारी नौकरी के उम्मीदवारों की ओर से प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं के लिए आयु सीमा में छूट की मांग के बाद लिया गया है। बयान में कहा गया कि यह पांच साल की छूट मौजूदा नियमों के तहत मिलने वाली आयु छूट से इतर होगी। सरकार के मुताबिक यह निर्देश पांच साल तक लागू रहेगा।



योजना से जुड़ी अन्य डिटेल्स, इसके तहत आने वाले आवेदकों की कैटेगरी और इंप्लीमेंटेशन प्रॉसेस के बारे में अभी पूरी जानकारी सामने नहीं आई है। गौरतलब है कि सीएम विजय सत्ता में आने के लगातार बाद से कल्याणकारी योजनाएं लागू कर रहे हैं। विजय के प्रमुख फैसलों में योग्य घरेलू उपभोक्ताओं के लिए मुफ्त बिजली की सुविधा को हर दो महीने में 100 यूनिट से बढ़ाकर 200 यूनिट करना, एक समर्पित महिला सुरक्षा बल की स्थापना करना और शैक्षिक संस्थानों, धार्मिक स्थलों और परिवहन स्थानों के पास स्थित 717 शराब की दुकानों को बंद करने का आदेश देना शामिल है।

सरकार ने शिक्षा से संबंधित पहलों की भी घोषणा की है। इसमें स्कूल के छात्रों के लिए बढ़ाया गया नाश्ते का कार्यक्रम और कॉलेज के छात्रों के लिए लैपटॉप वितरण कार्यक्रम शामिल है। इसके अलावा कृषि क्षेत्र में, सरकार ने सहकारी कृषि ऋणों की माफी की घोषणा की। यह 75,000 रुपए तक है। वहीं,1 लाख रुपए तक के लोन के लिए अतिरिक्त राहत भी दी गई है। इस विस्तारित माफी से 13.34 लाख किसानों को फायदा मिलने वाला है।

हम खुद फंसे हुए हैं, बात को समझिए : अभिजीत दीपके बोले

नई दिल्ली (एजेंसी)। अभिजीत दीपके ने कॉकरोच जनता पार्टी की चुप्पी पर उठ रहे सवालों पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने बताया है कि वह कुछ चीजों में फंसे हुए हैं और इसके चलते ही कई मुद्दों पर बात नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने कहा है कि सीजेपी जामिया मिल्लिया में प्रदर्शन कर रहे छात्रों के साथ है। साथ ही IIT बॉम्बे केस से जुड़े साहिल वाकुडे के में भी साथ है। उन्होंने आरोप लगाए हैं कि सीजेपी नेताओं के पीछे पुलिस लगा दी गई है।



अभिजीत दीपके ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट एक वीडियो में कहा, 'मैं आप लोगों के काफी सारे कमेंट्स पढ़ रहा हूं, जहां आप लोग साहिल वाकोडे के बारे में क्यों नहीं बोल रही है? जामिया मिल्लिया इस्लामिया में जो हो रहा है, उस पर सीजेपी चुप क्यों है? केरल में चल रहे शिक्षकों के विरोध प्रदर्शन पर सीजेपी कुछ क्यों नहीं कह रही है? भीमाशंकर में जो हो रहा है, उस पर आप चुप क्यों हैं? मैं यह कहना चाहता हूं कि सीजेपी उन सभी के साथ है, जो अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं। सीजेपी उन सभी लोगों के साथ खड़ी है।' दीपके ने कहा, 'साहिल वाकुडे के केस के बारे में मैंने कई बार बोला है।

सोमनाथ मंदिर के पास नहीं बिकेगा नॉनवेज

अहमदाबाद (एजेंसी)।

गुजरात के सोमनाथ मंदिर के आस-पास नॉनवेज की बिक्री नहीं होगी। यह फैसला गुजरात हाई कोर्ट ने सुनाया है। कोर्ट में डबल बेंच जज ने, सिंगल बेंच जज द्वारा इस संबंध में दिए गए आदेश को पलटते हुए अपना फैसला सुनाया। चीफ जस्टिस मनाश रंजन पाठक और जस्टिस निर्जर देसाई की एक डिवीजन बेंच ने जस्टिस निशा ठाकोर के फैसले को रोक लगा दी। बेंच ने गुजरात सरकार द्वारा दायर अर्जेंट अपील के बाद यह फैसला सुनाया। साथ ही निर्देश दिया कि डीएम द्वारा नॉनवेज पर बिक्री पर लगाई गई रोक की अधिसूचना जारी रहेगी। डिवीजन बेंच में मामले की अगली सुनवाई अब 26 दिसंबर को होगी।

शोपियां में आतंकियों के 10 मददगार गिरफ्तार, लश्कर-टीआरएफ से जुड़े तार

शोपियां (एजेंसी)।

जम्मू-कश्मीर के दक्षिण कश्मीर स्थित शोपियां जिले में पुलिस ने आतंकी फंडिंग नेटवर्क के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी कथित तौर पर आतंकियों की आर्थिक मदद करने और उनकी गतिविधियों के लिए जरूरी संसाधन उपलब्ध कराने में शामिल थे। जांच के दौरान विभिन्न डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म के जरिए किए गए संदिग्ध वित्तीय लेनदेन का विश्लेषण किया गया। इससे पैसों के लेनदेन की कई कड़ियों का पता चला और कथित आतंकी फंडिंग नेटवर्क की जांच आगे बढ़ी। अधिकारियों के अनुसार, इस नेटवर्क के संबंध ऐसे आतंकियों और उनके सहयोगियों से भी सामने आए हैं, जो अलग-अलग जेलों में बंद हैं।

पुलिस के मुताबिक, यह नेटवर्क जम्मू-कश्मीर के भीतर सक्रिय था और इसकी जांच का मुख्य उद्देश्य आतंकवादी गतिविधियों को आर्थिक सहायता पहुंचाने वाले लोगों तथा वित्तीय संपर्कों की पहचान करना है। मामले में अब तक 10 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को आशंका है कि इस नेटवर्क में अन्य लोग भी शामिल हो सकते हैं, जिनकी भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, शोपियां पुलिस ने आतंकवादी गतिविधियों से जुड़े संदिग्ध वित्तीय नेटवर्क की पहचान करने के लिए विस्तृत जांच शुरू की थी। इस दौरान अलग-अलग पेमेंट प्लेटफॉर्म के माध्यम से किए गए ऑनलाइन लेनदेन की पड़ताल की गई। इस प्रक्रिया में ऐसे लोगों के नेटवर्क का पता चला, जिन पर आतंकियों और उनके सहयोगियों को आर्थिक मदद पहुंचाने का संदेह है। पुलिस के मुताबिक, जांच में ऐसे व्यक्तियों के साथ कथित संपर्क भी सामने आए हैं, जिनके संबंध अलग-अलग जेलों में बंद आतंकियों और उनके सहयोगियों से बताए जा रहे हैं। जांच का एक अहम पहलू यह है कि पुलिस केवल संदिग्ध व्यक्तियों की पहचान तक सीमित नहीं है, बल्कि उन वित्तीय माध्यमों और संपर्कों का भी पता लगाने की कोशिश कर रही है, जिनके जरिए कथित तौर पर धन जुटाया और आगे पहुंचाया जाता था।



पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि आरोपी कथित तौर पर आम लोगों से गुप्त तरीके से धन जुटाते थे और फिर स्थापित वित्तीय माध्यमों के जरिए इस रकम को आगे पहुंचाते थे। अधिकारियों के अनुसार, इस धन का इस्तेमाल लश्कर-ए-तैयबा (LeT) और उससे जुड़े द रेजिस्टेंस फ्रंट (TRF) की आतंकवादी गतिविधियों को सहायता देने के लिए किए जाने का आरोप है। जांच एजेंसियों को यह भी संदेह है कि कथित तौर पर जुटाई गई रकम का इस्तेमाल आतंकियों को जरूरी संसाधन मुहैया कराने में किया जाता था। इनमें स्मार्टफोन जैसे उपकरण भी शामिल हैं, जिनकी मदद से आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए लॉजिस्टिक सहायता उपलब्ध कराई जा सकती है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम आए सामने

पुलिस ने इस मामले में गिरफ्तार किए गए 10 लोगों की पहचान भी सार्वजनिक की है। इनमें ओवैस शफी नाइकू, तजामुल अहमद शाह, मोइज इकबाल, इमदाद यूसुफ गनई, साकिब जाहूर वानी, लियाकत नजीर लोन, आमिर अहमद गनई, फिरदौस ठोकर, मोहम्मद हनीफ और काजू शामिल हैं। स्थानीय मीडिया में प्रकाशित पुलिस की जानकारी के अनुसार, गिरफ्तार किए गए आठ आरोपी शोपियां और पुलवामा सहित दक्षिण कश्मीर के इलाकों से हैं, जबकि दो आरोपी जम्मू क्षेत्र के कठुआ जिले के निवासी बताए गए हैं। पुलिस इन आरोपियों के कथित संपर्कों और वित्तीय लेनदेन की कड़ियों की पड़ताल कर रही है।

पंजाब में राहुल गांधी की इंसाफ रैली, भगवंत मान के गढ़ में कांग्रेस का बड़ा दांव

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में 2027 के विधानसभा चुनावों के मद्देनजर कांग्रेस ने राज्य के मुख्यमंत्री भगवंत मान के गृह जिले और राजनीतिक गढ़ संगरूर को निशाना बनाते हुए अपनी पूरी ताकत झोंक दी है। आगामी 4 नवंबर 2026 को संगरूर के फागूवाला गांव (राष्ट्रीय राजमार्ग पर) में होने वाली राहुल गांधी की 'इंसाफ रैली' के लिए कांग्रेस ने जमीनी स्तर पर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं।



शुक्रवार को पटियाला में मीडिया से बातचीत करते हुए पूर्व सांसद और कांग्रेस चुनाव प्रबंधन और समन्वय समिति के अध्यक्ष विजय इंदर सिंगला ने बताया कि भले इस रैली में पूरे पंजाब से लोग पहुंचेंगे, लेकिन पार्टी का मुख्य ध्यान संगरूर, फतेहगढ़ साहिब, बठिंडा, फरीदकोट और लुधियाना लोकसभा क्षेत्रों की लगभग 40 विधानसभा सीटों पर रहेगा। संगरूर-पटियाला हाईवे पर स्थित फागूवाला गांव के पास 10 एकड़ भूमि को मुख्य मंच और पांडाल के लिए चिह्नित किया गया है।

2027 में 10 सीटों से भी कम पर सिमट जाएगी आप

केंद्र की बीजेपी सरकार पर निशाना साधते हुए सिंगला ने कहा कि सीमा पार से आ रहे हथियारों और ड्रग्स की तस्करी को रोकने में केंद्र सरकार भी पूरी तरह विफल रही है, जिसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। पंजाब में सत्ता बदलाव का दावा करते हुए विजय इंदर सिंगला ने भविष्यवाणी की कि 2027 के विधानसभा चुनाव में पंजाब की जनता 'आप' को पूरी तरह खारिज कर देगी और भगवंत मान की पार्टी 10 सीटों का आंकड़ा भी पार नहीं कर पाएगी। इस बीच, रैली को लेकर लुधियाना में भी कांग्रेस नेताओं- राणा गुरजीत सिंह और भारत भूषण आशु ने वरिष्ठ पदाधिकारियों के साथ अहम बैठक कर कार्यकर्ताओं को लामबंद करने की जिम्मेदारी सौंपी है।

गाड़ियों की पार्किंग के लिए रैली स्थल के दोनों ओर 15-15 एकड़ के दो बड़े मैदान (कुल 30 एकड़) तय किए गए हैं। धान की कटाई के बाद खेत खाली पड़े हैं। स्थानीय किसानों ने रैली के लिए अपनी जमीन का उपयोग करने के लिए लिखित सहमति दे दी है और वे इस कार्यक्रम के बाद ही गेहूं की बुवाई करेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत मान के उस बयान पर, जिसमें उन्होंने संगरूर को 'पंजाब की राजनीतिक राजधानी' कहा था, सिंगला ने चुटकी लेते हुए कहा, 'बिल्कुल, हम मुख्यमंत्री के गृह जिले पर ही सबसे ज्यादा ध्यान केंद्रित करेंगे।'

कांग्रेस नेता ने आम आदमी पार्टी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पंजाब में कानून-व्यवस्था पूरी तरह चरमरा चुकी है, जिससे आम जनता में असुरक्षा का माहौल है। विजय इंदर सिंगला ने कहा, 'असुरक्षा के इस माहौल के कारण व्यापारियों और उद्योगपतियों का भरोसा टूट रहा है। नए उद्यमी पंजाब में स्टार्टअप शुरू करने से हिचकिचा रहे हैं और पुराने व्यापारी अपना निवेश बढ़ाने से डर रहे हैं। 'नशीले पदार्थों के खिलाफ आवाज उठाने वाले परविंदर सिंह झोटा की मानसा में दिनदहाड़े हुई हत्या और संगरूर के गुलजार सिंह से जुड़े मामलों का हवाला देते हुए सिंगला ने कहा कि नशा तस्करों के खिलाफ बोलने वालों की जान खतरे में है।

रूस की तेल रिफाइनरी पर यूक्रेन का बड़ा ड्रोन हमला

मॉस्को (एजेंसी)। यूक्रेन ने रूस के समारा क्षेत्र में स्थित नोवोकुइबिशेव्स्क तेल रिफाइनरी को ड्रोन से निशाना बनाया। हमले के बाद रिफाइनरी परिसर में आग लगने और आसमान में धुएं के गुबार उठने की खबर है।

इस हमले को रूसी तेल शोधन केंद्रों पर यूक्रेन की ओर से की जा रही कार्रवाई में कथित विराम के बाद नए हमले के रूप में देखा जा रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दबाव के बाद यूक्रेन की सेना ने अक्टूबर के मध्य में रूसी तेल रिफाइनरियों को निशाना बनाने वाले अभियानों पर अनौपचारिक रोक लगाई थी। हालांकि, इस विराम और उसके कारणों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

उग्रवादी संगठन की तारीफ कर फंसे असम मंत्री, बचाव में उतरे सीएम हिमंत बिस्वा सरमा

नई दिल्ली (एजेंसी)। असम की हिमंत बिस्वा सरमा सरकार में मंत्री विश्वजीत दैमारी उग्रवादी संगठन उल्फा की तारीफ कर फंसते हुए नजर आ रहे हैं। बढ़ते विवाद के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उनका बचाव किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंत्री का आशय उल्फा के उस समूह से था जिसने सरकार के साथ शांति समझौते पर हस्ताक्षर किए थे। बता दें, विश्वजीत दैमारी ने हाल ही में उग्रवादी संगठन उल्फा की यह कहते हुए प्रशंसा की थी कि उसने ''पांच दशकों से अधिक समय तक राज्य को बाहरी ताकतों से बचाया।''

इस मामले पर बढ़ते विवाद के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने उनका बचाव किया। उन्होंने कहा कि शांति समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद तकनीकी रूप से उल्फा अब प्रतिबंधित संगठन नहीं है। उन्होंने इसकी तुलना कट्टरपंथी परेश बरुआ के नेतृत्व वाले गुट से की, जिसने वार्ता प्रक्रिया से बाहर रहने के बाद अपना नाम बदलकर उल्फा (स्वतंत्र) रख लिया था। बता दें, यह पूरा मामला उस वक्त सामने आया था जब एक वीडियो में असम सरकार के खेल मंत्री उल्फा की तारीफ करते हुए नजर आए थे। तिनसुकिया के काकोपाथर इलाके में मटक युवा छात्र सम्मेलन के केंद्रीय स्थापना दिवस समारोह में अपनी बात रखते हुए खेल एवं युवा कल्याण मंत्री ने कहा कि हालांकि कुछ लोग उल्फा की आलोचना कर सकते हैं, लेकिन ''भूमिगत संगठन की वजह से ही कोई ताकत असम को अस्थिर नहीं कर सकी।'' दैमारी को कहते सुना जा सकता है, ''जिन लोगों ने उल्फा को उसका मूल नेतृत्व दिया, वे मोरान और मटक समुदायों से थे। यहां तक कि परेश बरुआ (उल्फा प्रमुख) भी मटक समुदाय से हैं।''

वोट चोरी पर संसद में बहस के लिए अमित शाह ने राहुल-अखिलेश को दी चुनौती

नई दिल्ली (एजेंसी)। 1 नवंबर 2026 को दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के प्रस्तावित 'दिल्ली चलो' मार्च और कथित 'वोट चोरी' के आरोपों पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बेहद तीखा हमला बोला है। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक जनसभा को संबोधित करते हुए अमित शाह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को सीधी चुनौती दी कि वे सड़कों पर हंगामा करने के बजाय संसद के विशेष सत्र में इस मुद्दे पर बहस कर लें।गृह मंत्री ने कहा कि लगातार मिल रही चुनावी हार के बाद विपक्ष समझ चुका है कि वह चुनाव जीतकर सत्ता में नहीं आ सकता, इसलिए अब वे जनादेश को खारिज करने के लिए बहाने ढूंढ रहे हैं।

आपसी सहमति से हुए सेक्स को रिश्ता टूटने के बाद रेप नहीं माना जा सकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि दो वयस्कों के बीच आपसी सहमति से बने रिश्ते में शारीरिक संबंधों को बाद में सिर्फ इसलिए रेप नहीं माना जा सकता, क्योंकि उनका रिश्ता टूट गया या कड़वाहट आ गई। अदालत ने कहा कि रिश्ते के अच्छे दौर में दोनों की सहमति से बने शारीरिक संबंधों को बाद में अपराध का रूप देना सही नहीं है। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस आर महादेवन की पीठ ने कहा कि हाल के वर्षों में ऐसे मामले बढ़े हैं, जिनमें रिश्ता खत्म होने के बाद आपराधिक मुकदमे दर्ज कराए जा रहे हैं। समाज और अदालतों को इस बात पर ध्यान देना चाहिए कि 2 वयस्कों के बीच भावनात्मक मतभेद के बाद कानून का इस्तेमाल बदला लेने के लिए न हो।

सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी केरल के एक व्यक्ति को दुष्कर्म, पहली शादी के रहते दूसरी शादी करने और धोखाधड़ी के आरोपों से मुक्त करते हुए की। पीठ ने कहा कि किसी रिश्ते के दौरान आपसी सहमति से बने शारीरिक संबंधों को सिर्फ रिश्ता खत्म होने के बाद पीछे मुड़कर दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। शुरुआत से ही झूठ और धोखे के आधार पर सहमति हासिल करना अलग बात है, जबकि रिश्ता टूटने के बाद पहले दिए गए सहमति पर पछतावा होना अलग स्थिति है। किसी रिश्ते के खत्म होने से पहले हुई सहमति अपने आप अपराध नहीं बन जाती। अदालत ने सवाल उठाया कि क्या किसी पुरुष को रिश्ता खत्म करने का अधिकार नहीं है? क्या ऐसा फैसला धोखाधड़ी माना जा सकता है? पीठ ने कहा कि इसका जवाब साफ तौर पर नहीं है।

अदालत ने कहा कि दुष्कर्म बेहद गंभीर अपराध है और इसका इस्तेमाल उन्हीं मामलों में होना चाहिए, जहां वास्तव में यौन हिंसा, दबाव या सहमति के साथ धोखाधड़ी हुई हो। हर टूटे हुए रिश्ते को दुष्कर्म का मामला बना देने से इस अपराध की गंभीरता कम होती है।

झूठे आरोपों से आरोपी को बदनामी, उत्पीड़न और अन्याय का सामना करना पड़ता है। हालांकि, पीठ ने यह भी कहा कि दुष्कर्म के मामले समाज में अब भी बड़ी संख्या में दर्ज नहीं हो पाते। कई पीड़िताएं परिवार और अपनी इज्जत के डर से शिकायत नहीं करतीं। इसलिए जहां यौन हिंसा के स्पष्ट सबूत हों, वहां ऐसे मामलों में सख्ती से कार्रवाई होनी चाहिए।

दिवाली से पहले पटना के बड़े होटल-रेस्टोरेंट और मिठाई दुकानों पर छापे, कई जगह खाने-पीने की चीजों में गड़बड़ी मिली

पटना (संवाददाता)। दीपावली से पहले बिहार के बाजारों में बिकने वाले खराब और नकली खाद्य पदार्थों पर कार्रवाई तेज हो गई है। पिछले दिनों पटना समेत बिहार के प्रमुख होटल, रेस्टोरेंट और मिठाई दुकानों पर खाद्य सुरक्षा इकाई ने छापा मारा है। कई जगहों पर खाने-पीने की चीजों में गड़बड़ी पाई गई। कहीं, पनीर सड़ा हुआ पाया गया, तो कहीं वेज और नॉनवेज सामान एक ही जगह पर रखे मिले। बिहार में अलग-अलग जगहों पर जांच के दौरान गड़बड़ी मिलने पर 15 प्रतिष्ठानों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई। दो प्रतिष्ठानों का लाइसेंस रद्द किया गया। जबकि ्न्य को नोटिस देकर सुधार का आदेश दिया है।

आम लोगों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए बाजार में उपलब्ध तमाम खाद्य पदार्थों पर राज्य सरकार के स्तर से खासतौर से चौकसी बरती जा रही है। स्वास्थ्य विभाग के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा इकाई दुकानों और होटल-रेस्टोरेंट में जाकर खाद्य पदार्थों की जांच की जा रही है। पूरे बिहार में अब तक दर्जनों प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया जा चुका है। इनमें होटल, रेस्टोरेंट, मिठाई दुकानें, खाद्य निर्माण इकाई, पैकेज पेयजल, होम डिलेवरी से जुड़ी कंपनियों के वेयरहाउस समेत ऐसे अन्य प्रतिष्ठान शामिल हैं। स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, राज्यभर में जितने प्रतिष्ठानों पर जो कार्रवाई की गई है, उसमें सर्वाधिक 87 निरीक्षण पटना के प्रतिष्ठानों में किए गए हैं। पटना में खाद्य संरक्षा विभाग की टीम अब तक अधिकांश होटलों, रेस्टोरेंट, मिठाई दुकान, डेयरी, फास्ट फूड सेंटर, पैकेज्ड पेयजल इकाइयों और ऑनलाइन खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने वाले स्टोर का निरीक्षण कर चुकी है। इस दौरान खराब एवं दुर्गंधयुक्त पनीर, मिठाई, दूध, एक्सपायरी खाद्य सामग्री और अन्य असुरक्षित उत्पाद जब्त कर नष्ट कराए गए हैं। पटना के आसपास के इलाकों में व्यापक स्तर पर जांच की गई है। संपतचक, गौरीचक और आसपास के क्षेत्रों में बिना वैध खाद्य लाइसेंस के संचालित पैकेज्ड



पेयजल इकाइयों की जांच की गई। इस दौरान महादेव इंटरप्राइजेज, त्रिवेणी नीर और अन्य प्रतिष्ठानों से बड़ी मात्रा में पैकेज्ड पेयजल जब्त किए गए हैं। कई इकाइयों में बिना लाइसेंस पानी की पैकेजिंग तथा विभिन्न ब्रांडों के लेबल के इस्तेमाल से संबंधित अनियमितताएं पाई गईं। विभाग ने संबंधित इकाइयों में उत्पादन एवं संचालन बंद कराने के साथ खाद्य पदार्थों के नमूने लैब में भेजे।

पटना के अलावा राज्य के अन्य जिलों में भी खाद्य संरक्षण विभाग ने व्यापक जांच अभियान चलाया। पिछले तीन महीनों के दौरान रोहतास में 41, सारण में 40, गोपालगंज में 37, सीवान में 27, गया में 26, वैशाली में 24, मुजफ्फरपुर में 20, भागलपुर एवं पश्चिम चंपारण में 18-18, पूर्णिया में 16, भोजपुर एवं समस्तीपुर में 15-15 तथा दरभंगा एवं पूर्वी चंपारण में 14-14 खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण किया गया। अरवल एवं कैमूर में 13-13, कटिहार में 12, मधुबनी, सहरसा और सीतामढ़ी में 10-10, खगड़िया में 7, सुपौल में 6, बेगूसराय में 5, अररिया, औरंगाबाद, मधेपुरा तथा नालंदा में 4-4 प्रतिष्ठानों की जांच हुई। बांका, बक्सर एवं जहानाबाद में 3-3, जमुई, लखीसराय एवं मुंगेर में 2-2 तथा किशनगंज एवं नवादा में एक-एक प्रतिष्ठान का निरीक्षण हुआ है। वैशाली, मुजफ्फरपुर, सुपौल समेत कुछ अन्य जिलों में पैकेड पेयजल और पनीर समेत अन्य खाद्य सामग्री कई प्रतिष्ठानों से नष्ट की गई है। बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार ने कहा कि आम लोगों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से खाद्य संरक्षा विभाग के स्तर से राज्यभर में निरीक्षण एवं प्रवर्तन अभियान चलाया जा रहा है। प्रतिष्ठानों में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता, सुरक्षित भंडारण, रसोई की स्वच्छता, खाद्य संरक्षा मानकों के अनुपालन और वैध लाइसेंस की जांच की जा रही है। सभी प्रमुख होटल, रेस्तरां, मिठाई प्रतिष्ठान, खाद्य निर्माण इकाइयां और पैकेज्ड वाटर से जुड़े कारोबार विशेष रूप से जांच के दायरे में हैं। उन्होंने कहा कि आम लोगों के स्वास्थ्य की सुरक्षा से सरकार कोई समझौता नहीं करेगी।

मौर्या, द पनाश जैसे प्रमुख होटलों में भी छापा

पटना के मुख्य होटल एवं रेस्टोरेंट में विशेष जांच अभियान चलाए गए हैं। होटल गार्गी ग्रैंड, पाटलिपुत्र एग्जॉटिका, द पनाश, होटल मौर्या और अन्य प्रतिष्ठानों के निरीक्षण में रसोई की साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों के भंडारण, कर्मचारियों के स्वास्थ्य प्रमाणपत्र और पानी की जांच से संबंधित कमियां सामने आईं। कुछ स्थानों पर शाकाहारी एवं मांसाहारी खाद्य पदार्थ एक साथ रखा पाया गया। जबकि, कई प्रतिष्ठानों में एक्सपायरी और खराब खाद्य सामग्री मिली। संबंधित प्रतिष्ठानों को कमियां दूर करने के लिए 14 दिनों का सुधार नोटिस जारी किया गया।

बारबेक्यू नेशन से सड़ा पनीर और कीड़े वाली ब्रेड मिली

इसके अलावा, पटना के विभिन्न केएफसी ऑउटलेट, बारबेक्यू नेशन और पिज्जा हट जैसे प्रतिष्ठानों में भी जांच अभियान चलाया गया। बुद्ध मार्ग स्थित बारबेक्यू नेशन से 30 किलोग्राम दुर्गंध युक्त पनीर और 4 किलोग्राम चावल जब्त कर नष्ट किए गए। जबकि 15 किलोग्राम पैक्ड चिकन के उपयोग पर रोक लगाई गई। फ्रेजर रोड स्थित बारबेक्यू नेशन में ब्रेड के पैकेट में कीड़े पाए गए और 20 लीटर जला हुआ तेल जब्त कर नष्ट किया गया। बोरिंग कैनाल रोड स्थित केएफसी में औद्योगिक उपयोग के 835 प्लास्टिक गिलासों के इस्तेमाल पर रोक लगाई गई। पिस्ता हाउस में भी कई तरह की कमियां पाई गई थी। सभी प्रमुख मिठाई दुकानों का भी निरीक्षण किया गया है।

अर्नब से बिहार में बिगड़े मौसम से 5000 करोड़ की फसलें बर्बाद, सम्राट का किसानों को मुआवजे का ऐलान

पटना (संवाददाता)।

बिहार में चक्रवाती तूफान अर्नब असर से दो दिन हुई बैमौसम बारिश ने किसानों का भारी नुकसान किया है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार बिहार में करीब 5 हजार करोड़ की फसलें बर्बाद होने का अनुमान है। इस बार धान उत्पादन में 10 से 15 फीसदी तक कमी हो सकती। धान के साथ केला और सब्जी की फसलों को काफी नुकसान हुआ है। बारिश के असर से आगामी दलहन और तिलहन सहित रबी फसलों की बुआई में भी देरी होगी। दूसरी ओर, अर्नब तूफान के प्रभाव से किसानों को हुए फसल नुकसान का राज्य सरकार मुआवजा देगी। मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुकवार को इसकी घोषणा की।

कृषि वैज्ञानिक डॉ. अजय कुमार और डॉ. प्रकाश सिंह ने बताया कि पिछले दो दिनों से लगातार हो रही बारिश और तेज हवा के कारण खेतों में लगी धान



की फसल गिर गई है। वहीं, तैयार हो चुकी धान की फसल की गुणवत्ता खराब होगी। बिहार के किसानों पर मौसम की दोहरी मार पड़ी है। पहले मॉनसून के दौरान बारिश की किल्लत ने धान की बुआई और रोपनी को प्रभावित किया। अब बेमौसम बारिश ने फसल को भारी क्षति पहुंचाई है।

अगर धान की फसल को देखें तो 2025-26 में बिहार में 136 लाख टन उत्पादन हुआ था। 15 फीसदी नुकसान का अनुमान लगा लें तो 204 लाख क्विंटल धान का कम उत्पादन होगा। इस साल केंद्र सरकार ने धान की न्यूनतम कीमत 2441 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित की है। इस हिसाब से 4 हजार 979 करोड़ 64 लाख रुपये का नुकसान होगा।

मौसम विभाग के अनुसार, अक्टूबर-नवंबर में यह पिछले एक दशक का तीसरा चक्रवात है जिसने बारिश की व्यापकता और हवा की तेजी से धान सहित इस मौसम की अन्य फसलों को नुकसान पहुंचाया है।

मौसम विभाग के मुताबिक, शुक्रवार को एक दर्जन से अधिक जिलों में बारिश हुई। सर्वाधिक बारिश नवादा के इस्लामपुर में 58.8 मिमी दर्ज की गई। हवा की सर्वाधिक गति भोजपुर में 44 किमी प्रतिघंटे की रही है। नवादा, कटिहार, गया, भभुआ, सीवान, बांका, मधुबनी, पटना, औरंगाबाद, रोहतास, मुजफ्फरपुर में कई जगहों पर 35 से 55 मिमी तक बारिश हुई। पटना सहित राज्य भर में सुबह से ही घने बादल छाए हुए हैं। तेज हवा के प्रभाव से ठंड का एहसास भी हो रहा। अधिकतम तापमान में पिछले दो दिनों में चार से दस डिग्री तक की कमी आई है। पिछले 36 घंटों में पटना में 32 मिमी बारिश हुई है।

मौसम विभाग के अनुसार शनिवार शाम से मौसम में तेजी से सुधार होगा। रविवार को धूप खिलेगी। अधिकतम तापमान में तेजी आएगी। उत्तर बिहार की ओर बादलों की सक्रियता बढ़ने से शनिवार की सुबह तक झमाझम बारिश होने की संभावना है। शनिवार की दोपहर से दक्षिण बिहार और देर शाम से उत्तर बिहार में बारिश थमेगी। हवा की गति में भी क्रमिक रूप से शनिवार से कमी आने के आसार हैं। हालांकि, एक नवंबर तक आंशिक आवाजाही बनी रहेगी

सीएम ने कहा- किसानों को सरकार मुआवजा देगी

मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने शुक्रवार को ऐलान किया कि दो दिनों में हुई बेमौसम बारिश से फसलों को हुए नुकसान पर किसानों को सरकार मुआवजा देगी। सीएम ने पदाधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे फसलों की क्षति का आकलन कर प्रभावित किसानों को चिह्नित करें। पटना के ज्ञान भवन में प्रधानमंत्री किसान उत्सव दिवस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सम्राट ने यह घोषणा की।

स्कूल में जींस-टीशर्ट पहनने पर रोक, एसीएस सीके अनिल ने पहले दिन ही शिक्षकों को टाइट किया

पटना (संवाददाता)। बिहार के सभी सरकारी स्कूलों में शिक्षकों के जींस-टीशर्ट पहनने पर रोक लगा दी गई है। शिक्षक और अन्य स्टाफ को औपचारिक परिधान यानी फॉर्मल कपड़े पहनकर ही स्कूल आना होगा। शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव का पद संभालने के बाद पहले दिन ही सीके अनिल ने शिक्षकों पर सख्ती बरती है। शिक्षा विभाग ने इस संबंध में शुक्रवार को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) को निर्देश जारी किए। इसके साथ ही राज्य के सभी सरकारी स्कूल और शैक्षणिक संस्थानों में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) के उपयोग को बढ़ावा देने का भी निर्देश दिया गया है।

शिक्षा विभाग द्वारा जिलों को जारी निर्देश में कहा गया है कि सूबे के सभी सरकारी स्कूलों के शिक्षक एवं शिक्षकेतर कर्मियों को औपचारिक परिधान में ही स्कूल आना अनिवार्य होगा। कोई भी शिक्षक जींस



और टीशर्ट जैसे कपड़े पहनकर स्कूल नहीं आ सकेंगे। बिहार के सभी सरकारी विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में एआई के उपयोग को बढ़ावा दिया जाएगा। इस संबंध में शुक्रवार को अपर मुख्य सचिव सीके अनिल के निर्देश पर सभी डीईओ को पत्र जारी किया गया। इसमें विद्यालयों और शैक्षणिक संस्थानों में कार्यरत पदाधिकारियों एवं कर्मचारियों को एआई के उपयोग के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश दिया गया है। शिक्षा मंत्री मिथिलेश तिवारी इस संबंध में विभाग को विस्तृत कार्ययोजना बनाकर काम करने को कहा था। विभाग द्वारा जिलों को भेजे गए पत्र में कहा गया है कि आज पूरी दुनिया में शिक्षा के क्षेत्र में एआई का उपयोग तेजी से बढ़ रहा है। इससे समय की बचत होती है और कामकाज आसान बनता है। साथ ही, तकनीकी प्रगति और कार्यक्षमता को भी बढ़ावा मिलता है। जिला और क्षेत्रीय कार्यालयों में 10 साल से एक ही जगह पर कार्यरत कर्मचारियों का तबादला किया जाएगा।

भाजपा की उदासीनता से एमएलसी चुनाव में दो सीटें हारी जेडीयू? नीतीश की पार्टी में निराशा

पटना (संवाददाता)। बिहार विधान परिषद चुनाव के नतीजों के बाद भले ही एनडीए के नेता जीत का जश्न मना रहे हैं, लेकिन यह चुनाव सत्ताधारी गठबंधन के लिए पूरी तरह ठीक नहीं साबित हुआ। खासकर पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड के खेमे में निराशा है। जेडीयू ने 8 में से 4 एमएलसी सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारे, जिनमें पार्टी को तीन पर हार का सामना करना पड़ा। सारण शिक्षक, तिरहुत स्नातक और दरभंगा शिक्षक सीट पर जेडीयू के प्रत्याशी चुनाव हार गए। हालांकि, पटना स्नातक सीट पर जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार अपनी सीट बचाने में कामयाब रहे और उन्होंने नीतीश की लाज बचाई।

बिहार विधान परिषद चुनाव में एनडीए के नेता पूरे चुनाव में एकजुटता का दावा करते रहे, लेकिन भितरघात के चलते सत्ताधारी गठबंधन को नुकसान झेलना पड़ा। सारण शिक्षक सीट पर भाजपा के ही बागी राहुल राज ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और जेडीयू प्रत्याशी आनंद पुष्कर को हरा दिया। इस सीट पर जेडीयू को दो सहयोगी दलों के बागियों से चुनौती मिली थी। उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता रामपुकार सिन्हा भी निर्दलीय उतर गए। हालांकि, बाद में उन्होंने अपनी दावेदारी वापस ले ली।

वहीं, भाजपा के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य रहे राहुल राज ने भी जेडीयू के खिलाफ निर्दलीय नामांकन किया। भाजपा उन्हें बिठाने में कामयाब नहीं हुई। बाद में उन्हें भाजपा से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। मगर, निर्दलीय लड़े राहुल राज ने चुनाव में कमाल करते हुए जेडीयू प्रत्याशी आनंद पुष्कर को 1815 वोटों से हरा दिया। अब जेडीयू के कार्यकर्ता एनडीए में भितरघात को हार की वजह मान रहे हैं।

तिरहुत स्नातक सीट पर जेडीयू के अभिषेक झा की हार का ठिकरा भी पार्टी नेता अपने सहयोगियों पर फोड़ रहे हैं। जेडीयू के नेता भाजपा कार्यकर्ताओं की उदासीनता को अभिषेक की हार की वजह मान रहे हैं।

अनंत सिंह चुनावी संन्यास से पलटे, कहा- इस तरह का खेला होगा तो फिर लड़ेंगे मोकामा



पटना (संवाददाता)। जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) से 6 साल के लिए निष्कासित मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने चुनावी राजनीति छोड़ने के अपने ही सात महीने पुराने ऐलान से पलटते हुए कहा है कि अगर उनको ऐसे ही परेशान किया जाता रहा तो वो बेटा के बदले ही मोकामा से फिर विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। अनंत सिंह ने मार्च में राज्यसभा चुनाव में वोट डालने के बाद कहा था कि आगे वो चुनाव नहीं लड़ेंगे बल्कि उनका बेटा लड़ेगा। उन्होंने कहा था कि जब नीतीश कुमार मुख्यमंत्री नहीं रहे तो वह भी चुनाव नहीं लड़ेंगे। जमानत पर जेल से निकलने के बाद भी अनंत सिंह ने दोहराया था कि वो आगे नहीं लड़ेंगे। अनंत सिंह ने चुनावी संन्यास पर जोर डालते हुए कहा था कि बेटा जनता के बीच जाएगा, जनता का काम करेगा। लेकिन, जदयू से निकालने, बंगला खाली करने का नोटिस मिलने, जेडीयू द्वारा स्पीकर से विधायिकी रद्द करने की मांग करने और अब कोर्ट से 1 दिसंबर तक सरेंडर करके जेल जाने के आदेश के बाद अनंत सिंह का मन बदल रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने अनंत सिंह को दुलारचंद यादव मर्डर केस में 1 दिसंबर तक सरेंडर करके जेल जाने का आदेश दिया है। कोर्ट ने अनंत सिंह को छोटी बेटी शिवांगी सिंह की 25 नवंबर को शादी के लिए एक महीने की मोहलत दी है। कोर्ट के आदेश के बाद मीडिया से अनंत सिंह ने कहा कि वो कोर्ट का सम्मान करते हैं और आदेश के मुताबिक आत्मसमर्पण करेंगे। पत्रकारों ने जब जेडीयू से निकालने के बाद लगातार ऐक्शन और विधानसभा की सदस्यता खत्म करने के लिए जदयू की शिकायत को लेकर सवाल किया तो अनंत सिंह ने कहा- 'ऐसा खेला होगा तो संन्यास नहीं लेंगे। जनता मौका देगी तो हम फिर लड़ेंगे। बेटा किसका सुनता है। बेटा लड़ेगा, नहीं लड़ेगा, वो बेटा जानेगा। हमारा मन था बेटा लड़े। लेकिन ऐसा रहा तो हम खुद ही चुनाव लड़ेंगे।' बता दें कि नवंबर 2025 के चुनाव में अनंत सिंह जेल में बंद रहते हुए मोकामा के बाहुबली पूर्व सांसद सूरजभान सिंह की पत्नी और पूर्व सांसद वीणा देवी को हराकर छठी बार विधायक बने हैं।

जेडीयू ने अनंत सिंह और उनकी पत्नी पूर्व विधायक नीलम देवी को पार्टी विरोधी काम करने के लिए एक साथ निकाल दिया है। पटना स्नातक सीट से जदयू के एमएलसी चुनाव कैंडिडेट नीरज कुमार के खिलाफ जन सुराज पार्टी के प्रत्याशी अनुज सिंह का प्रचार करने के आरोप में अनंत सिंह पर यह कार्रवाई हुई है। जेडीयू से निकालने के अगले ही दिन सम्राट चौधरी सरकार ने पत्नी नीलम देवी को राज्य 20 सूत्री समिति सदस्य पद से हटा दिया।

उप-मंत्री दर्जा के पद से हटाने का असर शाम तक नीलम को उस बंगले को एक महीना में खाली करने के नोटिस के तौर पर दिखा, जिसमें अनंत सिंह कई साल से रह रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने आज ही दुलारचंद यादव हत्याकांड में हाईकोर्ट से अनंत सिंह को मिली जमानत को एक महीने बाद निष्प्रभावी बनाते हुए उन्हें 1 दिसंबर तक जेल लौटने कहा है।

बक्से में भरे दो हजार करोड़ के पुराने नोट, वीडियो में खजाना दिखाकर 25 हजार के इनामी कर दिया खेला

सहारनपुर (संवाददाता)। यूपी के सहारनपुर में दो हजार करोड़ रुपये के पुराने नोटों का खजाना होने का झांसा देकर बिहार के दो लोगों से 16 लाख रुपये ठगने वाले 25 हजार के इनामी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी ने बक्सों में भरे दो-दो हजार रुपये के पुराने नोटों का वीडियो दिखाकर पीड़ितों को जाल में फंसाया। तलाशी में उसके कब्जे से 500 रुपये के छह जाली नोट बरामद हुए। पूछताछ में आरोपी ने नकली करेंसी के साथ अवैध हथियारों के कारोबार में भी शामिल होने की बात कबूली है।

पुलिस के मुताबिक, बिहार के बक्सर जिले के ग्राम दूबोली निवासी कृष्णाकांत दुबे ने 29 अक्टूबर को शाहनवाज निवासी मिर्जापुर पोल, विशाल त्यागी निवासी जटिकारा दिल्ली और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप था कि पुराने नोट बदलवाने और एंटीक सामान में मोटा मुनाफा दिलाने का लालच देकर उनसे 16 लाख रुपये हड़प लिए गए। रकम वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी दी गई। सीओ नगर द्वितीय विकास प्रताप चौहान की निगरानी और प्रभारी निरीक्षक नेमचंद सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुरुवार को आरोपी शाहनवाज को गिरफ्तार किया। पूछताछ में उसने दिल्ली में रहने वाले साथी समेत अन्य लोगों के साथ नकली नोटों के कारोबार की बात बताई। पंजाब से अवैध बंदूकें और कारतूस लाकर बेचने की बात भी कबूल की। आरोपी के मुताबिक, उसका भाई हसन और भतीजा अर्सलान हथियारों के कारोबार में शामिल रहे हैं। दोनों को इसी महीने मिर्जापुर पुलिस हथियारों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है।



आरोपी ने जमीन के विवाद में हथियारों के दम पर लोगों को डराकर जमीन खरीदने-बेचने की बात भी बताई। पुलिस अब उसके नेटवर्क, अन्य साथियों और आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है। आरोपी को न्यायालय में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। सहारनपुर एसएसपी अभिनंदन सिंह ने बताया, पुराने नोटों और मोटे मुनाफे का लालच देकर लोगों से ठगी करने वाले आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। गिरफ्तार आरोपी से जाली करेंसी बरामद हुई है। पूछताछ में नकली नोट और अवैध हथियारों के कारोबार से जुड़े लोगों की जानकारी मिली है। पूरे नेटवर्क की पड़ताल की जा रही है। पुराने नोटों का खजाना दिखाकर 16 लाख की ठगी के मामले में नकली करेंसी का मामला बिहार में सामने आया। पीड़ित कृष्णाकांत दुबे का आरोप है कि आरोपियों ने उन्हें कुछ 500 रुपये के नोट असली बताकर दिए थे। उन्हें भरोसा था कि ये नोट बाजार में चल जाएंगे, लेकिन बिहार पहुंचने पर जब उन्होंने इन्हें चलाने की कोशिश की तो नोट नकली निकले। इसके बाद कृष्णाकांत दुबे अपने साथी मनुरंजन कुमार सिन्हा के साथ सहारनपुर पहुंचे। उन्होंने आरोपियों से अपनी रकम वापस मांगी। पीड़ित का आरोप है कि रकम लौटाने के बजाय उनके साथ मारपीट की गई और जान से मारने की धमकी दी गई। इसके बाद पीड़ित ने 29 अक्टूबर को सदर बाजार थाने में शाहनवाज, विशाल त्यागी और एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने जांच के बाद 25 हजार के इनामी शाहनवाज को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी में उसके पास से 500 रुपये के छह जाली नोट बरामद हुए।

गिरफ्तार शाहनवाज से पूछताछ के दौरान पुलिस के सामने अवैध हथियारों के कारोबार से जुड़ी जानकारी भी आई है। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह अपने साथियों के साथ पंजाब से अवैध बंदूकें और कारतूस लाकर यूपी-बिहार में बेचता था। पुलिस अब इस दावे के आधार पर हथियारों की सप्लाई चेन और खरीददारों का पता लगाने में जुटी है। पुलिस के मुताबिक, पूछताछ में शाहनवाज ने अपने भाई हसन और भतीजे अर्सलान के भी हथियारों के कारोबार में शामिल होने की बात बताई है। दोनों को इसी महीने एसटीएफ की टीम मिर्जापुर पुलिस हथियारों के साथ गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। ऐसे में पुलिस अब इस परिवार और उससे जुड़े लोगों के नेटवर्क की जांच कर रही है।

थोड़ी बहुत बात चलती है, ललन सिंह का सम्मान करते हैं; जेडीयू में घमासान के बीच बोले संजय झा



पटना (संवाददाता)। बिहार विधान परिषद चुनाव के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जनता दल यूनाइटेड में घमासान मचा रहा। पटना स्नातक सीट पर जेडीयू कैंडिडेट नीरज कुमार का विरोध करने पर मोकामा विधायक अनंत सिंह को पार्टी से बाहर का रास्ता दिखा दिया गया। चुनाव जीतने के बाद नीरज ने जेडीयू के पूर्व अध्यक्ष एवं केंद्रीय मंत्री ललन सिंह पर अपनी खींज निकाल दी। इससे जेडीयू में खटपट की चर्चा जोरों पर है। इस बीच जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय झा ने ललन सिंह पर बड़ा बयान दिया है। झा ने कहा कि थोड़ी बहुत बात चलती रहती है, लेकिन ललन सिंह पार्टी के सीनियर लीडर हैं और उनका सभी लोग सम्मान करते हैं।

जेडीयू के कार्यकारी अध्यक्ष झा ने पटना में मीडिया से बातचीत में ललन सिंह को पार्टी का वरिष्ठतम नेता बताया। उन्होंने कहा कि हम सब उनका सम्मान करते हैं। जेडीयू को आगे बढ़ाने और संगठन को मजबूत करने में उनका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। थोड़ी-बहुत बातें चलती रहती हैं, लेकिन ललन सिंह पार्टी के सम्मानित नेता हैं। संजय झा ने ललन सिंह को लेकर पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल पर यह प्रतिक्रिया दी। उनके बयान को जेडीयू के भीतर नेताओं के बीच चल रही बयानबाजी के संदर्भ में अहम माना जा रहा है। नीरज का विरोध करने पर जेडीयू से निकाले गए बाहुबली विधायक अनंत सिंह, ललन के करीबी नेता माने जाते रहे हैं। हाल ही में पटना स्नातक से चुनाव जीतकर चौथी बार एमएलसी बनने वाले जेडीयू नेता नीरज कुमार ने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह को तेवर दिखा दिए थे। चुनाव परिणाम आने के बाद गुरुवार को मीडिया से बातचीत में नीरज ने कहा कि वह ललन सिंह से बधाई नहीं लेंगे। उनसे आशीर्वाद लेने का कोई सवाल ही पैदा नहीं होता। पटना जिले के मोकामा से बाहुबली विधायक अनंत सिंह को पिछले दिनों जेडीयू ने बाहर का रास्ता दिखाया। उन्हें पार्टी से 6 साल के लिए निष्कासित कर दिया। जेडीयू ने उनकी विधायकी रद्द करने के लिए स्पीकर को पत्र भी लिखा। हाल ही में हुए एमएलसी चुनाव में अनंत ने पटना स्नातक सीट पर नीरज कुमार का खुलकर विरोध किया था। पार्टी लाइन से अलग जाकर अनंत ने जन सुराज प्रत्याशी अनुज सिंह का समर्थन किया।

ललन सिंह ने अनंत सिंह के विरोध को बताया था जायज

अनंत सिंह जब खुलकर नीरज का विरोध करने लगे तो जेडीयू नेतृत्व ने केंद्रीय मंत्री ललन सिंह को सुलह का जिम्मा सौंपा। ललन सिंह ने अनंत के गुस्से को जायज ठहराया था। उन्होंने पिछले दिनों कहा था कि अगर कोई क्रिया होती है, तो प्रतिक्रिया जरूर होगी। ललन सिंह ने कहा कि विधानसभा चुनाव में नीरज कुमार ने अनंत सिंह का विरोध किया था, तब जेडीयू की प्रदेश इकाई ने कोई ऐक्शन नहीं लिया था। इसलिए एमएलसी चुनाव में अनंत, नीरज का विरोध कर रहे हैं।

पति और बेटे को खोने वाली मुजफ्फरपुर की निभा को मिला 50 लाख का सहारा, पश्चिम बंगाल से घर पहुंचे मंत्री



मुजफ्फरपुर (संवाददाता)। कोलकाता के चोरबागान हादसे में पिता-पुत्र की मौत के बाद पश्चिम बंगाल के संसदीय कार्य और शहरी विकास मंत्री मंत्री उमेश राय शुक्रवार को भगवापुर बीबीगंज स्थित पीड़ित परिवार के घर पहुंचकर स्वजन से मिले। मंत्री ने पीड़ित परिवार को सांत्वना देते हुए पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से मृतक के स्वजन को आर्थिक सहायता के रूप में 25-25 लाख का चेक सौंपे।

मृतक अभिषेक श्रीवास्तव की पत्नी निभा कुमारी को 25-25 लाख रुपये के दो चेक सौंपे जाने के बाद पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेन्दु अधिकारी ने भी फोन पर बात कर संवेदना व्यक्त की। बता दें कि हादसा कोलकाता के चोरबागान में दुर्गा पूजा पंडाल के दौरान भगदड़ में विभिन्न जगहों के 19 लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में साहेबगंज के राजेपुर इलाके के अभिषेक श्रीवास्तव व उनके पुत्र की मौत हो गई थी।

मंत्री उमेश राय ने कहा कि हादसा बेहद दुखद है। इसमें 19 लोगों की मौत हुई है। सरकार मृतक के स्वजन के साथ खड़ी है। सरकार के तरफ से सभी मृतक के स्वजन को 25-25 लाख रुपये दिये गये है। प्रधानमंत्री फंड से भी दो -दो लाख रुपये दिये जाएंगे। मृतक के आश्रित को सरकारी नौकरी की बात पर मंत्री ने बताया कि इसमें थोड़ी परेशानी है। बंगाल में डोमिसाइल नीति लागू है, ऐसे मे नौकरी देने में दिक्कत है। फिर भी इसके लिए भी प्रयास किया जा रहा है। मृतक अभिषेक श्रीवास्तव के बड़े भाई ने बंगाल सरकार की सराहना की। कहा कि हम सब चाहते है कि बंगाल सरकार परिवार के एक सदस्य को नौकरी दें। आपदा विभाग के एडीएम ने बताया कि घटना के बाद बंगाल से सूचना मिली थी कि मुजफ्फरपुर के दो लोग अभिषेक और उनके बेटे आयांश की मौत हुई है। सहायता राशि के लिए डिटेल मांगी गई थी। जिसके बाद बंगाल सरकार की ओर से 25-25 लाख का दो चेक स्वजन को सौंपे गए। बता दें कि मृतक अभिषेक श्रीवास्तव मूल रूप से साहेबगंज के राजेपुर ओपी के पिपराघो के रहने वाले थे। वर्तमान में उनका पूरा परिवार भगवानपुर बीबीगंज में रह रहे थे। अभिषेक पत्नी निभा, नौ वर्षीय बेटा आयांश के साथ कोलकाता में दुर्गा पूजा देखने गए थे। चोरबागान पंडाल हादसे में पिता-पुत्र की मौत हो गई थी।

अब तक दुलारचंद का श्राद्ध नहीं, पहली बरसी पर अनंत सिंह को मिला जेल लौटने का आदेश



पटना (संवाददाता)। मोकामा के पुराने दबंग और जन सुराज पार्टी के समर्थक दुलारचंद यादव का बहुचर्चित मर्डर 30 अक्टूबर 2025 को हुआ था और सुप्रीम कोर्ट ने दुलारचंद यादव की पहली बरसी पर ही इस केस के मुख्य आरोपी बाहुबली विधायक अनंत सिंह को सरेंडर करके वापस जेल जाने का आदेश दिया है। दुलारचंद यादव के पोते नीरज यादव की अपील पर सुप्रीम कोर्ट ने हत्या के ठीक एक साल बाद 30 अक्टूबर 2026 के ही दिन यह आदेश दिया कि अनंत सिंह को जेल लौटना होगा। पटना हाईकोर्ट से मार्च में मिली बेल को सर्वोच्च न्यायालय ने निष्प्रभावी बनाते हुए 25 नवंबर को तय बेटी की शादी के बाद अनंत सिंह को वापस बेउर जेल जाने कह दिया है। नीरज ने संकल्प लिया था कि जब तक वो हत्यारों को सजा नहीं दिला देंगे, तब तक दादा का श्राद्ध या ब्रह्मभोज नहीं करेंगे। और दुलारचंद के परिवार ने उस संकल्प के मुताबिक हत्या के एक साल बाद भी उनका श्राद्ध नहीं किया है।

दुलारचंद यादव की हत्या 30 अक्टूबर को तब हुई थी, जब वह मोकामा विधानसभा से जन सुराज पार्टी के कैंडिडेट पीयूष प्रियदर्शी के साथ उनका चुनाव प्रचार कर रहे थे। मोकामा टाल इलाके में पीयूष और जेडीयू कैंडिडेट अनंत सिंह का काफिला एक ही रास्ते पर आ जाने के बाद भिड़ गया। इसी दौरान दुलारचंद यादव को गाड़ी से खींचकर बाहर निकाला गया और गोली मारकर हत्या के बाद उन पर गाड़ी भी चढ़ा दी गई। पुलिस ने दुलारचंद के पोते नीरज यादव के बयान पर नामजद मुकदमा दर्ज किया था, जिसमें अनंत सिंह मुख्य आरोपी बनाए गए थे। पुलिस ने अनंत सिंह को 2 नवंबर को गिरफ्तार करके जेल भेजा था। जेल में रहकर ही चुनाव जीते अनंत सिंह को हाईकोर्ट से 19 मार्च को जमानत मिली थी। नीरज ने इसी जमानत को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी है और अदालत से विधायक को वापस जेल भेजने की मांग की है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद मीडिया से बातचीत में विधायक अनंत सिंह ने कहा कि वो कोर्ट का सम्मान करते हैं और जो आदेश दिया गया है, उसके मुताबिक तय समय पर सरेंडर कर देंगे। सिंह ने हालांकि दुलारचंद यादव केस में खुद को फिर निर्दोष बताते हुए कहा कि जेडीयू एमएलसी नीरज कुमार ने उनको फंसा दिया। अनंत ने दावा किया कि वो हत्या के वक्त घटनास्थल से 3 किलोमीटर दूर किसी दूसरी जगह प्रचार कर रहे थे। विधायक ने आरोप लगाया कि नीरज एमएलसी ने उनका नाम केस में डलवाया और जब जमानत मिल गई तो केस दिल्ली लेकर चले गए। उन्होंने कहा कि कोर्ट पर उनको पूरा भरोसा है और सरेंडर करने के बाद फिर से अदालत से बेल मांगेंगे।

7 प्रखंड, 575 राजस्व गांव और 3 नगर पंचायतें, सोनपुर शहरी क्षेत्र का बढ़ा दायरा; 199.94 वर्ग किमी बढ़ा क्षेत्रफल



पटना (संवाददाता)। सोनपुर और उसके आसपास के क्षेत्रों का सुनियोजित शहरी विकास करने की दिशा में सरकार ने बड़ा कदम उठाया है।सोनपुर प्लानिंग क्षेत्र का दूसरी बार विस्तार किया गया है। इसके तहत 199.94 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को इसमें शामिल किया गया है। इसके साथ ही प्लानिंग एरिया का कुल दायरा बढ़कर 798.94 वर्ग किलोमीटर हो गया है। पहले से अधिसूचित क्षेत्र का रकबा 589 वर्ग किलोमीटर था। नगर विकास एवं आवास विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है।

इस विस्तारित प्लानिंग एरिया में सोनपुर नगर परिषद क्षेत्र के साथ आसपास के शहरी और शहरी क्षमता वाले ग्रामीण इलाकों को शामिल किया गया है।इसके दायरे में कुल सात प्रखंडों के 575 राजस्व गांव आएंगे। इनमें दरियापुर, दिघवारा, सोनपुर, गड़खा, परसा, अमनौर और मकेर प्रखंड शामिल हैं।

इसके अलावा सोनपुर, दिघवारा और परसा नगर पंचायत भी आयोजना क्षेत्र का हिस्सा होंगे। बिहार शहरी आयोजना तथा विकास अधिनियम, 2012 और संबंधित नियमावली के तहत यह विस्तार किया गया है। विभाग से मिली जानकारी के अनुसार इसका उद्देश्य अगले 20 वर्षों या जरूरत के अनुसार इससे अधिक अवधि के लिए समेकित मास्टर प्लान तैयार करना है।जिसके के माध्यम से क्षेत्र में आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक और अन्य शहरी गतिविधियों के विकास को व्यवस्थित किया जाएगा।

साथ ही सड़क, जलापूर्ति, जलनिकासी और दूसरी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार की योजना भी तैयार की जा सकेगी। बता दें कि सोनपुर आयोजना क्षेत्र की पहली अधिसूचना 31 जनवरी 2023 को जारी हुई थी। इसके बाद 20 मई 2025 को पहली बार क्षेत्र का विस्तार किया गया।अब दूसरे विस्तार के तहत अमनौर, मकेर, परसा, दरियापुर, दिघवारा, सोनपुर और गड़खा प्रखंडों के नए राजस्व गांवों को जोड़ा गया है।

विस्तारित सीमाएं इन प्रखंडों के विभिन्न राजस्व गांवों से होकर निर्धारित की गई हैं। प्लानिगं एरिया क्षेत्र में कुल 798.94 वर्ग किलोमीटर जमीन में 36.71 वर्ग किलोमीटर शहरी क्षेत्र है, जबकि 762.23 वर्ग किमी हिस्सा ग्रामीण क्षेत्र का है।इस तरह महायोजना में ग्रामीण इलाकों को भी विशेष महत्व मिलेगा। इससे भविष्य में बेतरतीब निर्माण और अनियोजित शहरी विस्तार को रोकने में मदद मिल सकती है।

सम्राट चौधरी से मिलने पहुंचे बंशीधर ब्रजवासी

पटना (संवाददाता)। तिरहुत स्नातक सीट पर दूसरी बार जीत दर्ज करने के बाद एमएलसी बंशीधर ब्रजवासी ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से मुलाकात की। ब्रजवासी अपनी पत्नी, बेटी और बेटे लोकसेवक आवास पहुंचे जहां सीएम ने सबका स्वागत किया। ब्रजवासी ने सीएम को बड़े दिल का नेता बताते हुए आभार जताने के साथ नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की आलोचना की। उन्होने सीएम से मिलने की वजह भी बताई। उन्होंने फिलहाल किसी पार्टी में शामिल होने की संभावना से भी इनकार किया। तिरहुत शिक्षक सीट पर फिर से जीत दर्ज करने वाले नरेंद्र सिंह ने सीएम से मुलाकात की। सीएम ने सोशल मीडिया पर फोटो शेयर कर नव निर्वाचित एमएलसी को जीत की बधाई दी। बंशीधर ब्रजवासी ने तिरहुत स्नातक सीट पर जदयू के उम्मीदवार अभिषेक झा को दूसरी बार हराया है। 2024 में देवेश चंद्र ठाकुर के इस्तीफे के बाद हुए मिड टर्म चुनाव में ब्रजवासी पहली बार दो साल के लिए एमएलसी बने थे।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर वापस जेल जाएंगे अनंत सिंह

पटना (संवाददाता)। सुप्रीम कोर्ट ने मोकामा के बाहुबली विधायक अनंत सिंह को दुलारचंद यादव मर्डर केस में 1 दिसंबर तक आत्मसमर्पण करके फिर से जेल जाने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने अनंत सिंह को बेटी शिवांगी सिंह की 25 नवंबर को तय शादी के लिए एक महीने की मोहलत दी है और शादी के बाद 1 दिसंबर तक जेल लौटने कह दिया है। सुप्रीम कोर्ट में जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस प्रसन्ना बी वराले की बेंच ने 30 अक्टूबर सुनवाई के दौरान राज्य सरकार को 4 महीने में इस मामले की जांच पूरी कर लेने कहा है, जिसके बाद अगली सुनवाई होगी।

शादीशुदा युवती की मांग में जबरन सिंदूर भरा, तमाशा देखते रहे गांव के लोग, एफआईआर दर्ज

समस्तीपुर (संवाददाता)। बिहार के समस्तीपुर से एक विवाहिता के साथ सरेआम बदसलूकी का वीडियो वायरल हो रहा है। एक युवक ने विवाहिता की इच्छा के विरुद्ध उसकी मांग में सिंदूर भर कर जबरन शादी करने का दावा ठोक दिया। इस दौरान बड़ी संख्या में महिलाएं, पुरुष और बच्चे तमाशबीन बने रहे और पीड़िता की खिल्ली उड़ाते रहे। पीड़िता और परिजनों की शिकायत पर खानपुर थाने में एफआईआर दर्ज कर पुलिस कार्रवाई कर रही है। कांड के मुख्य आरोपी कुन्दन कुमार को पुलिस ने बेगूसराय से गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अन्य ग्रामीणों और वीडियो वायरल करने वालों की तलाश कर रही है। मामले को प्रेम प्रसंग से जोड़कर देखा जा रहा है।

इस घटना से जुड़े कई वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो देखकर पुलिस सक्रिय हो गई है। वायरल वीडियो में एक युवक बड़ी संख्या में लोगों की मौजूदगी में(खेत में) महिला की मांग में सिंदूर भरता दिखाई दे रहा है। महिला उसका विरोध करते हुए खुद को बचाने की कोशिश करती नजर आती है और खेत की ओर दौड़कर भाग जाती है। इस दौरान मौके पर मौजूद कुछ लोग युवक को रोकने का प्रयास करते हैं। युवक लोगों से हाथ छुड़ाकर महिला के पास पहुंचता और दबोचकर खेत में ही उसकी इच्छा के विरुद्ध जबर्दस्ती उसकी मांग में सिंदूर भर देता है। जबरन शादी करने के बाद वह एक अन्य युवक के साथ महिला को बाइक पर चढ़ाकर ले जाता है और एक कमरे के अंदर उसे पकड़कर बैठा लेता है। इस दौरान भी कुछ लोग उसका वीडियो बनाते रहे और महिला का मजाक उड़ाते रहे। महिला के साथ बदतमीजी करने वाला युवक पुरुषोत्तमपुर अन्नु पंचायत के वार्ड-2 निवासी दिनेश महतो का पुत्र कुंदन कुमार बताया जा रहा है। पीड़िता भी खानपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली बताई गई है।

जैसा करिएगा, वैसा...

अनंत सिंह का बेल कैंसिल होने पर जदयू के नीरज बोले- न्यायपालिका में न्याय मिलता है



पटना (संवाददाता)। सुप्रीम कोर्ट ने दुलारचंद यादव हत्या कांड में आरोपी मोकामा विधायक अनंत सिंह की जमानत कैंसिल कर दिया है। कोर्ट से अनंत सिंह को 1 दिसम्बर तक सरेंडर करने का का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले पर सियायी बयानबाजी तेज हो गयी है। जदयू के मुख्य प्रवक्ता सह पटना स्नातक एमएलसी नीरज कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा है कि न्यायालय में न्याय होता है। जो जैसा करेगा, वैसा भरना ही होगा। उन्होंने कोर्ट के फैसले में सरकार की किसी भूमिका से इनकार किया है।

एमएलसी चुनाव में अपनी पार्टी से बगावत के बाद मोकामा विधायक अनंत सिंह भारी परेशानी में पड़ गए हैं। फिर जेल जाना पड़ेगा। विधानसभा चुनाव 2025 के दौरान मोकामा टाल में दुलार चंद यादव हत्याकांड में होईकोर्ट से मिली जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने कैंसिल कर दिया है। दुलारचंद यादव के पोता ने हाईकोर्ट से मिली जमानत के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर बेल रद्द करने की गुहार लगाई थी। शुक्रवार(30 अक्टूबर) को सुनवाई के दौरान कोर्ट का ऐसा फैसला आया जिससे अनंत सिंह पर कानूनी शिकंजा कस गया। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए नीरज कुमार ने कहा कि दुलारचंद यादव के रिश्तेदार का नाम भी नीरज कुमार है जिसने याचिका दायर की थी। लेकिन, जबरन मेरा नाम उछाल दिया गया। अनंत सिंह के आरोपों को खारिज करते हुए जदयू प्रवक्ता ने कहा कि वे ना तीन में हैं ना तेरह में। इन चीजों से मेरा कोई लेना देना नहीं है।



सीजेआई पर पोस्ट के मामले में संजय राउत ने मांगी माफी, एससी ने 17 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का दिया है निर्देश

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) जस्टिस सूर्यकांत के खिलाफ टिप्पणी वाली सोशल मीडिया पोस्ट के मामले में सुप्रीम कोर्ट से बिना शर्त माफी मांग ली है। राउत ने शीर्ष अदालत में हलफनामा दाखिल कर कहा कि वह पूरी तरह अपनी इच्छा से माफी मांग रहे हैं। हालांकि, माफीनामा दाखिल होने के बावजूद मामला अभी समाप्त नहीं हुआ है। सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 17 नवंबर को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया है।

राउत ने अपने हलफनामे में अदालत की गरिमा, अधिकार और स्वतंत्रता के प्रति सम्मान जताया है। उन्होंने कहा कि न्यायपालिका की प्रतिष्ठा बनाए रखना बेहद महत्वपूर्ण है। उनका दावा है कि सुप्रीम कोर्ट का अपमान करने या न्यायपालिका की गरिमा, स्वतंत्रता और अधिकार को कम करने का उनका कोई इरादा नहीं था।

संजय राउत की ओर से माफी का हलफनामा दाखिल किए जाने के बावजूद बुधवार को सुनवाई के दौरान उनके पक्ष से कोई वकील पेश नहीं हुआ। अदालत के रिकॉर्ड में भी उस समय माफीनामा दर्ज नहीं था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने राउत को व्यक्तिगत रूप



से अदालत में उपस्थित होने का निर्देश दिया। अब 17 नवंबर को होने वाली सुनवाई में शीर्ष अदालत उनके माफीनामे और मामले से जुड़े तथ्यों पर विचार करेगी। अदालत उसी दिन इस पर फैसला भी सुना सकती है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि सुप्रीम कोर्ट उनकी माफी स्वीकार करेगा या मामले में आगे कोई कार्रवाई करेगा।

यह पूरा मामला संजय राउत की एक सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है। उन्होंने अल्बानिया में हुए हिंसक प्रदर्शनों का वीडियो साझा किया था। इसके साथ उन्होंने दावा किया था कि वहां के लोगों ने भ्रष्ट प्रधानमंत्रियों की मदद करने के आरोप में सुप्रीम कोर्ट को आग के हवाले कर दिया और सरकारी इमारतों पर हमले किए। राउत ने अपनी पोस्ट में भारत समेत दुनिया के अन्य देशों को भी इस घटना से सबक लेने की बात कही थी। पोस्ट सामने आने के बाद राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने राउत की पोस्ट पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए उन पर देश में अराजकता फैलाने, हिंसा को बढ़ावा देने और न्यायपालिका को धमकाने का आरोप लगाया था। इस मामले में दिल्ली पुलिस के समक्ष शिकायत दर्ज कराकर कानूनी कार्रवाई की मांग भी की गई थी। इसके बाद मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत से संबंधित टिप्पणी वाली पोस्ट को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने राउत को अवमानना का नोटिस जारी किया। नोटिस के बाद उन्होंने हलफनामा दाखिल कर बिना शर्त माफी मांगी है। अदालत की अवमानना से जुड़े मामलों में न्यायपालिका की गरिमा और उसके अधिकार पर पड़ने वाले प्रभाव को ध्यान में रखा जाता है। अब सुप्रीम कोर्ट यह देखेगा कि राउत की माफी स्वीकार करने योग्य है या नहीं और मामले में आगे क्या कार्रवाई की जानी चाहिए।

17 नवंबर को होने वाली सुनवाई महत्वपूर्ण होगी, क्योंकि इसी दौरान अदालत उनके माफीनामे पर विचार करेगी। इसके बाद ही मामले की अगली दिशा स्पष्ट हो सकेगी।

रबी फसलों की खरीद बढ़ी, एमएसपी भुगतान 8 लाख करोड़ रुपए के पार

नई दिल्ली (एजेंसी)। छह रबी फसलों की खरीद बढ़कर 2025-26 में 3,921 लाख मीट्रिक टन हो गई है, जो कि वित्त वर्ष 2004-05 में 2,302 लाख मीट्रिक टन थी। साथ ही, इस दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) का भुगतान 2.65 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 8.36 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह जानकारी गुरुवार को जारी आधिकारिक फैक्टशीट में दी गई। सरकार ने 30 सितंबर को रबी विपणन सत्र (आरएमएस) 2027-28 के लिए सभी निर्धारित रबी फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में बढ़ोतरी को मंजूरी दी। इसके तहत, 324 लाख मीट्रिक टन (एमटी) उपज के लिए किसानों को लगभग 90,962 करोड़ रुपए का भुगतान किया जाएगा। फैक्टशीट में बताया गया, अब डिजिटल प्लेटफॉर्म खरीद और भुगतान प्रक्रियाओं की सुलभता और पारदर्शिता को बढ़ा रहे हैं। मूल्य की गारंटी, खरीद का विस्तार और तकनीक-आधारित डिलीवरी मिलकर किसानों की बाजारों तक पहुंच को मजबूत कर रहे हैं और कृषि संबंधी फैसलों में उनका भरोसा बढ़ा रहे हैं।

सरकार हर साल 22 प्रमुख कृषि फसलों के लिए एमएसपी की घोषणा करती है। ये एमएसपी, कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों पर आधारित होते हैं। इस साल एमएसपी में सबसे अधिक बढ़ोतरी कुसुम के लिए की गई है, जो 675 रुपए प्रति क्विंटल है। इसके बाद रेपसीड और सरसों (413 रुपए प्रति क्विंटल), मसूर (390 रुपए प्रति क्विंटल) और जौ (136 रुपए प्रति क्विंटल) का नंबर आता है। पिछले साल की तुलना में गेहूं और चना की एमएसपी में भी बढ़ोतरी हुई है। फैक्टशीट के अनुसार, उत्पादन लागत पर मिलने वाले रिटर्न के मामले में, गेहूं में सबसे अधिक (106 प्रतिशत) मार्जिन का अनुमान है। इसके बाद रेपसीड और सरसों (96 प्रतिशत), मसूर (92 प्रतिशत) और चना (59 प्रतिशत) का स्थान है। रबी मार्केटिंग सीजन (आरएमएस) 2027-28 के दौरान, 324 लाख मीट्रिक टन उपज के लिए किसानों को लगभग 90,962 करोड़ रुपए का भुगतान किए जाने का अनुमान है। फैक्टशीट में कहा गया है कि रबी फसलों के लिए एमएसपी बढ़ाने का उद्देश्य किसानों को उनकी उपज का अच्छा दाम दिलाना और साथ ही उन्हें फसल विविधीकरण के लिए प्रोत्साहित करना है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए खरीद प्रक्रिया को भी मजबूत किया गया है। 19 अक्टूबर 2026 तक, ई-संयुक्त प्लेटफॉर्म के माध्यम से 43 लाख से अधिक किसानों से उपज की खरीद की गई है।

सूखा राहत पर शिवसेना उद्धव गुट का हमला, किसानों को 5,000 रुपए की मदद को बताया छलावा

मुंबई (एजेंसी)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने राज्य सरकार द्वारा सूखा प्रभावित किसानों को अग्रिम राहत के तौर पर 5,000 रुपए देने की घोषणा की कड़ी आलोचना की। पार्टी ने इस फैसले को धोखाधड़ीपूर्ण और खोखला दिखावा करार दिया। पार्टी का कहना है कि सूखे से जूझ रहे किसानों को वास्तविक और पर्याप्त सहायता की आवश्यकता है और 5,000 रुपए की यह राहत केवल एक दिखावटी कदम है, जिससे किसानों की समस्याओं का समाधान नहीं होने वाला। ठाकरे गुट ने पार्टी के मुखपत्र सामना में छपे एक तीखे संपादकीय में तर्क दिया है कि महाराष्ट्र में सूखे की मार झेल रहे लगभग 1.50 करोड़ किसानों के साथ मजबूती से खड़े होने के बजाय सत्ताधारी सरकार ने 33 प्रतिशत की शर्त लगाकर असल में उनकी पीठ में छूरा घोंपा है। संपादकीय में कहा गया है कि सरकार ने 5,000 रुपए की अग्रिम सहायता तुरंत बांटने के बड़े-बड़े दावे किए थे, लेकिन अब इस राहत को केवल उन्हीं इलाकों तक सीमित कर दिया गया है, जहां फसल के नुकसान का आकलन (पंचनामा) पूरा हो चुका है और फसल का नुकसान 33 प्रतिशत से अधिक है। इसमें बताया गया है कि इस तरह के सख्त नियम लागू करने से भीषण सूखे के इस दौर में संकट से जूझ रहे 1.50 करोड़ किसानों में से लगभग आधे किसान पूरी तरह खाली हाथ रह जाएंगे।

खरीफ की फसल पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है और बारिश न होने के कारण रबी की बुआई भी लगभग नामुमकिन लग रही है। ऐसे में ग्रामीण इलाकों में पीने के पानी और चारे का भारी संकट पैदा हो गया है। सरकार ने निर्देश दिए हैं कि जो निजी फाइनेंस कंपनियां और साहूकार कर्ज वसूली के लिए किसानों को परेशान कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। इसके बावजूद किसानों को डराने-धमकाने का सिलसिला बदस्तूर जारी है।

संपादकीय में नांदेड़ और लातूर के उन मामलों का जिक्र किया गया है, जहां कर्ज के दबाव में आकर किसानों ने अपनी जान दे दी। कहा है कि इससे यह सवाल उठता है कि क्या सरकार के आदेश वास्तव में जमीनी स्तर तक पहुंच भी रहे हैं या नहीं। संपादकीय में कहा गया है कि मानसून खत्म होने के कई हफ्तों बाद मृदा एवं जल संरक्षण विभाग ने अचानक पानी सोखने वाले गड्ढे खोदने का काम शुरू कर दिया है। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने इन देर से उठाए गए कदमों को बहुत देर हो जाने के बाद की गई कार्रवाई की संज्ञा दी है। पार्टी ने कहा कि चूंकि अब बारिश की कोई उम्मीद नहीं है, इसलिए सवाल यह उठता है कि क्या सरकार इन हजारों नए खोदे गए गड्ढों को पानी के टैंकरों से भरने की योजना बना रही है? संपादकीय में आरोप लगाया गया है कि ऐसी परियोजनाएं ग्रामीण इलाकों की प्यास बुझाने के बजाय, ठेकेदारों और बिचौलियों की जेबें भरने के लिए बनाई गई हैं।

इस गंभीर वास्तविकता को सामने रखते हुए संपादकीय में कहा गया है कि सत्ता में बैठे लोग भले ही बड़े-बड़े दावे करते हों, लेकिन प्रशासन की नौकरशाही की अड़चनें और पात्रता संबंधी शर्तें एक ऐसे अल नीनो की तरह काम करती हैं, जो प्राकृतिक सूखे से भी कहीं अधिक खतरनाक साबित होती हैं।

ऑपरेशन सिंदूर में तबाह किया आतंकी ढांचा, भारत की रणनीति आतंकियों के खिलाफ परखी हुई: राजनाथ

नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने फिलीपींस के सेबू में आयोजित आसियान रक्षा मंत्रियों की बैठक (एडीएमएम प्लस) को संबोधित करते हुए कहा कि भारत एक ऐसे अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था में विश्वास रखता है जो कि आपसी विश्वास, सहयोग और सामूहिक जिम्मेदारी पर आधारित हो। सहयोगात्मक भावना की यही इच्छाशक्ति ही, हमें शांति और व्यवस्था के समक्ष आ रही चुनौतियों से निपटने में सक्षम बनाएगी। रक्षा मंत्री ने कहा, भारत ने हमेशा एशियाई केंद्र की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया है। हमने एक ऐसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र की परिकल्पना की है, जो खुला हो, समावेशी हो और नियम आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था पर आधारित हो। आसियान के साथ हमारा जो दीर्घकालिक रणनीतिक जुड़ाव है, वह साझा हितों, आपसी सम्मान और व्यावहारिक सहयोग पर आधारित है। उन्होंने कहा, आतंकवादियों के खिलाफ भारत के दृष्टिकोण का एक बड़ा उदाहरण, हमने पिछले साल ऑपरेशन सिंदूर में दिखाया था, जब हमने बड़ी संख्या में आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया था। यह राज्य-प्रायोजित आतंक के खिलाफ, भारत के स्पष्ट दृष्टिकोण की भी घोषणा की गई थी। आतंकवाद-निरोध के क्षेत्र में भारत का अनुभव, कक्षा या सैद्धांतिक ज्ञान भर नहीं है बल्कि यह दशकों तक जमीनी स्तर पर सीमा पार सुरक्षा चुनौतियों का सामना



करने का अनुभव हासिल हुआ है। आतंकवादियों के खिलाफ हमारी हर रणनीति, वास्तविक संचालन में परखी हुई है और अपनी सफलता साबित कर दी गई है।

राजनाथ सिंह ने कहा, भारत अपने एडीएमएम-प्लस साझेदारों के साथ, अपनी व्यावहारिक और युद्ध-परीक्षित आतंकवाद विरोधी लड़ाई को साझा करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। संयुक्त सैन्य अभ्यास, क्षमता-निर्माण कार्यक्रम और मजबूत खुफिया जानकारी साझा करने के माध्यम से हम अपनी सामूहिक क्षमताओं को और मजबूत कर सकते हैं। हम एक ऐसे इंडो-पैसिफिक का समर्थन करते हैं, जो सुरक्षित हो, मजबूत हो और जहां केवल शांति और स्थिरता की आकांक्षाएं नहीं बल्कि हमारे सामूहिक प्रयास के परिणाम हों।

रक्षा मंत्री ने कहा, भारत अंतरराष्ट्रीय समुद्री कानून को केवल वैध नहीं मानता बल्कि समुद्री सुरक्षा के क्षेत्र में अपनी दृढ़ता का पालन भी करता है। नेविगेशन की स्वतंत्रता सुनिश्चित करने और वैश्विक समुद्री संचार की सुरक्षा सुनिश्चित करने के प्रति हमारी वचनबद्धता दशकों के निरंतर अनुभवों पर आधारित है। वर्ष 2008 से ही भारतीय नौसेना ने अदन की खाड़ी जैसे अत्यधिक अस्थिर समुद्री गलियारे में लगातार सक्रिय उपस्थिति बनाए रखी है। इस दौरान भारत ने किसी भी प्रकार के ऐसे बल प्रयोग का सहारा नहीं लिया जो दूसरे देशों के हितों को कमजोर करता हो। अपने अग्रिम पंक्ति के युद्धपोत की तैनाती के माध्यम से भारतीय नौसेना ने हजारों व्यापारी जहाज को सुरक्षा प्रदान की है और समुद्र में जहाजों के अपहरण की अनेक कोशिशों को विफल किया है।

राजनाथ सिंह ने कहा, आज, जब वैश्विक व्यापार मार्गों को अलग-अलग प्रकार के नए अंतर्राष्ट्रीय आदर्शों का सामना करना पड़ रहा है, तब समुद्री सुरक्षा के प्रति केवल बयान देना पर्याप्त नहीं है। हमारा संकल्प स्पष्ट है, भारत हिंद महासागर क्षेत्र और व्यापक इंडो-पैसिफिक में एक विश्वसनीय, नेट सुरक्षा प्रदाता के रूप में काम करता रहेगा। भारत समुद्री सुरक्षा को इस क्षेत्र की शांति, सुरक्षा और समृद्धि से खोया हुआ संकेत मिलता है। भारत का कानून का नियम और विशेष रूप से समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन पर जोर देना, नेविगेशन और ओवरफ्लाइट की स्वतंत्रता को अवैध बनाना, किसी भी देश के खिलाफ नहीं है बल्कि इसका उद्देश्य सभी क्षेत्रीय हितधारकों के सामूहिक हितों की रक्षा करना है, जो खुले समुद्री मार्ग और स्थिर समुद्री शासन पर अड़े हुए हैं। हम समुद्री सुरक्षा, खोज और बचाव, मानवीय सहायता, व्यावसायिक संपर्क, क्षमता निर्माण और अंतर्राष्ट्रीय कानून का सम्मान करते हैं और इन क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए, आसियान भागीदारों के साथ सामूहिक कार्य करने के लिए तत्पर हैं।

रक्षा मंत्री ने कहा, इसी संभावना को वास्तविकता में बदलाव के लिए भारत को एक मजबूत रक्षा यूथ ब्रिज स्थापित करने का प्रस्ताव है। इस ढांचे का उद्देश्य होगा- लोगों से लोगों की कनेक्टिविटी, डिजिटल नवाचार और क्षमता निर्माण को बढ़ावा देना। सबसे पहले, एडीएमएम-प्लस के दोस्तों के साथ, हमारे युवाओं की जोड़ी को जोड़ने में मदद करें। हमारी अगली पीढ़ी को सशक्त बनाने का यह दृष्टिकोण, इस बैठक का संयुक्त वक्तव्य युवा शांति और सुरक्षा के साथ भी पूरी तरह से मेल खाता है। अपने विद्यार्थियों को एमबीएस कर, हम इस क्षेत्र का भविष्य तैयार कर रहे हैं। आज जब हम भारत और आसियान के सशक्तिकरण को और मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रहे हैं, भारत का संकेत है कि हमारी सबसे बड़ी ताकत हमारी युवा आबादी और उनकी ऊर्जा, गतिशीलता और आकांक्षाएं हैं। भारत और आसियान देशों की जनसंख्या, तुलनात्मक रूप से युवा है। यह समानता हमें एक विशेष बढ़त प्रदान करती है और हमारे भविष्य को एक-दूसरे से जोड़ती है।

मध्य प्रदेश के शिवपुरी में दो बहनों ने चार बच्चों के साथ की आत्महत्या, छह की मौत से पसरा मातम

शिवपुरी (एजेंसी)। बैराड़ थाना क्षेत्र के गूंगरगांव और कोलारस थाना क्षेत्र के सेसईपुरा गांव से जुड़ी इन घटनाओं में दोनों महिलाओं ने अपने बच्चों के साथ कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। इनमें से एक महिला आठ माह की गर्भवती थी। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस के अनुसार, पहली घटना बुधवार दोपहर बैराड़ थाना क्षेत्र के गूंगरगांव में हुई। यहां 35 वर्षीय अंजलि ने अपने छह वर्षीय बेटे प्रशांत के साथ आत्महत्या कर ली। अंजलि आठ माह की गर्भवती थी। बताया गया है कि उसके पति धरमवीर रावत की करीब एक माह पहले सड़क दुर्घटना में मौत हो गई थी। इसके बाद से वह गहरे सदमे और मानसिक तनाव में थी।

घटना के समय अंजलि अपनी तीन बेटियों को भी साथ लेकर गई थी। बताया जाता है कि उनमें से एक बेटी ने किसी तरह अपना हाथ छुड़ाया और वहां से भागकर घर पहुंची। उसने परिजनों को घटना की जानकारी दी, जिससे अन्य बच्चों की जान बच गई। इस घटना में अंजलि, उसके बेटे



और गर्भ में पल रहे शिशु की मौत हो गई।

पहली घटना के बाद क्षेत्र के लोग सदमे में थे कि बुधवार शाम को दूसरी घटना की खबर सामने आई। कोलारस थाना क्षेत्र के सेसई गांव की रहने वाली अंजलि की बड़ी बहन 40 वर्षीय सीता रावत ने भी अपने तीन बच्चों के साथ आत्महत्या कर ली। मृत बच्चों की पहचान 14 वर्षीय राखी, 11 वर्षीय प्रियंका और छह वर्षीय श्लोक के रूप में हुई है। घटना खोंकर गांव के एक खेत में हुई।

परिजनों के अनुसार, बुधवार शाम करीब छह बजे तक सीता और उसके बच्चे घर नहीं लौटे तो उनकी तलाश शुरू की गई। परिजन खेत पहुंचे, जहां उन्हें चप्पलें दिखाई दीं। कुछ दूरी पर सीता और उसके बच्चों के शव मिले। यह दृश्य देखकर परिजन स्तब्ध रह गए। सूचना मिलने पर स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से शवों को बाहर निकाला गया। एक ही परिवार की दो बहनों और उनके बच्चों की मौत से दोनों गांवों में शोक का माहौल है।

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस और प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों मामलों में मर्ग कायम कर शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों के अनुसार, दोनों घटनाओं से जुड़े सभी पहलुओं की जांच की जा रही है, ताकि मौतों के वास्तविक कारणों का पता लगाया जा सके। बैराड़ थाना प्रभारी रवि चौहान ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और बचाव का प्रयास किया, लेकिन महिला और उसके बच्चे को नहीं बचाया जा सका। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। इन घटनाओं ने पूरे क्षेत्र को झकझोर दिया है। हालांकि, दोनों महिलाओं की मनोदशा और पारिवारिक परिस्थितियों से जुड़ी पूरी जानकारी जांच के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

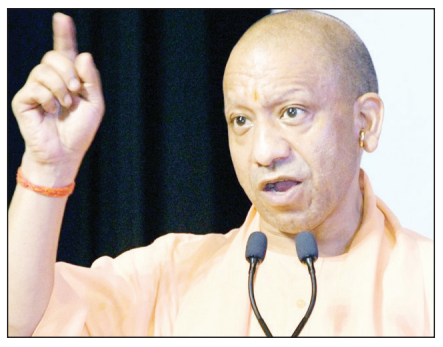
बंद फ्लैट में मिले तीन भाई और बहन के शव, आत्महत्या की आशंका

विरार (एजेंसी)। महाराष्ट्र के विरार में एक बंद फ्लैट में तीन भाई-बहनों के शव मिले हैं। मृतकों में दो भाई और उनकी बहन शामिल हैं। प्रारंभिक जानकारी के आधार पर पुलिस ने तीनों के आत्महत्या करने की आशंका जताई है। मुंबई पुलिस ने बताया कि विरार पश्चिम की ग्लोबल सिटी स्थित के. एवेन्यू इमारत में यह घटना हुई। यहां एक बंद फ्लैट में तीन भाई-बहनों के शव मिले। इस कारण इलाके में सनसनी फैल गई। तीनों के शव गुरुवार को विंग डी के फ्लैट नंबर 1203 से बरामद किए गए। बोलिंज पुलिस स्टेशन के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रकाश कावले ने समाचार एजेंसी आईएएनएस को बताया कि बीती रात पड़ोसियों ने संबंधित फ्लैट से दुर्गंध आने की सूचना दी थी। सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची।

स्पीड, स्केल और कनेक्टिविटी के मंत्र ने बदली यूपी की तस्वीर : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स के जरिए प्रदेशवासियों को 2017 के पश्चात सड़क, रेल, मेट्रो व एयर कनेक्टिविटी की अभूतपूर्व बढ़ोतरी से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि स्पीड, स्केल और कनेक्टिविटी के मंत्र ने उत्तर प्रदेश की तस्वीर बदल दी है। सीएम योगी ने लिखा कि सड़क, रेल और हवाई संपर्क केवल दूरियां नहीं घटाते, बल्कि ये सुविधा, समय की बचत और समृद्धि की नई संभावनाएं लेकर आते हैं, लेकिन वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में विकास की इन जीवन रेखाओं की स्थिति अत्यंत दयनीय थी।

मुख्यमंत्री ने लिखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने स्पीड, स्केल और कनेक्टिविटी के मंत्र से इस तस्वीर को बदला है। भाजपा की डबल इंजन सरकार बनने से पहले देश की सबसे बड़ी आबादी वाले प्रदेश में मात्र डेढ़ एक्सप्रेस-वे थे। आज प्रदेश में 10 एक्सप्रेस-वे संचालित हैं। तब हवाई सेवाएं चुनिंदा शहरों तक सिमटी थीं, लेकिन आज 12 घरेलू और 5 अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डों से प्रदेश की उड़ान नई ऊंचाइयों पर है। तब प्रदेश के एक भी शहर में मेट्रो नहीं चलती थी। वहीं, आज 7 शहरों



में मेट्रो जनजीवन को नई गति दे रही है।

उन्होंने बताया कि इस परिवर्तन से किसान की उपज को बड़ा बाजार और उद्यमिता को नए अवसर मिल रहे हैं। युवाओं के लिए शिक्षा और रोजगार तक पहुंच सुगम हो रही है। कामकाजी लोगों का समय बच रहा है। पर्यटन का विस्तार भी हो रहा है, जिससे स्थानीय परिवारों की आजीविका को नई शक्ति मिल रही है। विकास की यह गति आज गांव से कस्बे और कस्बे से शहर तक नागरिकों के जीवन को बदल रही है। हर क्षेत्र को अवसर, हर उद्यम को सामर्थ्य और हर परिवार के जीवन में बढ़ती खुशहाली नए भारत के नए उत्तर प्रदेश की नई पहचान है।

लोकतंत्र के लिए खतरनाक, नसीरुद्दीन शाह की दिमागी नक्सल टिप्पणी पर किरेन रिजिजू ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने अभिनेता नसीरुद्दीन शाह की हालिया टिप्पणी को लेकर उनकी आलोचना की है। रिजिजू ने कहा कि वे अभिनेता को पसंद करते थे, लेकिन उनका असली चरित्र उन्हें देरी से पता चला है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नसीरुद्दीन शाह का एक वीडियो शेयर किया। रिजिजू ने पोस्ट में लिखा, मुझे लगता था कि नसीरुद्दीन शाह एक ऑर्डिनरी एक्टर हैं। मैं उनका सम्मान करता था और उन्हें पसंद भी करता था। मुझे कभी पता ही नहीं था कि वह एक खतरनाक अर्बन दिमागी नक्सल था। साथ ही, किरेन रिजिजू ने लिखा, मुझे उसके असली चरित्र के बारे में बहुत देर से पता चला। भारत के लोकतंत्र के लिए अत्यंत हानिकारक है। रिजिजू की ओर से शेयर वीडियो में नसीरुद्दीन शाह ने कहा, मैं फक्र के साथ कहता हूं, मैं दिमागी नक्सल हूं। एंटी-नेशनल, टुकड़े-टुकड़े गैंग, जो करना है करके देख लो। देख लेंगे जोर कितना बाजुए कातिल में है। यह मामला तब सामने आया जब नसीरुद्दीन शाह ने सरकार पर तीखा हमला करते हुए एक वीडियो शेयर किया। अभिनेता ने भारतीय जनता पार्टी और केंद्र सरकार की नीतियों की आलोचना की।



हरियाणा केवल निवेश का गंतव्य नहीं, उद्योगों के विकास में विश्वसनीय साझेदार' : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने गुजरात के उद्योगपतियों और उद्यमियों से हरियाणा में अपने कारोबार का विस्तार करने का आह्वान करते हुए कहा कि गुजरात की उद्यमशीलता और हरियाणा का मजबूत औद्योगिक आधार मिलकर दोनों राज्यों के लिए विकास और निवेश के नए अवसर पैदा कर सकते हैं। हरियाणा सरकार का उद्देश्य निवेशकों को केवल निवेश का आमंत्रण देना नहीं, बल्कि उनके कारोबार के अगले विकास चरण में एक विश्वसनीय साझेदार बनना है। मुख्यमंत्री गुजरात दौरे के दूसरे दिन गांधीनगर में आयोजित इन्वेस्टर रोड-शो में उपस्थित बिजनेस लीडर्स को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा में नई विनिर्माण इकाइयां, कार्यालय, गोदाम और तकनीकी केंद्र स्थापित करने की व्यापक संभावनाएं हैं। गुजरात के उद्यमी अपने कारोबारी विस्तार की योजनाओं में हरियाणा को शामिल करें और प्रदेश के औद्योगिक क्षेत्रों का अध्ययन कर अपनी जरूरतों के अनुरूप निवेश की संभावनाएं तलाशें।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जन्मभूमि और कर्मभूमि गुजरात है और इस भूमि ने व्यापार, उद्योग और उद्यमशीलता के क्षेत्र में देश-दुनिया में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। सूरत का हीरा एवं टेक्सटाइल उद्योग, अहमदाबाद का औद्योगिक विकास तथा गुजरात के रसायन, फार्मा और विनिर्माण क्षेत्र इसकी सफलता के उल्लेखनीय उदाहरण हैं। वहीं , हरियाणा भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कर्मभूमि है।गुजरात के उद्यमियों का अनुभव और हरियाणा का औद्योगिक एवं लॉजिस्टिक्स नेटवर्क परस्पर सहयोग की नई संभावनाएं खोल सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा की सबसे बड़ी ताकत उसकी रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है। राज्य का लगभग 57 प्रतिशत क्षेत्र राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में आता है। कुंडली-मानेसर-पलवल एक्सप्रेसवे, दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और प्रमुख औद्योगिक कॉरिडोर हरियाणा को बड़े व्यापारिक एवं उपभोक्ता बाजारों से जोड़ते हैं। दिल्ली, चंडीगढ़ और नोएडा के हवाई अड्डों तक पहुंच भी निवेशकों, कर्मचारियों और कारोबारी साझेदारों की आवाजाही को सुविधाजनक बनाती है।

उन्होंने कहा कि किसी भी उद्योग के लिए बाजार तक पहुंच, परिवहन, आपूर्ति श्रृंखला और समय पर उत्पादों की डिलीवरी महत्वपूर्ण होती है। हरियाणा की कनेक्टिविटी और राष्ट्रीय राजधानी के निकटता इन जरूरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

उप कप्तानी की जिम्मेदारी पर बोले तिलक वर्मा, 'मैं इसका लुत्फ उठा रहा हूं'

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने अपनी नई भूमिका को लेकर खुलकर बात की है। उन्होंने बताया कि कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ मैदान पर रणनीतिक सुझाव साझा करना उन्हें पसंद है। तिलक ने अपनी फील्डिंग को लेकर भी अनुभव साझा किया और बताया कि साल 2026 में वह एक कैलेंडर वर्ष में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले फील्डर बन गए हैं।



भारतीय टी20 टीम के उपकप्तान तिलक वर्मा ने कहा कि वह अपनी नई जिम्मेदारी का भरपूर आनंद उठा रहे हैं। टी20 विश्व कप 2026 के बाद नेतृत्व में हुए बदलाव के दौरान श्रेयस अय्यर को कप्तान और तिलक को उपकप्तान बनाया गया था। तिलक को अपने राज्य हैदराबाद और इंडिया ए टीमों की कप्तानी करने का भी अनुभव है।

तिलक वर्मा ने बताया कि वह मैदान पर कप्तान श्रेयस अय्यर के साथ अपने अनुभव और सुझाव साझा करते रहते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ चौथे टी20 मुकाबले से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में उन्होंने कहा, 'मैंने अपने राज्य के लिए हर फॉर्मेट में कप्तानी की है। पिछले एक साल से मैं इंडिया ए के लिए भी कप्तानी कर रहा हूं। इसलिए मेरे पास अनुभव और जानकारी है। मैं मैदान पर श्रेयस को जो भी सुझाव दे सकता हूं, वह हमेशा साझा करता हूं।'

तिलक ने टी20 क्रिकेट में कप्तानी की चुनौतियों पर भी अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि मौजूदा दौर में मुकाबले काफी हाई स्कोरिंग हो रहे हैं, जिससे कप्तान पर दबाव बढ़ जाता है। तिलक के मुताबिक, ऐसी परिस्थितियों में उपकप्तान की भूमिका और भी अहम हो जाती है।

उन्होंने कहा, 'टी20 दबाव वाला खेल है। खासकर आज के समय में, जब मुकाबलों में काफी ज्यादा रन बन रहे हैं, तो दबाव हमेशा रहता है। कप्तान के लिए हर चीज पर नजर रखना मुश्किल होता है। इसलिए जहां भी मैं उसकी मदद कर सकता हूं, वहां अय्यर के साथ बातचीत करता हूं। वह भी मुझसे सुझाव मांगते हैं। मैं इन छोटी-छोटी जिम्मेदारियों का आनंद ले रहा हूं।'

तिलक ने बताया कि फील्डिंग उनके खेल का पसंदीदा हिस्सा रही है और वह इसे कभी बोझ नहीं मानते। विदेशी परिस्थितियों में तेज हवा, ठंड और हवा में डगमगाती गेंद के बावजूद वह मैदान पर अपना सर्वश्रेष्ठ देने की कोशिश करते हैं।

उन्होंने कहा, 'मैं बचपन से ही अच्छा फील्डर रहा हूं। जब भी मैं फील्डिंग का अभ्यास करता हूं, तो इसे कभी बोझ नहीं समझता। विदेश में खेलते समय हवा चलती है, मौसम ठंडा होता है और गेंद हवा में डगमगाती है, लेकिन मुझे हमेशा से फील्डिंग करने में सचमुच मजा आया है। मैं मैदान पर लंबे समय तक रहने की कभी शिकायत नहीं करता।'

टीम इंडिया में होंगे बड़े बदलाव, कुलदीप यादव को मिल सकता है मौका

ऑकलैंड (एजेंसी)। भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की टी20 सीरीज का चौथा मुकाबला शुक्रवार को खेला जाएगा। शुरुआती तीनों मैच जीतकर सीरीज अपने नाम कर चुकी भारतीय टीम अब प्लेइंग इलेवन में बदलाव कर सकती है। ऐसे में स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को मौका मिलने की उम्मीद है। वहीं, ईशान किशन की फिटनेस और तेज गेंदबाजों के प्रदर्शन पर भी सबकी नजरें रहेंगी।



भारतीय टीम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरुआती तीनों टी20 मुकाबले जीतकर सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली है। ऐसे में अगले दो मैचों में टीम प्रबंधन को अपने संयोजन में प्रयोग करने का मौका मिल सकता है। भारत अब तक आठवें नंबर तक बल्लेबाजी के विकल्प के साथ मैदान पर उतरता रहा है और यह रणनीति सफल भी रही है।

भारतीय स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती को चौथे टी20 मुकाबले में खेलने का अवसर मिल सकता है। दोनों खिलाड़ियों को हाल के महीनों में नियमित मौके नहीं मिले हैं। वरुण का पिछले छह महीनों में प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा, जबकि कुलदीप ने मध्य ओवरों में विकेट लेने की अपनी क्षमता दिखाई है। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने वेलिंगटन में पिछले मुकाबले के डेथ ओवरों में अच्छी गेंदबाजी की और अंतिम ओवर में लगातार यॉर्कर डाले। हालांकि, शुरुआती तीन मैचों में उन्होंने 72 गेंदों पर 139 रन खर्च किए हैं। चार साल बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी कर रहे भुवनेश्वर को अपनी इकॉनमी में सुधार करना होगा।

पिछले दो मुकाबलों में मयंक यादव की जगह प्रिंस यादव को प्लेइंग इलेवन में शामिल किया गया था। अब चौथे टी20 में टीम प्रबंधन के सामने दोनों में से किसी एक को चुनने का विकल्प होगा। मयंक को वापसी का मौका मिलता है या टीम प्रिंस पर ही भरोसा जताती है, यह देखना दिलचस्प होगा। ग्रोइन की चोट के कारण विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन पिछले दो टी20 मुकाबलों में नहीं खेल पाए हैं। अगर वह चौथे मैच से पहले पूरी तरह फिट नहीं होते हैं, तो युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक बार फिर मौका मिल सकता है। सूर्यवंशी ने पिछले मुकाबले में उपयोगी प्रदर्शन किया था, हालांकि अभिषेक शर्मा की विस्फोटक पारी ने सबसे ज्यादा सुर्खियां बटोरी थीं।

सर्बिया में छात्र आंदोलन की जीत पर नोवाक जोकोविच ने जताई खुशी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

टेनिस के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने सर्बिया में छात्र आंदोलन की चुनावी जीत पर खुशी जाहिर की है। उन्होंने पिछले दो वर्षों से सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे छात्रों और युवाओं के संघर्ष, साहस और धैर्य की सराहना की। जोकोविच के मुताबिक, इस आंदोलन ने न सिर्फ सर्बिया बल्कि विदेशों में रहने वाले लोगों के बीच भी गर्व की भावना पैदा की है।

स्विट्जरलैंड के बासेल में स्विस इंडोर्स टूर्नामेंट के दौरान प्रेस कॉन्फ्रेंस में नोवाक जोकोविच से सर्बिया के राजनीतिक घटनाक्रम को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्होंने कहा कि वह इस नतीजे से बेहद खुश हैं। जोकोविच ने छात्र आंदोलन से जुड़े युवाओं के प्रति सम्मान जाहिर करते हुए उनके संघर्ष और योगदान की सराहना की। जोकोविच ने कहा, 'मैं छात्रों और युवाओं का दिल से सम्मान करता हूं, जिन्होंने संघर्ष किया। पिछले दो वर्षों में उन्होंने भारी दबाव के बावजूद अपनी गरिमा और अविश्वसनीय दृढ़ता का परिचय दिया है।' उन्होंने कहा कि युवाओं ने जिस तरह से परिस्थितियों का सामना किया, उससे वह काफी प्रभावित हैं।

सर्बिया के स्टार टेनिस खिलाड़ी ने छात्र आंदोलन के प्रभाव पर बात करते हुए कहा, 'मेरे मन में उनके लिए बहुत प्रशंसा है कि उन्होंने क्या किया और किस तरह से खुद को पेश किया। उन्होंने सभी लोगों के भीतर गर्व की भावना पैदा की है, सिर्फ सर्बिया में ही नहीं, बल्कि विदेशों में भी।' उनके इस बयान ने आंदोलन के प्रति उनके समर्थन को फिर से सामने ला दिया।

सर्बिया में हुए चुनाव में लंबे समय से सत्ता में रहे अलेक्जेंडर वुचिच और उनकी दक्षिणपंथी पार्टी का मुकाबला विविध छात्र-नेतृत्व वाले विपक्षी आंदोलन से हुआ। यह आंदोलन पिछले दो वर्षों से सरकार के खिलाफ विरोध प्रदर्शन कर रहा था। एसोसिएटेड प्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, रविवार को वुचिच ने चुनाव में हार स्वीकार कर ली। जोकोविच ने कहा, 'जीत सुनिश्चित हो गई है और अब हम सभी को उम्मीद है कि हमारा देश समृद्ध होगा और आने वाले भविष्य का आनंद ले सकेंगे।' उनके इस बयान में सर्बिया के भविष्य को लेकर आशावाद दिखाई दिया। उन्होंने उम्मीद जताई कि चुनाव के बाद देश के लोगों के लिए बेहतर अवसर और सकारात्मक बदलाव सामने आएंगे।

ओडीआई सीरीज से पहले शुभमन गिल ने शुरू की तैयारी, नेट्स में बहाया पसीना

ऑकलैंड (एजेंसी)। न्यूजीलैंड के खिलाफ पांच मैचों की वनडे सीरीज से पहले भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। ऑकलैंड पहुंचने के बाद गिल नेट्स पर बल्लेबाजी करते नजर आए। इस सीरीज में रोहित शर्मा और विराट कोहली की भी वापसी होगी। वनडे सीरीज का आगाज 4 नवंबर से ऑकलैंड के ईडन पार्क में होगा।



भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल ने न्यूजीलैंड में भारतीय टीम से जुड़ने के बाद अभ्यास शुरू कर दिया है। गिल टी20 टीम के साथ जुड़ने के बाद नेट्स पर बल्लेबाजी करते दिखाई दिए। उनका पूरा ध्यान आगामी वनडे सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को मजबूत करने पर है। अभ्यास सत्र के दौरान शुभमन गिल के माथे पर 'टेंपल' नाम का फिटनेस ट्रैकिंग डिवाइस भी नजर आया। इस डिवाइस के जरिए उनकी ट्रेनिंग से जुड़ी गतिविधियों पर नजर रखी जा सकती है। हालांकि, इसके इस्तेमाल के उद्देश्य को लेकर रिपोर्ट में कोई विस्तृत जानकारी नहीं दी गई है।

शुभमन गिल के अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज केएल राहुल और तेज गेंदबाज गुनूर बराड़ भी भारतीय टीम से जुड़ गए हैं। राहुल ने नेट्स पर बल्लेबाजी का अभ्यास किया, जबकि टीम वनडे सीरीज के लिए अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दे रही है। इस सीरीज में भारतीय टीम के सामने न्यूजीलैंड की चुनौती होगी। न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे सीरीज भारतीय प्रशंसकों के लिए खास रहने वाली है, क्योंकि इसमें अनुभवी बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली की वापसी होगी। दोनों खिलाड़ियों का अनुभव टीम के लिए अहम साबित हो सकता है। कप्तान शुभमन गिल के साथ इन दोनों दिग्गजों की मौजूदगी भारतीय बल्लेबाजी क्रम को मजबूती देगी। अभ्यास के दौरान शुभमन गिल अपने करीबी दोस्त और भारतीय टी20 ओपनर अभिषेक शर्मा के साथ बातचीत करते नजर आए। अभिषेक ने वेलिंगटन में खेले गए तीसरे टी20 मुकाबले में सिर्फ 38 गेंदों पर 113 रन की तूफानी पारी खेली थी। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने 199 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए मुकाबले में शानदार प्रदर्शन किया और पांच मैचों की सीरीज में 3-0 की अजेय बढ़त बना ली।

ईशान किशन ने भी नेट्स पर की बल्लेबाजी

ग्रोइन की चोट से उबर रहे विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने भी अभ्यास सत्र में बल्लेबाजी की। केएल राहुल ने भी नेट्स पर समय बिताया। अभ्यास के दौरान शुभमन गिल ने बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक से बातचीत की और इसके बाद खुद बल्लेबाजी करने पहुंचे। हालांकि, ईशान की फिटनेस और उपलब्धता को लेकर अंतिम स्थिति स्पष्ट होना बाकी है।

कब शुरू होगी भारत-न्यूजीलैंड वनडे सीरीज?

भारत और न्यूजीलैंड के बीच पांच मैचों की वनडे सीरीज 4 नवंबर से शुरू होगी। पहला मुकाबला ऑकलैंड के ईडन पार्क में खेला जाएगा। वनडे सीरीज के बाद दोनों टीमें 19 नवंबर से शुरू होने वाली दो मैचों की टेस्ट सीरीज में आमने-सामने होंगी। शुभमन गिल दोनों प्रारूपों में भारतीय टीम की कप्तानी करेंगे।

शिपिंग, जहाज निर्माण और समुद्री तकनीक में साझेदारी बढ़ाने की तैयारी, नवंबर में भारत आएंगी 25 प्रमुख साइप्रस कंपनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के समुद्री और जहाज निर्माण क्षेत्र में निवेश तथा तकनीकी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए साइप्रस की लगभग 25 प्रमुख कंपनियां नवंबर में भारत का दौरा करेंगी। इन कंपनियों के प्रतिनिधि शिपिंग, शिप मैनेजमेंट, समुद्री प्रौद्योगिकी और उससे जुड़े क्षेत्रों में साझेदारी की संभावनाओं का आकलन करेंगे। यह जानकारी एक आधिकारिक बयान में दी गई।

केंद्रीय पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने दक्षिण कोरिया के बुसान में दक्षिण कोरियाई समुद्री संस्थानों, जहाज निर्माण कंपनियों और साइप्रस के शिपिंग उपमंत्री मरीना हाजीमानोलिस के साथ कई महत्वपूर्ण बैठकें कीं। इन चर्चाओं का मुख्य फोकस भारत की बढ़ती जहाज निर्माण महत्वाकांक्षाओं के लिए आवश्यक सप्लाई चेन, वित्त, प्रौद्योगिकी और बाजारों को मजबूत करना था। बैठकों के दौरान जहाज निर्माण निवेश, समुद्री उपकरण विनिर्माण, समुद्री वित्तपोषण, बंदरगाह विकास, शिपिंग, हरित प्रौद्योगिकी और टिकाऊ जहाज पुनर्चक्रण (शिप रीसाइक्लिंग) जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई। साइप्रस ने भारतीय शिप रीसाइक्लिंग यार्डों को यूरोपीय संघ से मान्यता दिलाने के भारत के प्रयासों का भी समर्थन किया।

भारत और दक्षिण कोरिया के बीच एलपीजी तथा एलएनजी कार्गो टैंक, क्रायोजेनिक संरचनाओं और बड़े जहाज ब्लॉक्स के निर्माण में साझेदारी की संभावनाओं पर भी चर्चा हुई। सोनोवाल ने दक्षिण कोरियाई समुद्री वित्तीय संस्थानों के सामने मैरीटाइम डेवलपमेंट फंड (एमडीएफ) और सागरमाला फाइनेंस कॉरपोरेशन (एसएमएफसी) से जुड़े अवसरों को भी प्रस्तुत किया। सरकारी बयान के अनुसार, दक्षिण कोरिया की एक प्रमुख शिपिंग कंपनी ने भारत में जहाजों की भारतीय ध्वज के तहत रजिस्ट्री, भारत में कंटेनर निर्माण और आगामी वधावन पोर्ट परियोजना में निवेश की रुचि दिखाई है।

साइप्रस की शिपिंग उपमंत्री मरीना हाजीमानोलिस के साथ द्विपक्षीय बैठक में शिपिंग, जहाज निर्माण, समुद्री निवेश, नाविकों के कल्याण और समुद्री सेवाओं पर चर्चा हुई। इसी दौरान उन्होंने जानकारी दी कि साइप्रस की 25 अग्रणी कंपनियां नवंबर में भारत आकर संभावित व्यावसायिक साझेदारियों पर विचार करेंगी। दोनों देशों ने भारत-साइप्रस रणनीतिक साझेदारी का स्वागत करते हुए इसे व्यावसायिक परिणामों में बदलने पर जोर दिया। सोनोवाल ने कहा, मैं हमारी रणनीतिक साझेदारी को परस्पर लाभकारी समुद्री सहयोग में बदलने के लिए आपके साथ काम करने को लेकर उत्साहित हूं।

दक्षिण कोरिया की सेजिन हैवी इंडस्ट्रीज के सीईओ किम जिन-जोंग के साथ बैठक में बड़े जहाज ब्लॉक्स, एलपीजी एवं एलएनजी कार्गो टैंकों, क्रायोजेनिक संरचनाओं और अन्य विशेष समुद्री उपकरणों के निर्माण में सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा हुई। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने नए शिपबिल्डिंग क्लस्टरों और मौजूदा शिपयार्डों के विस्तार से मिलने वाले अवसरों का भी उल्लेख किया।

कोचीन शिपयार्ड लिमिटेड (सीएसएल) ने भी सेजिन के साथ ब्लॉक फैब्रिकेशन सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की। वहीं कोरिया मरीन इक्विपमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट (केओएमईआरआई) के अध्यक्ष यांग वोन-चांग के साथ बैठक में समुद्री उपकरण निर्माण, अनुसंधान एवं विकास, परीक्षण, प्रमाणन, ग्रीन प्रोपल्शन और स्मार्ट समुद्री तकनीकों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी।

सोनोवाल ने कहा कि भारत इंडिया शिप टेक्नोलॉजी सेंटर को जहाज डिजाइन, अनुसंधान, परीक्षण और प्रशिक्षण के लिए राष्ट्रीय मंच के रूप में विकसित कर रहा है।

उन्होंने कहा कि दक्षिण कोरिया की तकनीकी विशेषज्ञता के साथ देश में ही परीक्षण और प्रमाणन सुविधाओं के विकास से भारतीय समुद्री उपकरणों को वैश्विक मानकों के अनुरूप बनाने और ग्रीन प्रोपल्शन तथा स्मार्ट शिप तकनीकों के लिए तैयार करने में मदद मिलेगी।

भारतीय शेयर बाजार में गिरावट का सिलसिला जारी, सेंसेक्स 800 से ज्यादा अंक फिसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच आईटी और बैंकिंग शेयरों में भारी बिकवाली के चलते हफ्ते के तीसरे दिन बुधवार को भी भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ लाल निशान में खुला। इस दौरान प्रमुख बेंचमार्कों सेंसेक्स और निफ्टी 50 में एक प्रतिशत तक की गिरावट दर्ज की गई। यह लगातार सातवां दिन है जब बाजार में गिरावट देखने को मिली है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, भू-राजनीतिक अनिश्चितता और आज बाद में अमेरिकी फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसले से पहले निवेशकों की सतर्कता ने भी बाजार के सेंटिमेंट पर नकारात्मक प्रभाव डाला, जिसके चलते 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 345.23 अंक यानी 0.46 प्रतिशत गिरकर 73,253.44 पर खुला, जबकि निफ्टी 50 71.75 अंक यानी 0.32 प्रतिशत गिरकर 22,678.00 पर खुला। वहीं, बैंक निफ्टी सूचकांक 181.65 अंक यानी 0.34 प्रतिशत गिरकर 53,793.25 पर खुला।

वहीं, दिन के कारोबार में एक समय सेंसेक्स अपने पिछले बंद 73,598.67 से 826.19 अंक यानी 1.12 प्रतिशत फिसलकर 72,772.48 के दिन के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया, जबकि एनएसई निफ्टी 50 अपने पिछले बंद 22,749.75 से 209.05 अंक यानी 0.91 प्रतिशत गिरकर 22,540.70 के निम्नतम स्तर पर पहुंच गया।

व्यापक बाजारों में मिला-जुला रुख देखने को मिला, निफ्टी मिडकैप 100 में 0.41 प्रतिशत की गिरावट और निफ्टी स्मॉलकैप 100 में 0.6 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई।

वहीं, सेक्टरवार देखें तो निफ्टी आईटी, निफ्टी के सभी सेक्टोरल इंडेक्स लाल निशान में रहे, सिवाय निफ्टी ऑटो के, जिसमें 0.36 प्रतिशत की बढ़त देखी गई। निफ्टी आईटी और एफएमसीजी सबसे ज्यादा गिरने वाले इंडेक्स रहे, जिनमें क्रमशः 3.2 प्रतिशत और 1.63 प्रतिशत की गिरावट आई। विश्लेषकों का कहना है कि निवेशक यूएस फेडरल रिजर्व के नीतिगत फैसलों और कंपनियों की तिमाही नतीजों पर नजर रखेंगे। इन चीजों का असर पूरे सत्र के दौरान बाजार की दिशा और उतार-चढ़ाव (वोलैटिलिटी) पर पड़ सकता है। पिछले सत्र में, निफ्टी 0.02 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,749 पर बंद हुआ। शुरुआती रिकवरी के बाद प्रॉफिट बुकिंग के कारण इसमें गिरावट आई। निफ्टी के लिए तत्काल सपोर्ट 22,500-22,550 के स्तर पर है, जबकि रेजिस्टेंस 22,850-22,900 के स्तर पर दिख रहा है।

तमिलनाडु सरकार ने माल ढोने वाले वाहनों की मनमानी जांच पर रोक लगाई

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के वाणिज्यिक कर आयुक्त ने एक सर्कुलर जारी कर अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे बिना किसी ठोस कारण के माल ढोने वाले वाहनों को न रोकें और न ही उनकी जांच करें। इस कदम का उद्देश्य सड़क किनारे होने वाली जांच को कम करना और ट्रक ड्राइवरों तथा व्यापारियों को हो रही परेशानियों को आसान बनाना है।

सर्कुलर के अनुसार, प्रवर्तन टीमों (एनफोर्समेंट टीमों) को कार्रवाई करने की अनुमति तभी मिलेगी, जब विभाग को कोई विश्वसनीय और ठोस जानकारी मिले कि कोई वाहन वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) कानूनों का उल्लंघन करके सामान ले जा रहा है। इन निर्देशों से विभाग की वाहन जांच व्यवस्था में बदलाव आया है। मौजूदा रोविंग स्क्वॉड को हटाकर उनकी जगह फ्लाइंग स्क्वॉड बनाए गए हैं। ये स्क्वॉड नियमित गश्त के बजाय, नियमों के उल्लंघन की आशंका वाली जानकारी के आधार पर काम करेंगे। नई व्यवस्था के तहत फ्लाइंग स्क्वॉड के कर्मचारी कमर्शियल टैक्स जॉइंट कमिश्नर के कार्यालय में तैनात रहेंगे। अब वे सड़कों पर घूम-घूमकर माल ले जाने वाले वाहनों को मनमाने ढंग से नहीं रोकेंगे।

सऊदी रिफाइनरी पर हमले से उछला कच्चा तेल, ब्रेंट क्रूड 115 डॉलर के पार; वैश्विक सप्लाई पर बढ़ी चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम एशिया में बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव के बीच वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल देखने को मिला। रिपोर्ट्स के मुताबिक, यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब की सबसे बड़ी तेल रिफाइनरियों में से एक को मिसाइल से निशाना बनाया, जिसके बाद तेल आपूर्ति को लेकर चिंताएं फिर बढ़ गईं और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्रूड ऑयल महंगा हो गया।

ब्रेंट क्रूड के दिसंबर वायदा अनुबंध में 1.55 डॉलर यानी 1.36 प्रतिशत की तेजी दर्ज की गई और यह 115.43 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। वहीं अमेरिकी वेस्ट टेक्सास इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 1.43 प्रतिशत बढ़कर 101.32 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करता दिखाई दिया। हूती समूह ने दावा किया है कि उसने सऊदी अरब की तेल रिफाइनरी को निशाना बनाया है। हालांकि सऊदी अधिकारियों ने लगभग 5.5 लाख बैरल प्रतिदिन क्षमता वाली इस रिफाइनरी पर हमले की आधिकारिक पुष्टि नहीं की है। इसके बावजूद बाजार में संभावित आपूर्ति व्यवधान की आशंका बढ़ गई, जिससे तेल कीमतों में तेजी लौट आई। यह बढ़त ऐसे समय आई है जब एक दिन पहले कच्चे तेल की कीमतों में लगभग 2 डॉलर प्रति बैरल की गिरावट दर्ज की गई थी। मध्य पूर्व में कूटनीतिक प्रयासों और क्षेत्रीय तनाव कम होने की उम्मीदों के चलते बाजार में राहत का माहौल बना था। साथ ही अमेरिकी कच्चे तेल भंडार में वृद्धि की संभावनाओं ने भी उस समय कीमतों पर दबाव डाला था। हाल ही में तेहरान में सऊदी अरब, तुर्किये, पाकिस्तान और ईरान के प्रतिनिधियों के बीच क्षेत्रीय तनाव कम करने को लेकर बैठक हुई थी। रिपोर्टों के अनुसार, सभी पक्षों ने शांति और सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर संवाद जारी रखने पर सहमति जताई है। इस बीच, विशेषज्ञों का मानना है कि रविवार को होने वाली ओपेक+ की बैठक में दिसंबर के उत्पादन लक्ष्यों में कोई बदलाव नहीं किया जाएगा। संगठन के प्रमुख उत्पादक देशों, जिनमें सऊदी अरब, रूस और इराक शामिल हैं, का उत्पादन अभी भी निर्धारित लक्ष्यों से नीचे चल रहा है। सऊदी अरब दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल उत्पादक और सबसे बड़ा तेल निर्यातक देश है। ऐसे में वहां किसी भी तरह की आपूर्ति संबंधी चिंता का असर सीधे वैश्विक ऊर्जा बाजारों पर पड़ता है। विश्लेषकों का कहना है कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य पर दबाव बना हुआ है। यह विश्व ऊर्जा आपूर्ति का एक महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से संघर्ष शुरू होने से पहले वैश्विक ऊर्जा शिपमेंट का लगभग 20 प्रतिशत गुजरता था। ऊर्जा बाजार पहले से ही सतर्क बने हुए थे, क्योंकि पिछले सप्ताह ईरान द्वारा जलडमरूमध्य के आसपास तेल टैंकरों पर किए गए हमलों के बाद ब्रेंट क्रूड 117 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गया था, जो अप्रैल के बाद का सबसे ऊंचा स्तर था। ब्रेंट ने कुछ समय के लिए 117 डॉलर का स्तर छुआ था। तकनीकी विश्लेषकों के अनुसार, डब्ल्यूटीआई क्रूड ने 99 से 100 डॉलर प्रति बैरल के महत्वपूर्ण समर्थन स्तर पर मजबूती दिखाई, जिसके बाद खरीदारी बढ़ी। फिलहाल 103 से 104 डॉलर का स्तर निकटतम प्रतिरोध माना जा रहा है। इसके ऊपर 106 से 107 डॉलर और फिर 108 डॉलर के स्तर महत्वपूर्ण रहेंगे। दूसरी ओर 99 से 100 डॉलर का स्तर प्रमुख समर्थन बना हुआ है, जबकि इसके नीचे 96 से 97 डॉलर अगला महत्वपूर्ण आधार क्षेत्र होगा। विशेषज्ञों का कहना है कि निकट अवधि में तेल बाजार की दिशा कूटनीतिक प्रयासों और आपूर्ति बाधित होने की आशंकाओं के बीच संतुलन पर निर्भर करेगी। यदि भू-राजनीतिक तनाव बढ़ता है तो कीमतों में और तेजी देखने को मिल सकती है, जबकि क्षेत्रीय स्थिति में सुधार होने पर बाजार को कुछ राहत मिल सकती है।

संपादकीय

देश को भरोसे में लेना चाहिए

क्या चीन से संबंध सुधारने की प्रक्रिया इस पराजयवादी मानसिकता के तहत चल रही है कि चीन का मुकाबला करना संभव नहीं रह गया है? सरकार को इस पर तुरंत देश को भरोसे में लेना चाहिए।

भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) के निदेशक शत्रुजित कपूर के सनसनीखेज भाषण के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि अरुणाचल प्रदेश में चीनी फौज के गश्ती के तय रास्ते से भटकने के कारण अक्सर भारतीय बलों के साथ उसका टकराव हो जाता है। उसके एक दिन पहले कपूर ने कहा था कि 'पिछले कुछ दिनों में ऐसे हालात बने, जब अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर दोनों देशों के सुरक्षा बलों का आमना-सामना हुआ और यह अभी भी जारी है।' इस बयान ने यह साफ किया कि भारत और चीन के बीच हाल की सीमा वार्ताओं में बनी सहमतियां जमीनी स्तर पर टकराव टालने में कामयाब नहीं हुई हैं।

इससे उचित ही चीन के साथ संबंध के बारे में भारत सरकार की नीति पर सवाल खड़े हुए। बहरहाल, उससे भी कहीं ज्यादा अहम कपूर की दूसरी टिप्पणी है, जिसमें उन्होंने कहा कि अब पारंपरिक तरीकों से चीन का मुकाबला करना संभव नहीं है, क्योंकि उसने हथियार और इन्फ्रास्ट्रक्चर के आधुनिकीकरण में भारी निवेश किया है। ऐसे में कपूर ने भारत को ड्रोन्स पर भरोसा करने की सलाह दी। इस बात का जिक्र करते हुए कि यूक्रेन ने ड्रोन्स के जरिए रूस जैसी महाशक्ति को चुनौती दी है, कपूर ने कहा- 'ड्रोन ऐसा माध्यम हैं, जिनके जरिए एक छोटा देश भी बड़े देश को चुनौती दे सकता है।'

हैरतअंगेज है कि जिस बल पर चीन से लगी भारतीय सीमा की रक्षा की जिम्मेदारी है, उसके प्रमुख अब चीन के बरक्स को भारत को छोटी ताकत बता रहे हैं! कपूर ने कहा कि आईटीबीपी 50 साल पुराना बल है, जिसके आधुनिकीकरण की जरूरत है। तो सवाल उठता है कि क्या गलवान घाटी जैसी घटना के बावजूद इस दिशा में कदम नहीं उठाए गए? और क्या अभी चीन से संबंध सुधारने की जारी प्रक्रिया इसी पराजयवादी मानसिकता के तहत चल रही है कि चीन का मुकाबला करना संभव नहीं रह गया है? नरेंद्र मोदी सरकार को इस पर तुरंत सारे देश को भरोसे में लेना चाहिए। वरना, ऐसी टिप्पणियों का देशवासियों के मनोबल पर स्थायी और दूरगामी नकारात्मक असर पड़ सकता है।

चुनाव आयोग ने 'मिलकर' दिया करारा जवाब! आरोपों की निकाल दी हवा

चुनाव आयोग पर सवाल उठाना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है, लेकिन सवालों की आड़ में संवैधानिक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर लगातार हमला करना और तथ्यों के सामने आने के बाद भी राजनीतिक आरोपों की धार बनाए रखना लोकतांत्रिक विमर्श की स्वस्थ परंपरा नहीं हो सकती। हम आपको बता दें कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में काम कर रहे भारतीय निर्वाचन आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में दाखिल अपने हलफनामे के जरिए उन आरोपों का जवाब दिया है, जिनके माध्यम से आयोग की निर्णय प्रक्रिया और विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर की निष्पक्षता पर सवाल उठाए जा रहे हैं। आयोग का पक्ष सामने आने के बाद अब इस पूरे विवाद को केवल राजनीतिक आरोपों के चश्मे से देखना पर्याप्त नहीं होगा। दस्तावेज क्या कहते हैं, कानून क्या कहता है और अदालत के सामने कौन-सी दलीलें रखी गई हैं, यह देखना भी उतना ही जरूरी है।

हम आपको यह भी बता दें कि आज इस मामले पर सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग के हलफनामे पर जवाब दाखिल करने के लिए याचिकाकर्ता राकेश कुमार सिंह को 10 दिन का समय दिया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की सुनवाई दिवाली की छुट्टियों के बाद करने का फैसला किया है। अगली सुनवाई 17 नवंबर को होने की संभावना है। इसका अर्थ यह है कि अदालत ने अभी न तो आयोग के पक्ष को अंतिम रूप से स्वीकार किया है और न ही याचिकाकर्ताओं के आरोपों को सही ठहराया है। अदालत दोनों पक्षों की दलीलें सुनकर मामले को आगे बढ़ाएगी।

दूसरी ओर, आयोग के हलफनामे का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि उसने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर एकतरफा फैसले लेने के आरोपों को खारिज करते हुए कहा है कि एसआईआर से जुड़े तीन प्रमुख आदेश 24 जून 2025, 27 अक्टूबर 2025 और 14 मई 2026 को तीनों सदस्यों की सर्वसम्मति से जारी किए गए थे। आयोग के अनुसार, मुख्य चुनाव आयुक्त और दोनों निर्वाचन आयुक्तों की सहमति से ही इन निर्णयों को अंतिम रूप दिया गया। हलफनामे को भी ज्ञानेश कुमार, सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी की सर्वसम्मति से मंजूरी दी गई। साथ ही यहां एक बुनियादी बात समझना जरूरी है। किसी फाइल पर किसी अधिकारी या निर्वाचन आयुक्त की टिप्पणी, सवाल अथवा सुझाव दर्ज होने का अर्थ अपने आप यह नहीं होता कि आयोग ने अंतिम निर्णय भी उसी टिप्पणी के आधार पर लिया। आयोग ने अपने हलफनामे में इसी अंतर को स्पष्ट किया है। उसका कहना है कि फाइलें निर्धारित प्रक्रिया के तहत एक निर्वाचन आयुक्त से दूसरे निर्वाचन आयुक्त और फिर मुख्य चुनाव आयुक्त के पास जाती हैं। जरूरी मामलों में इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से मंजूरी भी ली जा सकती है, जिसे बाद में



रिकॉर्ड पर दर्ज किया जाता है। आयोग का तर्क है कि आंतरिक विचार-विमर्श को अंतिम निर्णय के साथ मिलाकर देखना उचित नहीं है।

यह दलील उन आरोपों के संदर्भ में महत्वपूर्ण है, जिनमें दावा किया गया था कि एसआईआर से जुड़े 14 निर्णय दोनों निर्वाचन आयुक्तों की आपत्तियों के बावजूद आयोग के नाम पर लिए गए। लेकिन आयोग ने इन आरोपों के आधार को चुनौती देते हुए कहा है कि समाचार पत्रों में प्रकाशित रिपोर्ट अपने आप में आरोपों का निर्णायक कानूनी प्रमाण नहीं हो सकती। अब याचिकाकर्ता को अपना जवाब दाखिल करना है और अदालत को यह तय करना है कि उपलब्ध रिकॉर्ड से क्या निष्कर्ष निकलता है।

दूसरा बड़ा मुद्दा फॉर्म-6 को लेकर है, जिसका इस्तेमाल मतदाता सूची में नाम शामिल कराने के लिए किया जाता है। आयोग ने कहा है कि वैधानिक फॉर्म-6 में संशोधन नहीं किया गया। उसके मुताबिक, एसआईआर के दौरान मांगा गया अतिरिक्त घोषणा-पत्र अलग दस्तावेज है, जिसे मूल आवेदन-पत्र में संशोधन नहीं माना जाना चाहिए। हालांकि आयोग ने यह स्वीकार किया कि ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया की प्रस्तुति से फॉर्म-6 में बदलाव होने का आभास पैदा हो सकता था। इसके बाद 21 अक्टूबर से ऑनलाइन प्रक्रिया को फॉर्म-6 और अलग एसआईआर घोषणा-पत्र में विभाजित करने की व्यवस्था किए जाने की बात भी कही गई। यही वह बिंदु है जहां आयोग के पक्ष को संतुलित दृष्टि से देखना चाहिए। किसी प्रक्रिया को स्पष्ट करने के लिए उसमें सुधार करना प्रशासनिक जिम्मेदारी का हिस्सा है। यदि ऑनलाइन व्यवस्था से भ्रम पैदा हुआ था, तो उसे अलग करना उपयोगी कदम हो सकता है। लेकिन इससे यह निष्कर्ष अपने आप नहीं निकलता कि हर विवाद समाप्त हो गया। असली कसौटी यह है कि व्यवस्था कानून के अनुरूप है या नहीं और पात्र मतदाताओं को किसी प्रकार की परेशानी तो नहीं हो रही।

साथ ही आयोग ने मतदाता सूची के पुनरीक्षण पर भी अपना पक्ष रखा है। उसका कहना है कि जिन मतदाताओं का रिकॉर्ड पुरानी मतदाता सूचियों से नहीं मिल पाता, उनके घर जाकर बूथ स्तर के अधिकारी दस्तावेज एकत्र कर सकते हैं। ऐसे मतदाताओं को सामान्यत: सुनवाई के लिए बुलाने की जरूरत नहीं होगी और असाधारण मामलों में सुनवाई की जा सकती है। आयोग ने यह भी कहा है कि श्रष्टड्ढह्वह्ल प्रणाली पर किसी मतदाता का नाम जोड़ने या हटाने के लिए संबंधित निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी का आदेश आवश्यक है। इसके अतिरिक्त, तकनीकी व्यवस्था की जांच के लिए आईआईटी और भारतीय विज्ञान संस्थान के विशेषज्ञों को शामिल करने वाली समिति का उल्लेख किया गया है।

इन दलीलों से आयोग यह बताना चाहता है कि मतदाता सूची की शुद्धता सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित प्रक्रियाएं और प्रशासनिक सुरक्षा उपाय मौजूद हैं। मतदाता सूची में मृत, स्थानांतरित या दोहरी प्रविष्टियों की पहचान करना आवश्यक है, लेकिन किसी पात्र मतदाता का नाम गलत तरीके से हटना भी उतना ही गंभीर विषय है। अब बात ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व की। किसी मुख्य चुनाव आयुक्त की कार्यक्षमता का फैसला इस आधार पर नहीं होना चाहिए कि विपक्ष उनके कामकाज से संतुष्ट है या नहीं। असली प्रश्न यह है कि क्या निर्णय कानून के अनुरूप लिए जा रहे हैं, क्या उनका रिकॉर्ड उपलब्ध है और क्या मतदाता के अधिकार सुरक्षित हैं। आयोग का हलफनामा इन सवालों का जवाब देने का एक औपचारिक प्रयास है। यदि उसके तर्क न्यायिक परीक्षण में सही साबित होते हैं, तो यह उसके संस्थागत पक्ष को मजबूती देगा। वहीं, यदि किसी निर्णय में कानूनी खामी पाई जाती है, तो उसे सुधारना भी उसी संवैधानिक व्यवस्था का हिस्सा है जिसकी रक्षा आयोग करता है।

हम आपको यह भी बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने पहले ही स्पष्ट किया था कि वह रिकॉर्ड की जांच करेगा और कानून के विपरीत पाए जाने वाले निर्णयों पर हस्तक्षेप कर सकता है। इसलिए इस मामले में न तो आयोग को अदालत से पहले क्लीन चिट दी जा सकती है और न ही केवल आरोपों के आधार पर उसे दोषी ठहराया जा सकता है। यही न्यायिक प्रक्रिया की खूबसूरती है। बहरहाल, चुनाव आयोग किसी राजनीतिक दल का प्रतिद्वंद्वी नहीं, बल्कि स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। उसकी आलोचना होनी चाहिए तो प्रमाणों के साथ और उसका बचाव होना चाहिए तो तथ्यों के आधार पर। ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में अपना पक्ष रखा है। अब याचिकाकर्ता का जवाब और अदालत की अगली सुनवाई इस विवाद की दिशा तय करेंगे। लोकतंत्र के हित में सबसे जरूरी यही है कि राजनीतिक शोर से ऊपर उठकर मतदाता के अधिकार, कानून की सर्वोच्चता और चुनाव आयोग की जवाबदेही को केंद्र में रखा जाए।

यूरोप में यूपी के 'योगी मॉडल' पर अमल के अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ

यूरोप में कानून-व्यवस्था, हिंसक प्रदर्शनों, संगठित अपराध और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने की घटनाओं के संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शासन-शैली पर चर्चा एक महत्वपूर्ण राजनीतिक और नीतिगत विषय है। लेकिन इसका विश्लेषण करते समय एक बुनियादी सवाल समझना आवश्यक है कि क्या यूरोप को यूपी के 'योगी मॉडल' की सख्ती अपनाने की जरूरत है, या उसे उस मॉडल के कुछ चुनिंदा प्रशासनिक उपायों से सीख लेनी चाहिए? यहां पर यह बुनियादी सवाल इसलिए ज्यादा महत्वपूर्ण है, क्योंकि वर्ष 2017 के बाद अमेरिका-यूरोप ने योगी मॉडल की आलोचना की थी! लिहाजा, इस प्रश्न का उत्तर यूरोप की राजनीतिक व्यवस्था, मानवाधिकार संबंधी प्रतिबद्धताओं और उत्तर प्रदेश में अपनाई गई नीतियों के वास्तविक परिणामों को साथ रखकर ही दिया जा सकता है। लेकिन जब 'इस्लामिक अतिवादी' स्थानीय असंतुष्ट लोगों के साथ मिलकर यूरोप का इस्लामीकरण पर उतारू हों और ईरान का परोक्ष बरदहस्त उन्हें प्राप्त हो तो अमेरिका के बाद यूरोपीय विवशता समझी जा सकती है।

सबसे पहला सवाल यह है की 'योगी मॉडल' से हमारा आपका क्या आशय है? तो माकूल जवाब यही होगा कि राजनीतिक विमर्श में 'योगी मॉडल' का प्रयोग मुख्यत: उत्तर प्रदेश में कानून-व्यवस्था को प्राथमिकता देने, अपराधियों के विरुद्ध पुलिस कार्रवाई, संगठित अपराध पर नियंत्रण, प्रशासनिक सख्ती और अवैध अतिक्रमण के विरुद्ध कार्रवाई जैसी नीतियों के लिए किया जाता है। हालाँकि, इन सभी उपायों को एक ही श्रेणी में रखना उचित नहीं है। अपराध की जाँच, दोषसिद्धि, सार्वजनिक व्यवस्था बनाए रखना और संपत्ति संबंधी विवादों का निपटारा अलग-अलग कानूनी प्रक्रियाएँ हैं। चूंकि यूपी में बेलगाम अल्पसंख्यक अपराधियों, सत्ता संरक्षित बाहुबलियों, इनसे जुड़े मनबढ़ युवाओं और शातिर अपराधियों के इशारे पर अपराध कर रहे बहुसंख्यक अपराधियों को नियंत्रित करने में यूपी के योगी मॉडल ने आशातीत सफलता प्राप्त की है, इसलिए चारो तरफ से जल रहे फ्रांस, इटली



जैसे यूरोपीय देशों के पास कोई दूसरा चारा भी नहीं है।

सर्वप्रथम इटली की प्रमुख और मोदी की मित्र जॉर्जिया मेलोनी ने यूपी के योगी मॉडल पर अमल करने की घोषणा की, तत्पश्चात मोदी के दूसरे मित्र फ्रांस के प्रमुख मैक्रो ने जब यूपी के योगी मॉडल की अच्छी नीतियों पर अमल करना शुरू किया तो अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार 'गैंग' सक्रिय हो गया और यूरोपीय देशों को उस नकारा लोकतंत्र की दुहाई देने लगा, जहां के बेलगाम लोग 'जुल्मी पूंजीवादी अड्डों' को फूंकने के बजाय अपने देश के सार्वजनिक जगहों, नागरिक सुविधाओं और ठिकानों को ही फूंक रहे हैं!

यूरोप में इस मॉडल की चर्चा के तीन संभावित कारण हैं:- एक, कानून का प्रभावी प्रवर्तन: हिंसा, लूटपाट और सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुँचाने वालों के विरुद्ध त्वरित एवं निष्पक्ष कार्रवाई करना। दो, प्रशासनिक जवाबदेही: पुलिस और स्थानीय प्रशासन की तैयारी, समन्वय तथा निर्णय लेने की क्षमता में सुधार करना। तीन, राज्य की विश्वसनीयता: नागरिकों को यह भरोसा दिलाना कि शांतिपूर्ण जीवन, सार्वजनिक परिवहन और व्यापारिक गतिविधियों की सुरक्षा सरकार की जिम्मेदारी है। लेकिन किसी मॉडल का प्रभाव उसके नाम या राजनीतिक लोकप्रियता से नहीं, बल्कि उसके परिणामों और कानूनी प्रक्रियाओं के पालन से मापा जाना चाहिए। दूसरा प्रासंगिक सवाल यह है कि यूरोप के लिए इसके क्या अंतरराष्ट्रीय निहितार्थ हो सकते हैं?

एक, कानून-व्यवस्था की बहस में बदलाव: यदि यूरोपीय देश उत्तर प्रदेश की तरह अपराधियों के विरुद्ध कार्रवाई की गति, पुलिस-प्रशासन के समन्वय और सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा पर अधिक ध्यान देते हैं, तो उनकी आंतरिक सुरक्षा नीतियों में बदलाव आ सकता है। इससे भारत के प्रशासनिक अनुभवों में अंतरराष्ट्रीय रुचि बढ़ सकती है। दो, भारत की सॉफ्ट पावर और नीतिगत प्रतिष्ठा: भारत के किसी राज्य की प्रशासनिक नीति पर यूरोप में गंभीर चर्चा होना भारतीय संघीय व्यवस्था के अनुभवों को आंतरिक सुरक्षा नीतियों में बदलाव आ सकता है। इससे भारत के प्रशासनिक अनुभवों में अंतरराष्ट्रीय रुचि बढ़ सकती है। तीन, मानवाधिकार और कानून के शासन पर बहस: यूरोप में पुलिस कार्रवाई के साथ नागरिक स्वतंत्रता, शांतिपूर्ण प्रदर्शन और न्यायिक समीक्षा का विशेष महत्त्व है। यूरोप की परिषद ने 23 अक्टूबर 2026 के आसपास जारी अपने हालिया वक्तव्य में भी शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और हिंसा करने वाले व्यक्तियों के बीच अंतर करने तथा पुलिस बल के कानूनी और आनुपातिक इस्तेमाल पर जोर दिया है। चार, भारत-यूरोप संबंधों में नई चर्चा: यदि यूरोपीय सरकारें भारतीय राज्यों के पुलिस प्रशिक्षण, डिजिटल निगरानी के कानूनी ढाँचे या प्रशासनिक समन्वय जैसे क्षेत्रों में उपयोगी अनुभव पाती हैं, तो तकनीकी सहयोग और नीतिगत संवाद के अवसर बन सकते हैं। अंतर्राष्ट्रीय कूटनीतिज्ञ बताते हैं कि इसे अभी एक संभावित दिशा समझना चाहिए, न कि यूरोप द्वारा योगी मॉडल स्वीकार कर लेने का प्रमाण!

तीसरा अहम सवाल है कि क्या यूरोप में 'बुलडोजर नीति' भी अपनाई जा सकती है? तो जवाब होगा कि यहीं पर इस बहस का सबसे संवेदनशील पक्ष सामने आता है। उत्तर प्रदेश में अवैध निर्माणों के विरुद्ध कार्रवाई को लेकर 'बुलडोजर मॉडल' राजनीतिक विमर्श का प्रमुख हिस्सा रहा है। लेकिन अवैध निर्माण हटाना और किसी आपराधिक मामले में आरोपी व्यक्ति को दंडित करने के लिए उसकी संपत्ति गिराना, दोनों अलग बातें हैं। भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने 13 नवंबर 2024 को स्पष्ट किया कि केवल किसी आपराधिक मामले में आरोपी होने के आधार पर, कानूनी प्रक्रिया का पालन किए बिना, किसी की संपत्ति गिराना असंवैधानिक है। न्यायालय ने नोटिस, सुनवाई और न्यायिक समीक्षा से जुड़े निर्देश भी दिए। लिहाजा, यूरोप में भी ऐसी किसी नीति को लागू करने के लिए स्थानीय कानून, संपत्ति अधिकार, निष्पक्ष सुनवाई और आनुपातिक कार्रवाई के मानकों का पालन आवश्यक होगा। इसलिए यूरोप के लिए संभावित सीख यह नहीं कि वह बिना कानूनी प्रक्रिया के कठोर दंडात्मक कार्रवाई अपनाए, बल्कि यह कि अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई प्रभावी, प्रमाण-आधारित और न्यायिक समीक्षा के अधीन हो। चौथा महत्वपूर्ण सवाल है कि योगी मॉडल बनाम यूरोपीय व्यवस्था की तुलनात्मक दृष्टि क्या है? इसे हमलोग विषय दर विषय, उससे संबंधित उत्तर प्रदेश के मॉडल से जुड़ी बहस और यूरोपीय व्यवस्था की प्रमुख कसौटी के आधार पर निम्नलिखित तरीके से समझ सकते हैं:- एक, अपराध नियंत्रण- पुलिस कार्रवाई और अपराधियों पर दबाव - प्रभावी जाँच, अभियोजन और निष्पक्ष सुनवाई। दो, हिंसक भीड़- सार्वजनिक व्यवस्था बहाल करना- हिंसक व्यक्तियों पर कार्रवाई, शांतिपूर्ण प्रदर्शन की सुरक्षा। तीन, संपत्ति संबंधी कार्रवाई- अवैध निर्माण और अतिक्रमण हटाना, कानून के अनुसार नोटिस, सुनवाई और अपील। चार, पुलिस की जवाबदेही- प्रशासनिक अनुशासन और कार्रवाई- आनुपातिक बल प्रयोग, स्वतंत्र जाँच और जवाबदेही। पांच, शासन की विश्वसनीयता- नागरिक सुरक्षा और कानून का प्रवर्तन- सुरक्षा के साथ मौलिक अधिकारों का संरक्षण।

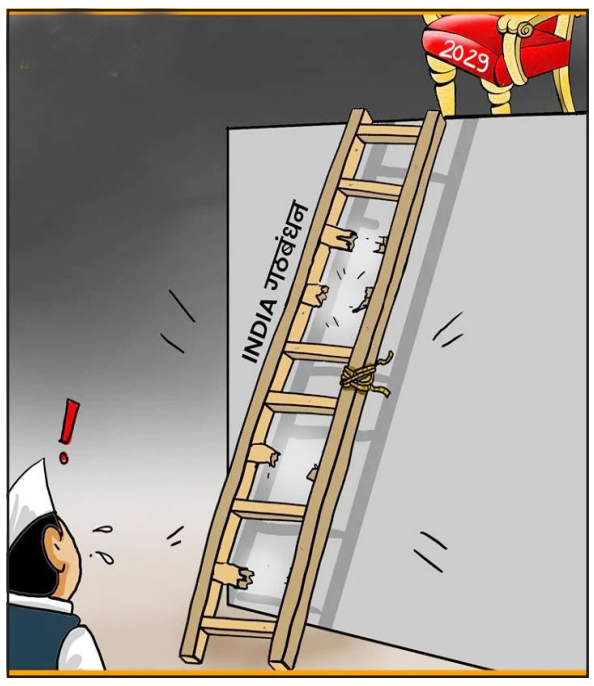
क्या आपने अपने बच्चों को जिंदगी का सबसे अहम सबक सिखाया है?

क्या आपने कभी अपने बच्चों से कहा है कि वे ट्रैफिक सिग्नल पर गुलाब, फ्लॉवर बुके या छोटी-मोटी चीजें बेचने वाले बच्चों को गौर से देखें? अगली बार जब आप डिनर के बाद घर लौटें तो उनसे कहें कि वे देखें कि रास्ते में पड़ने वाले कुछ सिग्नलों पर क्या होता है। शायद वे ऐसा सबक सीख सकें, जो कोई क्लासरूम नहीं सिखा सकता।

कम से कम मुंबई में तो यह नजारा आम है। सिग्नल रेड होता है और कारों की कतार रुक जाती है। गाड़ियों के भीतर लोग एसी के आराम में बैठ जाते हैं। कुछ फोन देखते हैं, कुछ बातचीत में लगे रहते हैं और शेष ग्रीन लाइट होने के इंतजार में सामने देखते रहते हैं। लेकिन बाहर एक बिल्कुल अलग दुनिया जीवंत हो उठती है। फीकी कमीज और फटी शॉर्ट्स पहने एक लड़का नंगे पैर जल्दबाजी में गाड़ी चलाने वालों और तेज रफ्तार टू-व्हीलर्स से बचता हुआ तेजी से कारों के बीच दौड़ता है। उसके एक हाथ में गुलाब का बंच तो दूसरे में कुछ छोटे खिलौने या सजावटी चीजों की लड़ियां होती हैं। गाड़ियों की विंडो पर टिकी उसकी नजरें किसी ऐसे को तलाशती हैं, जो उससे कुछ खरीद ले। उसके लिए हर बार रेड सिग्नल होना सफर में ठहराव नहीं, बल्कि अवसर की खिड़की है। हर कार में बैठा पैसेंजर उसके लिए संभावित ग्राहक है।

इसलिए वह पहली कार के पास रुकता है और धीरे से खिड़की खटखटाता है। अंदर बैठा व्यक्ति दूसरी ओर देखने लगता है। वह अगली गाड़ी पर जाता है। वहां एक आदमी फोन पर व्यस्त है। उसके पीछे वाली कार में एक कपल बातचीत में लगा है और विंडो से झांकते उस छोटे-से चेहरे पर ध्यान तक नहीं देता। कोई सिर हिलाकर मना कर देता है। कोई झुंझलाते हुए उसे हटने का इशारा करता है। कई लोग ऐसा दिखाते हैं, जैसे उन्होंने उसे देखा ही न हो। उसने किसी के कहे बिना ही 'ना' सुन लिया है, फिर भी वह आगे बढ़ता है। सिग्नल के ग्रीन होने में कुछ ही सेकंड बचे होते हैं तो वह एक और कार पर पहुंचता है। गुलाब खिड़की की ओर बढ़ाते हुए चमकीली मुस्कान के साथ कहता है कि 'क्या आप मैडम के लिए ये खूबसूरत फूल खरीदना चाहेंगे?'

उसकी आवाज में उम्मीद, जल्दबाजी और थोड़ी निराशा भी होती है। उसे पता है कि समय उसके खिलाफ है। लाइट ग्रीन होते ही कारें बढ़ जाएंगी और अगले रेड सिग्नल तक के लिए उसका मौका खत्म हो जाएगा। अगर गाड़ी में बैठा व्यक्ति मना कर देता है तो वह हाथ में पकड़े गुलाबों को देखता है। शायद उसे चिंता होती है कि गर्मी और धूल में ये फूल कितनी देर ताजे रहेंगे।



किताबें पढ़ना हमारे दिमाग को एकाग्र करने का सबसे अच्छा तरीका है

अगर बचपन से ही किताबें पढ़ने की आदत बच्चों में विकसित की जाए तो वे बड़े होकर ज्यादा एकाग्र, स्थिरचित्त और चिंतनशील होते हैं। यह शोध-अध्ययनों से भी प्रमाणित हो चुका है। पढ़ने वाले बच्चों का शैक्षणिक प्रदर्शन बेहतर पाया जाता है। उनमें अवसाद के लक्षण कम दिखते हैं। तनाव और एकाग्रता संबंधी समस्याएं कम होती हैं। वे स्क्रीन पर कम समय बिताते हैं। बचपन में पढ़ने की आदत आगे चलकर अधिक शांत और एकाग्र व्यक्तित्व के विकास से जुड़ी होती है।

जब बच्चा किसी कहानी के साथ बैठकर समय बिताता है, तब वह दरअसल एकाग्रता, सहानुभूति और धैर्य का अभ्यास कर रहा होता है। यही गुण किशोरावस्था में उसे अपनी और दूसरों की भावनाओं को समझने तथा किसी परिस्थिति पर तुरंत प्रतिक्रिया देने के बजाय ठहरकर सोचने में मदद करते हैं।

लंबे समय तक ध्यान लगाकर पढ़ना अपने आप में एकाग्रता का अभ्यास है। पढ़ने से हम परिस्थितियों का बेहतर पूर्वानुमान लगाने की क्षमता भी विकसित कर पाते हैं। हमारा मस्तिष्क लगातार यह अंदाजा लगाता रहता है कि आगे क्या होने वाला है और जब उसका अनुमान गलत साबित होता है, तो वह उसके अनुसार अपनी समझ में बदलाव करता है। किसी बच्चे का जितनी अधिक परिस्थितियों से परिचय होता है- भले ही वह किताबों के माध्यम से ही क्यों न हुआ हो- उसकी पूर्वानुमान लगाने की क्षमता उतनी बेहतर होती जाती है। मस्तिष्क पढ़ी हुई घटनाओं और परिस्थितियों का मानसिक अनुभव करता है। इस तरह किताब में पढ़ी गई कोई कहानी वास्तविक जोखिम के बिना जीवन की परिस्थितियों का पूर्वाभ्यास करने का अवसर देती है। जिस बच्चे ने किताबों के जरिये दोस्ती टूटने, नए स्कूल जाने या डरावनी रात का अनुभव किया है, वह वास्तविक जीवन में ऐसी परिस्थिति का सामना करते समय उससे पूरी तरह अनजान नहीं होता।

पढ़ने की प्रक्रिया मस्तिष्क में देखने और भाषा को समझने से जुड़े न्यूरल नेटवर्कों को नए सिरे से व्यवस्थित करती है। इससे हम जो देखते हैं और जो समझते हैं, उनके बीच संबंध मजबूत होता है। पढ़ने वाले बच्चे शब्दों में वर्णित चीजों की अपने मन में बेहतर तस्वीर बना पाते हैं। यह क्षमता शिक्षक के निर्देशों को समझने, दोस्त के बोलने के लहजे का अर्थ निकालने या किसी अनजान जगह को समझने में उपयोगी साबित होती है।

किताबें पढ़ने से परिचय बच्चों की भाषाई क्षमता को भी मजबूत बनाता है और यह प्रक्रिया स्कूल जाने से पहले की उम्र से ही शुरू हो जाती है। समृद्ध भाषा किशोरों को अपनी भावनाओं को अधिक सटीक ढंग से पहचानने और उन्हें नाम देने के बेहतर साधन भी उपलब्ध कराती है। जिस भावना को हम पहचानकर उसका नाम दे सकते हैं, उस पर तुरंत प्रतिक्रिया दिए बिना उसे हैंडल कर पाना अकसर आसान हो जाता है। बचपन में पढ़ने की अच्छी क्षमता इस बात का भी संकेत देती है कि दस साल बाद भी बच्चे की रीडिंग स्किल बेहतर हो सकती है। जो बच्चे शुरुआत से अच्छी तरह पढ़ पाते हैं, वे अधिक पढ़ते हैं और इस अभ्यास से उनकी क्षमता लगातार बेहतर होती जाती है। इसे 'मैथ्यू इफेक्ट' कहा जाता है। शुरुआती बढ़त आगे चलकर और अधिक बढ़त हासिल करने में मदद करती है। जब कोई बच्चा किसी कहानी को समझता है या किसी सामाजिक परिस्थिति को अच्छी तरह से हैंडल करता है, तो मस्तिष्क का रिवॉर्ड सिस्टम उस प्रयास को सार्थक अनुभव के रूप में दर्ज करता है। इससे बच्चे के दोबारा वैसा प्रयास करने की संभावना बढ़ जाती है। शुरुआत बचपन से ही करें। जीवन के शुरुआती वर्षों में बच्चों के साथ बैठकर किताबें पढ़ना सबसे महत्वपूर्ण साबित होता है।

परिवार के साथ ऋत्विक ढूंढेंगे सुकून कीर्ति से मुकाबला करेंगी राधिका

इस हफ्ते क्या है खास?







त्योहारी सीजन में अगर घर बैठ कर परिवार के साथ अच्छा वक्त बिताना है, तो इस हफ्ते ओटीटी पर आपके लिए बहुत कुछ है। फिल्म %मीठे में क्या है एक पारिवारिक ड्रामा है, जो इस शुक्रवार को रिलीज हो रही है। इसके अलावा साउथ और हॉलीवुड की फिल्में और सीरीज आपका मनोरंजन करने आ रही हैं। अगर आपको फैमिली ड्रामा से भरपूर किसी फिल्म का इंतजार है, जिसे आप फेस्टिव सीजन में परिवार के साथ बैठकर देख सकें, तो यह शानदार विकल्प है। मीठे में क्या है इस वीक ओटीटी पर धमाका करेगी। इसमें संयुक्त परिवार और उनके बीच के चैलेंज और सपोर्ट सिस्टम को बखूबी दिखाया गया है। यह फिल्म 30 अक्तूबर से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। बात करें कास्ट की तो राधिका बंसल निर्देशित फिल्म में ऋत्विक भौमिक, रोहिणी हट्टंगड़ी और आयशा रजा मिश्रा जैसे सितारे हैं। कीर्ति सुरेश और राधिका आप्टे स्टारर गैंगस्टर सीरीज अक्का भी इस वीक को खास बनाएगी। यह 1980 के दशक की पृष्ठभूमि पर आधारित गैंगस्टर ड्रामा है। वाईआरएफ एंटरटेनमेंट के बैनर तले बनी अक्का से धर्मराज शेट्टी निर्देशन की दुनिया में कदम रख रहे हैं। उन्होंने ही इसकी कहानी भी लिखी है। इसकी कहानी पेरनुरु नाम की एक रियासत में सेट है, जिसे कई पीढ़ियों की महिलाओं ने बनाया, चलाया और सुरक्षित रखा है। परंपराएं, सत्ता की लड़ाई और आपसी दुश्मनी इसकी कहानी का अहम हिस्सा हैं।



इमोर्टल एक हारर फिल्म

यह एक तमिल भाषा की हॉरर-रोमांटिक फिल्म है, जो 04 सितंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें जी.वी. प्रकाश कुमार, कायादु लोहार और टी.एम. कार्तिक अहम भूमिका में हैं। अब यह ओटीटी पर आ रही है। यह फिल्म 30 अक्तूबर 2026 से सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी। ओटीटी पर यह तमिल के अलावा हिंदी, तेलुगु, मलयालम और कन्नड़ भाषा में भी उपलब्ध होगी।

इस साल 29 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसमें बेयर (माइकल जॉनस्टन) की कहानी है, जो सामाजिक रूप से असहज है। अभिनेता अपनी बचपन की प्रेमिका निक्की (इंडे नवारेटे) का दिल जीतने के लिए अजीब चीज का सहारा लेता है। उसे इसकी कीमत चुकानी पड़ती है। निक्की एक हत्यारी और हिंसक महिला बन जाती है। यह फिल्म जियो हॉटस्टार पर 30 अक्तूबर को रिलीज होगी।

अवराचन एंड संस

बिजू मेनन की यह मलयालम फैमिली कॉमेडी-ड्रामा फिल्म 30 अक्तूबर 2026 को नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम होगी। यह फिल्म 02 अक्तूबर 2026 को थिएटर्स में रिलीज हुई थी। बिजू मेनन के अलावा इसमें श्रीनाथ भासी, गणपति एस. पोदुवाल और ग्रेस

नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी

सिग्मा

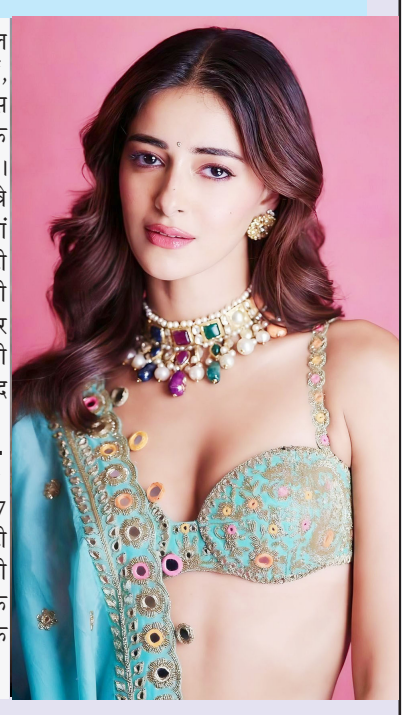
सीएम विजय के बेटे जेसन संजय के निर्देशन में बनी तमिल फिल्म सिग्मा में संदीप किशन मुख्य भूमिका में हैं। यह दो अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। फिल्म में फारिया अब्दुल्ला, राजू सुंदरम, संपत राज और शिव पंडित शामिल हैं। तेलुगु और हिंदी भाषाओं में होने की वजह से यह फिल्म ज्यादा दर्शकों तक पहुंचेगी। यह 30 अक्तूबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी।

बत्था

सुपरस्टार विजय सेतुपति की फिल्म %बत्था% भी इस वीक ओटीटी पर आ रही है। नेटफ्लिक्स पर यह 29 अक्तूबर से स्ट्रीम हो रही है। बता दें कि यह फिल्म पहली अक्तूबर को थिएटर्स में सजी थी। एक महीने से भी कम वक्त में यह डिजिटल प्लेटफॉर्म पर आ रही है। बत्था को तमिल, तेलुगु, कन्नड़, हिंदी और मलयालम भाषाओं में रिलीज किया जाएगा।

अनन्या पांडे : इंटरव्यू में बताया शाहरुख की बेटी का नंबर

अक्षय के बेटे संग डेटिंग की चर्चा



एक्ट्रेस अनन्या पांडे को बॉलीवुड में डेब्यू किए 7 साल हो चुके हैं। 7 साल में एक्ट्रेस ने हिट और फ्लॉप फिल्में, सोशल मीडिया ट्रोलिंग, निजी जीवन पर चर्चा और अवॉर्ड्स तक के पड़ाव देख लिए हैं। आज अनन्या पांडे के बर्थडे के मौके पर जानिए एक्ट्रेस के जीवन से जुड़ी दिलचस्प बातें। अनन्या पांडे का जन्म 30 अक्टूबर 1998 को हुआ था। वे मशहूर बॉलीवुड एक्टर चंकी पांडे की बेटी हैं। उनकी मां भावना पांडे कॉस्ट्यूम डिजाइनर हैं। अनन्या की एक छोटी बहना भी है, जिनका नाम रायसा है।अनन्या को बचपन से ही फिल्मों से प्यार था और वे बड़े होकर पिता की तरह एक्टर ही बनना चाहती थीं। उन्होंने मुंबई के धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल से अपनी स्कूली पढ़ाई की। इसके बाद अनन्या ने एक्टिंग के लिए पढ़ाई से ब्रेक ले लिया।

सात साल में 11 फिल्में और मात्र 2 हिट

अनन्या पांडे ने अपने करियर में कुल 10 फिल्में की हैं। 7 फिल्में सिनेमाघरों में रिलीज हुई, तो वहीं 4 फिल्में ओटीटी पर रिलीज हुई थी। इनमें पति-पत्नी और वो और ड्रीम गर्ल ही हिट साबित हो पाई। बाकी फिल्मों नाकामी हासिल हुई। इसके अलावा अनन्या 4 ओटीटी फिल्मों में भी नजर आईं। हालांकि ये फिल्में भी ज्यादा तारीफें नहीं बटोर पाई।

स्कूल में सारा अली खान से डरती थीं अनन्या

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे और सारा अली खान आज अच्छी दोस्त हैं, लेकिन स्कूल के दिनों में ऐसा नहीं था। अनन्या ने एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि वह स्कूल में सारा से डरती थीं। इसकी वजह सारा का बेबाक अंदाज था। इंटरव्यू में अनन्या ने बताया कि वह और सारा एक ही स्कूल में पढ़ते थे, लेकिन उस वक्त दोनों की दोस्ती नहीं थी। अनन्या के मुताबिक, सारा काफी मुंहफट थीं और बिना किसी झिझक के सामने वाले को अपनी बात कह देती थीं। यही वजह थी कि स्कूल में जब भी अनन्या को सारा दिखती थीं, तो वह उनसे बचने के लिए अपना रास्ता बदल लेती थीं। हालांकि, समय के साथ दोनों के रिश्ते में काफी बदलाव आया। अब सारा और अनन्या के बीच अच्छी दोस्ती है। दोनों कई बार साथ में जिम जाती हैं और लंच भी करती हैं। अनन्या का कहना है कि सारा अब पहले के मुकाबले ज्यादा मिलनसार हो गई हैं।

शनाया कपूर और सुहाना खान हैं दोस्त

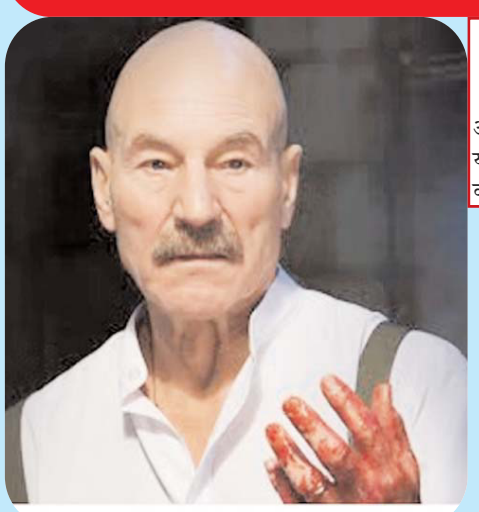
अनन्या पांडे की दोस्ती सिर्फ सारा अली खान तक ही सीमित नहीं है। शनाया कपूर और सुहाना खान उनकी बचपन की सबसे अच्छी दोस्तों में शामिल हैं। तीनों बचपन से एक-दूसरे को जानती हैं और अक्सर सोशल मीडिया पर अपनी पुरानी तस्वीरें भी साझा करती रहती हैं। अनन्या पांडे से जुड़ा एक दिलचस्प किस्सा साल 2024 में भी चर्चा में आया था। फिल्म %ष्टज्ञञ% के प्रमोशन के दौरान एक लाइव इंटरव्यू में अनन्या ने गलती से अपनी खास दोस्त सुहाना खान का फोन नंबर बता दिया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर इस घटना की काफी चर्चा हुई थी।

अनन्या पांडे के लव अफेयर्स

अनन्या पांडे अपनी फिल्मों के साथ-साथ पर्सनल लाइफ को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। अब तक उनका नाम कई सितारों और दूसरी हस्तियों के साथ जोड़ा जा चुका है। हालांकि, अनन्या ने अपने किसी भी रिश्ते को लेकर सार्वजनिक रूप से खुलकर पुष्टि नहीं की है। आइए, जानते हैं उन लोगों के बारे में, जिनके साथ अनन्या के अफेयर की खबरें सामने आईं। करण जयसिंह मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अनन्या पांडे का नाम सबसे पहले साल 2018 में फिटनेस एक्सपर्ट करण जयसिंह के साथ जुड़ा था। कहा जाता है कि इसी दौरान दोनों के डेटिंग करने की खबरें सामने आई थीं। कार्तिक आर्यन साल 2019 में अनन्या का नाम अभिनेता कार्तिक आर्यन के साथ जोड़ा गया। दोनों ने फिल्म पति पत्नी और वो% में साथ काम किया था। इसी दौरान उनके रिश्ते को लेकर चर्चाएं शुरू हुईं, हालांकि ये खबरें ज्यादा समय तक चर्चा में नहीं रहीं।

ईशान खट्टर अनन्या पांडे और ईशान खट्टर के रिश्ते की खबरें भी काफी समय तक सुर्खियों में रहीं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, दोनों का नाम 2019 से 2022 के बीच एक-दूसरे के साथ जोड़ा गया। फिल्म खाली पीली में साथ काम करने के दौरान भी दोनों की नजदीकियों की चर्चा हुई। इस रिश्ते को अनन्या के सबसे लंबे समय तक चर्चा में रहे अफेयर्स में से एक माना जाता है।

कभी प्रोफेसर बन कर दिमाग से जुड़े, कभी अभिनय पर बने मीम



दिग्गज कलाकार पैट्रिक स्टीवर्ट का 86 साल की आयु में निधन

ब्रिटेन में जन्मे दिग्गज अभिनेता सर पैट्रिक स्टीवर्ट अब हमारे बीच नहीं रहे। एक्स-मेन सीरीज में अपने किरदार प्रोफेसर चार्लस जेवियर अलावा स्टार ट्रेक और मार्वल वर्ल्ड से जुड़ी कई कृतियों में यादगार अभिनय करने वाले अभिनेता पैट्रिक का निधन अमेरिका के लॉस एंजेलिस में हुआ। 86 साल की आयु में अंतिम सांस लेने वाले पैट्रिक लंबे समय से बीमार चल रहे थे।

हॉलीवुड के दिग्गज कलाकार पैट्रिक स्टीवर्ट का बुधवार को 86 साल की उम्र में निधन हो गया। अभिनेता अल्जाइमर और डिमेंशिया से जूझ रहे थे। उन्होंने अमेरिका में अंतिम सांस ली। अभिनेता ने एक्स-मेन सीरीज में अपने किरदार प्रोफेसर चार्लस जेवियर से दर्शकों का दिल जीता है। इस खबर में हम आपको बता रहे हैं कि अभिनेता ने और किन-किन फिल्मों में यादगार किरदार निभाए हैं। मिस्टर स्टीवर्ट अपने देश ब्रिटेन में मंच (स्टेज) के एक मशहूर अभिनेता थे। उन्होंने 1966 में रॉयल शेक्सपियर कंपनी के साथ काम करना शुरू किया। उनके सबसे चर्चित किरदारों में %मैकबेथ% में मुख्य किरदार यानी परेशान कुलीन व्यक्ति (नोबलमैन) शामिल है। मिस्टर स्टीवर्ट ने इस किरदार के बारे में कहा था, %मैंने पूरे 365 दिनों तक मैकबेथ का किरदार निभाया। यह किरदार मेरे अंदर इतनी गहराई तक उतर गया था कि उस समय इसने मेरी पूरी जिंदगी पर कब्जा कर लिया था मिस्टर स्टीवर्ट ने कई %एक्स-मेन% फिल्मों में चार्ल्स जेवियर, यानी प्रोफेसर एक्स का किरदार निभाया। इसमें वह व्हीलचेयर पर बैठे एक अमीर टेलीपैथ (जो दिमाग से दूसरों से जुड़ सकता है) के रूप में नजर आए। उनका यह किरदार काफी मशहूर हुआ। कैप्टन पिकार्ड 20वीं सदी के टेलीविजन के सबसे मशहूर किरदारों में से एक हैं। मिस्टर स्टीवर्ट ने %स्टार ट्रेक- द नेक्स्ट जेनरेशन% में इस किरदार को बहुत ही शांत और गंभीर अंदाज में निभाया। कैप्टन पिकार्ड शायद ही कभी बहुत ज्यादा भावनाएं दिखाते थे, लेकिन जब उन्हें कुछ पसंद नहीं आता था, तो वह अक्सर अपना हाथ अपने चेहरे पर रख लेते थे। यह अंदाज इंटरनेट पर एक मीम बन गया। मिस्टर स्टीवर्ट मजाक-मस्ती करने या खुद का मजाक उड़ाने से भी पीछे नहीं हटते थे।

उन्होंने एनिमेटेड सीरीज अमेरिकन डैड के 90 से ज्यादा एपिसोड्स में एवरी बुलॉक का किरदार निभाया। वह ष्टद्ब के डिप्टी डायरेक्टर थे, जिनमें अनगिनत कमियां थीं। वह अक्सर खुद का मजाक उड़ाते रहते थे। शेक्सपियर के नाटकों में अपने कई किरदारों के लिए मशहूर मिस्टर स्टीवर्ट, कॉमेडी में भी माहिर थे। उन्होंने 1994 में सैटरडे नाइट लाइव को होस्ट किया था। इसमें एक स्केच के दौरान उन्होंने एक ऐसे कामुक थीम वाले केक बनाने वाले बेकर का किरदार निभाया था, जिसकी अजीब पसंद को उसके ग्राहक भी नहीं झेल पाते थे।

टाइगर श्रॉफ : फायरिंग केस में हुई 12वीं गिरफ्तारी



बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर 18 अक्तूबर को हुई गोलीबारी की घटना के सिलसिले में नया अपडेट सामने आया है। मामले में 12वें आरोपी की गिरफ्तारी हो गई है। जानिए क्या है पूरा मामला। पुलिस सूत्रों के मुताबिक अमन पहले गिरफ्तार किए जा चुके आरोपी कुणाल का दोस्त है। जांच में सामने आया है कि आरोपियों के बैंक खातों में पैसों का लेनदेन हुआ था और अमन के खाते में भी संदिग्ध ट्रांजेक्शन मिले हैं। इसी आधार पर मुंबई क्राइम ब्रांच की टीम सोनीपत पहुंची और अमन को हिरासत में लिया। अब मुंबई पुलिस अमन से पूछताछ करेगी कि फायरिंग की साजिश में उसकी क्या भूमिका थी और पैसों का लेनदेन किसके इशारे पर हुआ। अमन की गिरफ्तारी के साथ इस केस में कुल गिरफ्तारियों की संख्या 12 हो गई है।

गुरुवार को पुलिस ने टाइगर श्रॉफ की कार पर फायरिंग के मामले में गिरफ्तार 11 आरोपियों के खिलाफ महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण कानून (मकोका) के प्रावधान लागू किए हैं। इसके बाद सभी आरोपियों को दोबारा गिरफ्तार कर विशेष मकोका अदालत में पेश किया गया। विशेष न्यायाधीश सत्यनारायण नवनंदर ने सभी आरोपियों को 6 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेजने का आदेश दिया। टाइगर श्रॉफ फुटबॉल ग्राउंड से निकल रहे थे, तभी दो हमलावरों ने उनकी कार पर पांच राउंड फायरिंग की। इस घटना में टाइगर बाल-बाल बच गए, लेकिन उनके कार चालक और वहां मौजूद एक व्लॉगर घायल हो गए थे। घटना के बाद सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट सामने आए थे, जिनमें कथित तौर पर लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्यों ने हमले की जिम्मेदारी ली थी। हालांकि, मामले में पुलिस की जांच जारी है।

आमिर-गौरी ने मनाया पहला करवा चौथ: शिल्पा, सोनम से लेकर मीरा तक, अनिल कपूर के घर लगा सितारों का जमावड़ा



आज एक्टर अनिल कपूर के घर करवा चौथ का त्योहार मनाया जा रहा है, जहां बॉलीवुड की कई अभिनेत्रियां शामिल हुईं। बता दें कि अनिल कपूर की पत्नी सुनीता कपूर हर साल करवा चौथ का सेलिब्रेशन अपने घर रखती हैं, जहां बॉलीवुड के तमाम सितारे शामिल होते हैं। आज भी शिल्पा शेट्टी, मीरा राजपूत समेत कई अभिनेत्रियां अनिल कपूर के घर करवा चौथ मनाने पहुंचीं। आइए, देखते हैं करवा चौथ के मौके पर किस अभिनेत्री का लुक कैसा रहा।

शिल्पा शेट्टी

शिल्पा शेट्टी करवा चौथ के मौके पर बेहद खूबसूरत अंदाज में नजर आईं। उन्होंने गुलाबी और हरे रंग के कॉम्बिनेशन वाली साड़ी पहनी, जिसके साथ उन्होंने हरे रंग का कढ़ाईदार ब्लाउज कैरी किया। अपने लुक को पूरा करने के लिए अभिनेत्री ने गले में नेकलेस, हाथों में चूड़ियां और हल्की ज्वेलरी पहनी।

महीप कपूर

महीप कपूर ने करवा चौथ के लिए लाल रंग का खूबसूरत पारंपरिक आउटफिट चुना। उनके कपड़ों पर सुनहरी कढ़ाई की गई थी, जिसने उनके लुक को खास बना दिया। उन्होंने इसके साथ हैवी ज्वेलरी पहनी और हाथों में पूजा की थाली लिए नजर आईं। शाहरुख खान की पत्नी गौरी खान भी करवाचौथ मनाती नजर आईं। गौरी ने त्योहार के मौके पर खूबसूरत सूट पहना, जिसमें वे काफी सुंदर नजर आईं।

गीता बसरा

गीता बसरा करवा चौथ के मौके पर गुलाबी रंग के सूट में नजर आईं। उनके सूट और दुपट्टे पर सुनहरी कढ़ाई थी, जिसने उनके लुक में चार चांद लगा दिए। उन्होंने बालों की चोटी बनाई और पारंपरिक ज्वेलरी के साथ अपना लुक पूरा किया।

सोनम कपूर

बॉलीवुड एक्ट्रेस सोनम कपूर मरून सूट पहने करवा चौथ मनाने पहुंची। इस दौरान एक्ट्रेस काफी शानदार लग रहीं थीं।

ताहिरा कश्यप

ताहिरा कश्यप भी करवा चौथ के जश्न में शामिल हुईं। उन्होंने लाल रंग का पारंपरिक आउटफिट पहना, जिस पर सुनहरी कढ़ाई और सजावट नजर आई। हाथों में पूजा की थाली और पारंपरिक कपड़ों में ताहिरा का अंदाज त्योहार के रंग में रंगा दिखा।

मीरा राजपूत

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा कपूर ने करवा चौथ के लिए हल्के क्रीम रंग का पारंपरिक आउटफिट चुना। उनके कपड़ों पर हल्की कढ़ाई थी। खुले बालों और सादे अंदाज में मिरा काफी खूबसूरत लग रही थीं। उनका हल्का और एलिगेंट लुक बाकी सितारों के रंगीन आउटफिट से अलग नजर आया।इसी साल शादी के बंधन में बंधे आमिर खान और गौरी स्प्रैट भी अनिल कपूर के घर करवा चौथ मनाने पहुंचे। इस दौरान दोनों हमेशा की तरह हाथ थामें नजर आए।

आचार्य नरेंद्र देव स्कूल में साबित खिदमत फाउंडेशन और मानवाधिकार टीम की संयुक्त पहल

बक्सर में पोलियो उन्मूलन के लिए चला जागरूकता अभियान, 400 बच्चों को बांटी गई जागरूकता टोपियां

बच्चों को पोलियो के खतरे, टीकाकरण और 'दो बूंद जिंदगी की' के महत्व की दी गई जानकारी



बक्सर (संवाददाता)। जिले में पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूकता बढ़ाने और बच्चों को इस गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से शहर में विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। कलेक्ट्रेट रोड स्थित गजाधरगंज के आचार्य नरेंद्र देव स्कूल में आयोजित इस कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों को पोलियो बीमारी, उसके दुष्परिणाम, बचाव के उपाय और नियमित टीकाकरण के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साबित खिदमत फाउंडेशन एवं अस्पताल तथा मानवाधिकार टीम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस अभियान में करीब 400 बच्चों को जागरूकता टोपियां वितरित की गईं। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों के माध्यम से पोलियो उन्मूलन का संदेश समाज के प्रत्येक परिवार तक पहुंचाना और अभिभावकों को बच्चों के नियमित टीकाकरण के प्रति जागरूक करना रहा।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों को बताया गया कि पोलियो एक गंभीर संक्रामक बीमारी है, जो मुख्य रूप से बच्चों को प्रभावित कर सकती है। यह बीमारी शरीर की तंत्रिका प्रणाली पर असर डालती है और कई मामलों में स्थायी शारीरिक विकलांगता का कारण बन सकती है। बच्चों को समझाया गया कि पोलियो से बचाव का सबसे प्रभावी उपाय समय पर टीकाकरण कराना है। निर्धारित समय पर पोलियो की खुराक लेने से बच्चों को इस बीमारी के खतरे से सुरक्षित रखने में मदद मिलती है। इसके साथ ही विद्यार्थियों को यह भी बताया गया कि पोलियो उन्मूलन केवल स्वास्थ्य विभाग या किसी एक संस्था की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि इसके लिए समाज के प्रत्येक व्यक्ति की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डॉ. दिलशाद आलम ने कहा कि पोलियो उन्मूलन के उद्देश्य से पिछले वर्ष भी जागरूकता रैली निकालकर व्यापक स्तर पर अभियान चलाया गया था। उस दौरान लोगों को पोलियो से बचाव, टीकाकरण और बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के प्रति जागरूक करने का प्रयास किया गया था। उसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी विद्यालय के बच्चों के बीच जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया है। उन्होंने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखना समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। इसके लिए जरूरी है कि प्रत्येक अभिभावक अपने बच्चों को निर्धारित समय पर पोलियो की खुराक अवश्य दिलाएं।

डॉ. दिलशाद आलम ने कहा कि जागरूकता अभियान का उद्देश्य केवल बच्चों को जानकारी देना नहीं है, बल्कि उन्हें इस अभियान का संदेशवाहक बनाना भी है। बच्चे जब अपने घरों और आसपास के लोगों तक पोलियो से बचाव की जानकारी पहुंचाएंगे, तो इसका सकारात्मक प्रभाव समाज में दिखाई देगा। उन्होंने कहा कि जागरूकता और टीकाकरण के माध्यम से ही आने वाली पीढ़ियों को पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखा जा सकता है।

स्वागत भाषण के दौरान डॉ. दिलशाद आलम एवं डॉ. मनीष ने पोलियो उन्मूलन के वैश्विक प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि दुनिया को पोलियो मुक्त बनाने के अभियान में विश्व स्वास्थ्य संगठन और रोटरी इंटरनेशनल का योगदान ऐतिहासिक रहा है। इन संस्थाओं के लगातार प्रयासों, व्यापक टीकाकरण कार्यक्रमों और जनजागरूकता अभियानों के कारण दुनिया के अधिकांश देशों में पोलियो का उन्मूलन हो चुका है। उन्होंने कहा कि पोलियो के खिलाफ वैश्विक स्तर पर लंबे समय से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इन प्रयासों में स्वास्थ्य संगठनों, वैज्ञानिकों, चिकित्सकों, सामाजिक संस्थाओं और आम लोगों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

उन्होंने बताया कि दुनिया के अधिकांश हिस्सों में पोलियो पर नियंत्रण प्राप्त किया जा चुका है, लेकिन पाकिस्तान और अफगानिस्तान जैसे कुछ देशों में अभी भी पोलियो के मामले सामने आते हैं। ऐसी स्थिति में यह जरूरी है कि पोलियो के प्रति किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। जागरूकता, नियमित निगरानी और टीकाकरण अभियान को लगातार जारी रखना आवश्यक है, ताकि बीमारी के दोबारा फैलने की आशंका को रोका जा सके। कार्यक्रम के दौरान पोलियो वैक्सीन के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले वैज्ञानिक डॉ. जोनास साल्क और डॉ. अल्बर्ट साबिन के योगदान को भी याद किया गया। बच्चों को बताया गया कि पोलियो के खिलाफ लड़ाई में इन दोनों वैज्ञानिकों का योगदान बेहद महत्वपूर्ण रहा है। डॉ. जोनास साल्क ने वर्ष 1955 में इनएक्टिवेटेड पोलियो वैक्सीन विकसित की थी, जबकि डॉ. अल्बर्ट साबिन ने 1960 के दशक में ओरल पोलियो वैक्सीन विकसित की। इन टीकों के विकास ने पोलियो से बचाव के वैश्विक प्रयासों को नई दिशा दी और बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

विद्यार्थियों को सरल भाषा में समझाया गया कि वैज्ञानिकों के लंबे शोध और प्रयासों के कारण आज पोलियो से बचाव के लिए प्रभावी टीके उपलब्ध हैं। इसलिए टीकाकरण को लेकर किसी प्रकार की लापरवाही नहीं करनी चाहिए। वक्ताओं ने कहा कि वैज्ञानिकों के योगदान को याद करने के साथ-साथ उनके प्रयासों को सफल बनाने की जिम्मेदारी भी समाज की है। जब प्रत्येक परिवार अपने बच्चों को समय पर टीका लगवाएगा, तभी पोलियो उन्मूलन के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी।

इस अवसर पर करीब 400 बच्चों को जागरूकता टोपियां वितरित की गईं। टोपियों के वितरण के माध्यम से विद्यार्थियों को पोलियो उन्मूलन अभियान से जोड़ने और उनके बीच जागरूकता का संदेश फैलाने का प्रयास किया गया। कार्यक्रम में बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। उन्होंने तालियों के साथ अतिथियों का स्वागत किया और पोलियो मुक्त समाज बनाने के संकल्प के प्रति अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त की। कार्यक्रम के दौरान शिक्षकों और आयोजकों ने भी बच्चों को पोलियो से बचाव के उपायों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बच्चों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए अभिभावकों को टीकाकरण के प्रति जागरूक रहना चाहिए। समाज में फैली भ्रांतियों और जानकारी के अभाव को दूर करने के लिए इस तरह के जागरूकता कार्यक्रम लगातार आयोजित किए जाने चाहिए। विद्यालयों में विद्यार्थियों को स्वास्थ्य संबंधी विषयों की जानकारी देने से वे छोटी उम्र से ही अपने स्वास्थ्य और समाज की जिम्मेदारियों को समझने लगते हैं। कार्यक्रम में अंजूत कुमार सहित विद्यालय के शिक्षक रंजीत कुमार, एकता त्रिवेदी, अजय पाल उपाध्याय, दीपिका, रुखसाना बानो, दीपचंद, खुशबू कुमारी, पूजा कुमारी एवं रमेश चौधरी समेत विद्यालय के सभी शिक्षकगण मौजूद रहे। उपस्थित अतिथियों और शिक्षकों ने पोलियो उन्मूलन के प्रति जागरूकता फैलाने के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने बच्चों को स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने और अपने परिवारों को भी जागरूक करने के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बचाव के लिए जागरूकता और टीकाकरण दोनों आवश्यक हैं। जब विद्यालय, सामाजिक संस्थाएं, स्वास्थ्य संगठनों और परिवारों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा, तभी इस अभियान को व्यापक स्तर पर आगे बढ़ाया जा सकेगा। आचार्य नरेंद्र देव स्कूल में आयोजित यह जागरूकता कार्यक्रम बच्चों के माध्यम से समाज तक स्वास्थ्य सुरक्षा का संदेश पहुंचाने की एक महत्वपूर्ण पहल रही। करीब 400 विद्यार्थियों को जागरूकता टोपियां वितरित कर पोलियो के प्रति सचेत करने के साथ उन्हें टीकाकरण का महत्व भी समझाया गया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने स्पष्ट किया कि दुनिया के अधिकांश देशों में पोलियो उन्मूलन की दिशा में उल्लेखनीय सफलता के बावजूद जागरूकता और टीकाकरण के प्रयासों को जारी रखना जरूरी है। 'दो बूंद जिंदगी की' का संदेश प्रत्येक घर तक पहुंचाना और यह सुनिश्चित करना कि कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक से वंचित न रहे, इसी सामूहिक प्रयास का सबसे महत्वपूर्ण उद्देश्य है।

'दो बूंद जिंदगी की' का संदेश हर घर तक पहुंचाने की अपील

कार्यक्रम में वक्ताओं ने कहा कि 'दो बूंद जिंदगी की' केवल एक नारा नहीं, बल्कि बच्चों के सुरक्षित भविष्य और स्वस्थ समाज के निर्माण का संदेश है। पोलियो की खुराक बच्चों को गंभीर बीमारी से बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसलिए अभिभावकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनका कोई भी बच्चा पोलियो की खुराक लेने से वंचित न रह जाए। उन्होंने कहा कि पोलियो उन्मूलन के लिए सरकारी प्रयासों के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं, विद्यालयों, शिक्षकों, अभिभावकों और आम नागरिकों का सहयोग भी बेहद जरूरी है। वक्ताओं ने इस बात पर भी जोर दिया कि बच्चों में स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता विकसित करने के लिए विद्यालय सबसे प्रभावी माध्यमों में से एक हैं। विद्यालयों में आयोजित ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों को न केवल बीमारी के बारे में जानकारी देते हैं, बल्कि उन्हें अपने परिवार और समाज के प्रति जिम्मेदार बनने की प्रेरणा भी देते हैं। बच्चों को बताया गया कि वे अपने माता-पिता और आसपास के लोगों को पोलियो टीकाकरण के महत्व के बारे में जानकारी दें और यह संदेश फैलाएं कि प्रत्येक बच्चे को समय पर पोलियो की खुराक मिलनी चाहिए।

जनरल स्टोर में भीषण अगलगी, लाखों का सामान जलकर राख

तीन दमकल गाड़ियों ने एक घंटे में पाया काबू



बक्सर (संवाददाता)। शहर के नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत यमुना चौक के समीप गुरुवार देर रात एक जनरल स्टोर में अचानक भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की लपटें इतनी तेज थीं कि कुछ ही देर में दुकान के अंदर रखा सामान इसकी चपेट में आ गया। दुकान से उठते घने धुएं और आग की लपटों को देखकर आसपास के लोगों में दहशत फैल गई। घटना की जानकारी मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई। लोगों ने अपने स्तर से आग बुझाने का प्रयास किया और तत्काल बक्सर अग्निशमन विभाग को इसकी सूचना दी। सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम दमकल वाहनों के साथ घटनास्थल पर पहुंची और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया। काफी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया जा सका। इस अगलगी में दुकान के अंदर रखा बड़ी मात्रा में सामान जलकर राख हो गया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, घटना में लाखों रुपये की संपत्ति के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

यमुना चौक के समीप बबलू केसरी द्वारा केसरी जनरल स्टोर नाम से दुकान संचालित की जाती है। गुरुवार देर रात दुकान में अचानक आग लग गई। शुरुआती दौर में आग लगने की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी। हालांकि, दुकान से धुआं निकलते देखकर आसपास के लोगों को घटना की जानकारी हुई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और दुकान के अंदर रखे सामान को अपनी चपेट में लेना शुरू कर दिया। आग की भयावहता को देखते हुए आसपास के लोग घटनास्थल पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने आग को फैलने से रोकने और उसे बुझाने का प्रयास किया, लेकिन आग तेजी से फैल रही थी। इसके बाद अग्निशमन विभाग को सूचना दी गई, ताकि समय रहते आग पर नियंत्रण पाया जा सके। आग लगने की सूचना मिलने के बाद बक्सर अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल घटनास्थल पर पहुंची। दुकान में आग की भयावह स्थिति को देखते हुए विभाग ने दो बड़ी और एक छोटी अग्निशमन गाड़ी को आग बुझाने के काम में लगाया। अग्निशमन कर्मियों ने मौके पर पहुंचते ही मोर्चा संभाला और लगातार पानी का छिड़काव कर आग को नियंत्रित करने का प्रयास शुरू किया। आग की तीव्रता को देखते हुए काफी सावधानी के साथ अभियान चलाया गया।

दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे तक लगातार कड़ी मशक्कत की। इस दौरान आग को पूरी तरह बुझाने के साथ उसके आसपास फैलने की आशंका को नियंत्रित करने पर भी ध्यान दिया गया। लगातार प्रयासों के बाद आखिरकार आग पर पूरी तरह काबू पा लिया गया। अग्निशमन विभाग की तत्परता के कारण आग को आगे फैलने से रोकने में मदद मिली। घटना के दौरान इलाके में लोगों की भीड़ जुटी रही और सभी की नजरें आग बुझाने में लगे अग्निशमन कर्मियों पर टिकी रहीं। इस भीषण अगलगी में केसरी जनरल स्टोर के अंदर रखा काफी सामान जलकर नष्ट हो गया। जनरल स्टोर में रोजमर्रा के उपयोग की विभिन्न वस्तुएं रखी हुई थीं। आग ने दुकान के अंदर रखे सामान को अपनी चपेट में ले लिया, जिससे दुकानदार को भारी आर्थिक नुकसान होने की आशंका है।

डॉ. के. के. मंडल महिला महाविद्यालय में मनाया गया सतर्कता जागरूकता सप्ताह

बक्सर (संवाददाता)। शहर के नया बाजार स्थित डॉक्टर के. के. मंडल महिला महाविद्यालय में सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अंतर्गत 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन एसटीपीएल थर्मल पावर प्लांट, चौसा, बक्सर के सौजन्य से किया गया। प्रतियोगिता महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य प्रोफेसर अनिल कुमार की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जबकि मंच संचालन प्रोफेसर रामाधार सिंह ने किया।

प्रतियोगिता का उद्देश्य छात्राओं के बीच ईमानदारी, पारदर्शिता, नैतिक मूल्यों और भ्रष्टाचार के विरुद्ध जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' विषय पर छात्राओं ने अपने विचार रखते हुए व्यक्तिगत एवं सामाजिक जीवन में सत्यनिष्ठा के महत्व को रेखांकित किया। छात्राओं ने कहा कि किसी भी समाज और देश के विकास के लिए ईमानदारी, जवाबदेही और पारदर्शिता बेहद जरूरी है। युवाओं में नैतिक मूल्यों की मजबूत नींव रखकर ही भ्रष्टाचार मुक्त और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सकता है।

आयोजित भाषण प्रतियोगिता में महाविद्यालय की करीब 30 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। छात्राओं ने निर्धारित विषय पर अपने विचारों को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में शामिल प्रतिभागियों में स्मृति सिन्हा, साक्षी कुमारी, साक्षी सिंह, नंदिनी वर्मा, रिया कुमारी, राजनंदनी, सिंटू कुमारी, रीना कुमारी, मधु पटेल, पुनीता यादव, काजल कुमारी, रिद्धि कुमारी, अंशु कुमारी, गोल्डी कुमारी, शबनम खातून, पिंकी कुमारी, सफिया खातून, श्रुति कुमारी, माया कुमारी, चंचल कुमारी, रुबी कुमारी, अपर्णा कुमारी, अनिशा कुमारी, प्रीति कुमारी सहित अन्य छात्राएं शामिल रहीं।

महाविद्यालय प्रशासन के अनुसार प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाली छात्राओं का चयन एसटीपीएल के अधिकारियों एवं महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा किया जाएगा तथा सतर्कता जागरूकता सप्ताह के समापन समारोह के अवसर पर प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली छात्राओं को पुरस्कृत किया जाएगा। इससे छात्राओं में स्वस्थ प्रतिस्पर्धा के साथ-साथ सत्यनिष्ठा और नैतिक जिम्मेदारी के प्रति जागरूकता को भी बढ़ावा मिलेगा।

गड्ढों और जलजमाव से बदहाल बक्सर-इटाढ़ी मुख्य मार्ग, हर दिन हादसों का खतरा

बक्सर (संवाददाता)। बक्सर से इटाढ़ी जाने वाला मुख्य मार्ग इन दिनों अपनी बदहाल स्थिति के कारण राहगीरों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। सड़क पर जगह-जगह बने गहरे गड्ढे और जलजमाव ने आवागमन को जोखिम भरा बना दिया है। स्थिति ऐसी है कि इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को हर कदम पर दुर्घटना की आशंका बनी रहती है। खासकर प्रतिदिन स्कूल आने-जाने वाले बच्चों की सुरक्षा को लेकर अभिभावकों की चिंता बढ़ गई है।



यह सड़क केवल बक्सर और इटाढ़ी प्रखंड को जोड़ने वाला प्रमुख मार्ग नहीं है, बल्कि बक्सर को रोहतास जिले के दिनारा से भी जोड़ती है। इसके माध्यम से करीब दो लाख की आबादी जिला मुख्यालय तक पहुंचती है। प्रतिदिन हजारों लोग इस सड़क का इस्तेमाल करते हैं। इसके बावजूद सड़क की बदहाली दूर करने के लिए अब तक कोई ठोस पहल नजर नहीं आ रही है। इस मार्ग पर इटाढ़ी रेलवे गुमटी पार करने के बाद पीसी कॉलेज के समीप से लेकर पेट्रोल पंप तक सड़क की स्थिति बेहद खराब है। बारिश और नालों का पानी सड़क पर जमा रहने के कारण गहरे गड्ढे दिखाई नहीं देते। ऐसे में अनजान राहगीर अचानक गड्ढों में पहुंचकर अपना संतुलन खो बैठते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस मार्ग पर बाइक सवारों और ऑटो रिक्शा के दुर्घटनाग्रस्त होने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि बालू लदे भारी वाहनों के लगातार परिचालन से जिले की कई सड़कों की स्थिति बदतर होती जा रही है। भारी वाहनों के दबाव के कारण सड़कें तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही हैं। वहीं, समय पर मरम्मत नहीं होने से आम लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों ने जनप्रतिनिधियों और जिला प्रशासन से इस महत्वपूर्ण सड़क की अविलंब मरम्मत कराने की मांग की है। उनका कहना है कि सड़क की बदहाली महज आवागमन की समस्या नहीं, बल्कि स्कूली बच्चों, मरीजों और रोजाना सफर करने वाले हजारों लोगों की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर मामला है। लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

बेटी का हाथ थाम डीएम के दरबार पहुंचे संतोष कुमार, जहाज घाट के विशाल नीम के पेड़ को बचाने की लगाई गुहार

बक्सर। पर्यावरण संरक्षण और पेड़-पौधों को बचाने का संदेश देने के लिए बक्सर शहर के जहाज घाट निवासी संतोष कुमार ने एक अनूठी पहल की है। जहाज घाट एवं आसपास के इलाके में मौजूद वर्षों पुराने विशाल और हरे-भरे नीम के पेड़ को कटने से बचाने के लिए संतोष कुमार अपनी नन्हीं धावक बेटी का हाथ थामकर जिलाधिकारी के पास पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी से मुलाकात कर इस पेड़ को बचाने की हरसंभव कोशिश करने की मांग उठाई। साथ ही पेड़ काटने की अनुमति दिए जाने और उससे जुड़ी पूरी प्रशासनिक प्रक्रिया की निष्पक्ष जांच कराने का आग्रह किया। संतोष कुमार की इस पहल के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण के प्रति नागरिकों की जिम्मेदारी और प्रकृति को बचाने की आवश्यकता का संदेश सामने आया है।

संतोष कुमार के अनुसार, जहाज घाट और उसके आसपास के क्षेत्र में इतना विशाल, पुराना और हरा-भरा नीम का पेड़ दूसरा नजर नहीं आता। वर्षों से अपनी जड़ें जमाए खड़ा यह पेड़ इलाके की हरियाली और प्राकृतिक वातावरण का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उनका मानना है कि ऐसे पेड़ केवल छाया देने या हरियाली बढ़ाने तक सीमित नहीं होते, बल्कि किसी क्षेत्र की प्राकृतिक पहचान और पर्यावरणीय विरासत का भी हिस्सा बन जाते हैं। उन्होंने कहा कि वर्षों पुराने इस नीम के पेड़ को काटने से पहले उसके महत्व और उपयोगिता पर गंभीरता से विचार किया जाना चाहिए। पेड़ का आकार, उसकी उम्र और आसपास के पर्यावरण में उसकी भूमिका को देखते हुए इसे बचाने के विकल्प तलाशने की जरूरत है। किसी भी परिस्थिति में पेड़ को काटने का निर्णय लेने से पहले यह देखना आवश्यक है कि क्या उसे सुरक्षित रखते हुए संबंधित कार्य किया जा सकता है।



संतोष कुमार का कहना है कि हरे-भरे पेड़ों को बचाना आज के समय की बड़ी जरूरत है। शहरों में तेजी से बदलते परिवेश के बीच पुराने पेड़ों का संरक्षण और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। ऐसे पेड़ वर्षों तक पर्यावरण को लाभ पहुंचाते हैं और स्थानीय क्षेत्र की हरियाली को बनाए रखने में योगदान देते हैं। इसलिए जहाज घाट के इस विशाल नीम के पेड़ को बचाने के लिए प्रशासन को गंभीरता से विचार करना चाहिए। जिलाधिकारी के समक्ष अपनी बात रखते हुए संतोष कुमार ने पेड़ काटने की अनुमति से जुड़े कई महत्वपूर्ण सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि यदि वन विभाग की ओर से इस पेड़ को काटने की अनुमति दी गई है, तो पेड़ काटने के दौरान विभाग का कोई जिम्मेदार कर्मचारी मौके पर मौजूद होना चाहिए या नहीं, यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है। उन्होंने इस पूरी प्रक्रिया की जानकारी सार्वजनिक करने की भी मांग की।

उन्होंने सवाल किया कि यदि पेड़ काटने की अनुमति जिलाधिकारी स्तर से दी गई है, तो उससे संबंधित आदेश, अनुमति देने के कारण और अपनाई गई प्रक्रिया की जांच होनी चाहिए। आखिर किस आधार पर इतने विशाल और हरे-भरे पेड़ को काटने की अनुमति दी गई, इस बारे में स्थिति स्पष्ट होनी चाहिए। संतोष कुमार का कहना है कि किसी भी पेड़ को काटने से संबंधित निर्णय में निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन होना आवश्यक है।

उन्होंने प्रशासन से आग्रह किया कि इस मामले में संबंधित विभागों से जानकारी लेकर यह स्पष्ट किया जाए कि पेड़ काटने की अनुमति किस स्तर से और किन परिस्थितियों में दी गई है। यदि अनुमति दी गई है, तो उससे संबंधित दस्तावेज और प्रक्रिया की निष्पक्षता की जांच होनी चाहिए, ताकि पूरे मामले में पारदर्शिता बनी रहे। संतोष कुमार ने स्पष्ट किया कि उन्हें किसी भी वैधानिक प्रक्रिया से कोई आपत्ति नहीं है। उनका उद्देश्य किसी विभाग या प्रशासनिक व्यवस्था पर अनावश्यक सवाल खड़ा करना नहीं, बल्कि पेड़ के संरक्षण और अनुमति से जुड़ी प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित कराना है। यदि पेड़ काटने की अनुमति नियमानुसार दी गई है, तो संबंधित विभाग को इसके कारणों और पूरी प्रक्रिया की जानकारी स्पष्ट रूप से सामने रखनी चाहिए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480